@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 13 अगस्त 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 280 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

एफसीआरए विधेयक जेपीसी भेजने का प्रस्ताव लोकसभा में पास

इस प्रस्तावित संयुक्त समिति में लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 सदस्य शामिल होंगे।

एजेंसी
नई दिल्ली । नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक (एफसीआरए), 2026 को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) भेजने का निर्णय लिया है। बुधवार को इसका प्रस्ताव लोकसभा में रखा गया, जिसे सदन ने ध्वनिमत से पास किया। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री की ओर से विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक (एफसीआरए), 2026 को जेपीसी को सौंपने का यह प्रस्ताव रखा। इस प्रस्तावित संयुक्त समिति में लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 सदस्य शामिल होंगे। समिति को विधेयक की जांच करने और शीतकालीन सत्र 2026 के पहले सप्ताह के आखिरी दिन तक अपनी रिपोर्ट सौंपने का काम सौंपा गया है। हालांकि, विपक्ष ने सरकार के इस प्रस्ताव का विरोध किया। कांग्रेस सांसद वेणुगोपाल ने कहा, 'सरकार अल्पसंख्यकों और एनजीओ को निशाना बनाने की कोशिश कर रही है। हमारी मांग है कि सरकार इस बिल को वापस ले।'

रिजिजू बोले- 'ये अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं'

विपक्ष के आरोपों पर जवाब देते हुए केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'केसी वेणुगोपाल ने गलत बोला है। कई दिनों से कांग्रेस और अन्य दलों ने मांग की कि एफसीआरए संशोधन विधेयक को जेपीसी में भेजा जाए। जब इस महत्वपूर्ण बिल को जेपीसी में भेज रहे हैं तो विपक्ष को इस पर आपत्ति हो रही है।' रिजिजू ने कहा कि केसी वेणुगोपाल या अन्य सदस्य को इस बिल में आपत्तिजनक कुछ बिंदु लगने हैं तो जेपीसी में मत रख सकते हैं। इसमें उन्हें पर्याप्त समय मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'इस विधेयक से किसी भी अल्पसंख्यक वर्ग को टारगेट नहीं किया जा रहा है। पूरे देश को सुरक्षित रखने के लिए नियम बना रहे हैं।'

सपा सांसदों ने FCRA बिल को JPC के पास भेजने का किया समर्थन

नई दिल्ली । विपक्षी सांसदों ने बुधवार को विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजने का समर्थन किया है। उन्होंने सरकार से सदन में राम मंदिर चढ़ावा मामले पर भी जवाब देने की मांग की। समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने भी एफसीआरए विधेयक को जेपीसी के पास भेजे जाने का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यदि इसे जेपीसी में भेजा जा रहा है तो यह अच्छी बात है, क्योंकि विपक्ष पहले ही आशंका जता चुका है कि संस्थाओं और उनके जमीनी स्तर पर काम करने के तरीके को लेकर किस तरह हेरफेर हो सकता है।

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का इस्तीफा

कहा-पिछले एक दशक में टाटा संस का नेतृत्व करना एक बड़ा सम्मान

एजेंसी
नई दिल्ली । टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने आज 12 अगस्त को इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा 18 अगस्त को होने वाली टाटा संस की एजीएम से ठीक पहले आया है। हालांकि, वे फरवरी 2027 तक पद पर बने रहेंगे। चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल को लेकर टाटा ट्रस्ट्स के साथ सहमति नहीं बन पाई थी। नए कारोबारों में भारी निवेश, उनके प्रदर्शन और टाटा संस के भविष्य को लेकर मतभेद इस फैसले की बड़ी वजह बने।

चंद्रशेखरन ने इस्तीफा देते हुए क्या कहा?

चंद्रशेखरन ने कहा कि, 'टाटा संस के चेयरमैन के रूप में मेरा मौजूदा कार्यकाल 20 फरवरी 2027 को खत्म हो रहा है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास करके मेरे अगले 5 साल के कार्यकाल के विस्तार की सिफारिश की थी। इसे टाटा संस की नॉमिनेशन एंड रेमुनरेशन कमेटी और बोर्ड ने दर्ज किया था और आगे बढ़ाने की सिफारिश की थी। इसके बाद, यह प्रस्ताव 24 फरवरी 2026 को टाटा संस बोर्ड के सामने रखा गया था। हालांकि, यह प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ सका क्योंकि बोर्ड के एक सदस्य ने इसका समर्थन नहीं किया। सर्वसम्मत समर्थन न मिलने की वजह से मैंने इस फैसले को टालने का विकल्प चुना। उस बोर्ड मीटिंग को हुए 6 महीने बीत चुके हैं और आज तक कोई फैसला नहीं हो पाया है। टाटा संस एक बहुत बड़ा संस्थान है और कई बड़े रणनीतिक प्रोजेक्ट्स अभी अहम मोड़ पर हैं।

'हमें अमित शाह का बयान सुनने में कोई दिलचस्पी नहीं'

छात्रों के मुद्दों पर जवाब देना चाहिए : राहुल गांधी

एजेंसी
नई दिल्ली । लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का बयान या 'लेक्चर' सुनने में कोई दिलचस्पी नहीं है। उनकी प्राथमिकता देश की युवा पीढ़ी से जुड़े उन सवालों का जवाब पाना है, जिनका संबंध छात्रों पर हुई कथित हिंसा से है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की है और विपक्ष की अन्य पार्टियों ने भी अपना रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष जानना चाहता है कि दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर गोली चलाने का आदेश किसने दिया, किसके आदेश से छात्रों पर लाठीचार्ज हुआ और एक छात्र की आंख की रोशनी जाने की घटना के लिए कौन जिम्मेदार है। उन्होंने गृह मंत्रालय की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि छात्रों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश गृह मंत्रालय के स्तर से लागू किया गया था। राहुल गांधी ने सीधे अमित शाह से सवाल किया कि क्या उन्होंने छात्रों पर गोली चलाने का आदेश दिया था।उन्होंने कहा कि यदि ऐसा आदेश गृह मंत्री ने दिया था तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि तब वे इस कार्रवाई के लिए जिम्मेदार होंगे।

अखिलेश का अमित शाह पर पलटवार, बोले- 'देश भाषण सुनने के मूड में नहीं'

लखनऊ । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संसद में जारी गतिरोध को लेकर दिए बयान पर समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पलटवार किया है। अखिलेश ने कहा कि संसद में जवाब देने के लिए सरकार जिस समय सीमा की बात कर रही है, वह अपने आप में अलोकतांत्रिक है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार वास्तव में किसी सवाल का जवाब देना ही नहीं चाहती और संसद के मौजूदा सत्र को जल्द समाप्त करने के लिए उतावली है। दरअसल गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में जारी गतिरोध को लेकर कहा था कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है लेकिन विपक्ष को सदन चलने देना चाहिए। इसी पर प्रतिक्रिया देते हुए सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर पोस्ट कर सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। अखिलेश यादव ने 'एक्स' पर लिखा कि संसद में जवाब देने के लिए सरकार जो समय-सीमा तय करना चाहती है, वो स्वयं में अलोकतांत्रिक है। दरअसल ये जवाब नहीं होगा, थोथा बयान होगा। उन्होंने कहा कि सच तो ये है कि भाजपा चाह ही नहीं रही है कि कोई जवाब दिया जाए।

'शॉर्टकट विल कट यू शॉर्ट', प्रधानमंत्री मोदी का संदेश- 'शॉर्टकट के रास्ते से निकलें बाहर नौजवान'

सोशल मीडिया में इंफ्लूएंसर आपको खींचकर कहीं से कहीं ले जाते हैं।

एजेंसी
नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की युवा पीढ़ी 'शॉर्टकट' के रास्ते से बाहर निकलने का आग्रह किया है। पीएम मोदी ने युवा पीढ़ी से पूर्व राष्ट्रपति की आत्मकथा पढ़ने और उनके जीवन के अनुभवों व संघर्षों से सीखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'मैं युवा पीढ़ी से खासकर आग्रह करता हूं। रील का जमाना है।

सोशल मीडिया में इंफ्लूएंसर आपको खींचकर कहीं से कहीं ले जाते हैं। इस शॉर्टकट के युग में भी एक बात जरूर याद रखें। रेलवे स्टेशनों पर कुछ लोगों को पटरी पर कूदकर जाने की आदत होती है। वह ब्रिज से होकर नहीं जाते हैं, लेकिन वहां (रेलवे स्टेशन) पर लिखा होता है- 'शॉर्टकट विल कट यू शॉर्ट'।' पीएम मोदी ने कहा कि अगर शॉर्टकट के रास्ते से बाहर निकलना है तो मैं नौजवानों से कहूंगा कि आपको जिसकी भी आत्मकथा पसंद हो, कृपया उसे पढ़ें।

पीएम ने रामनाथ कोविंद की आत्मकथा 'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिकः माई लाइफ, माई स्ट्रगल्स' का विमोचन किया।

'रामनाथ कोविंद की आत्मकथा लोकतंत्र और समाज के लिए धरोहर बनेगी', पीएम मोदी ने की जमकर तारीफ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा 'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक : माई लाइफ, माई स्ट्रगल्स' का विमोचन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के साथ अपने लंबे जुड़ाव को याद किया। उन्होंने राष्ट्रपति के तौर पर कोविंद के कार्यकाल के दौरान मिले मार्गदर्शन और स्नेह की प्रशंसा भी की। उन्होंने कहा कि कोविंद की आत्मकथा भारतीय लोकतंत्र और समाज के लिए एक 'अनमोल धरोहर' बनेगी। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, 'आज हमें रामनाथ कोविंद की आत्मकथा के विमोचन का अवसर मिला है। मुझे खुशी है कि इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने का सौभाग्य मिला है। रामनाथ कोविंद से बहुत लंबा परिचय रहा है। उन्हें करीब से जानने का भी अवसर मिला है। राष्ट्रपति के रूप में उनके मार्गदर्शन के साथ-साथ उनका मेरे प्रति विशेष स्नेह और आत्मीयता, यह मेरी बहुत बड़ी पूंजी रही है।'

जस्टिस यशवंत केसः जांच समिति ने तीनों आरोपों में माना दोषी

घर से मिले नोटों पर नहीं मिला संतोषजनक जवाब

एजेंसी
नई दिल्ली । इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व जस्टिस यशवंत वर्मा से जुड़े कैश कांड में जांच समिति की रिपोर्ट से बड़ा खुलासा हुआ है। लोकसभा अध्यक्ष की ओर से गठित जांच समिति ने उनके खिलाफ लगाए गए तीनों आरोपों को सही माना है। रिपोर्ट में उन्हें दोषी करार दिया गया है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस मामले में किसी प्रकार की साजिश के संकेत नहीं मिले हैं। मामला दिल्ली में जस्टिस वर्मा के आधिकारिक आवास से नकदी मिलने और उसके बाद शुरू हुई जांच से जुड़ा है। जांच समिति ने नकदी की मौजूदगी, उससे जुड़े साक्ष्यों के रखरखाव और जस्टिस वर्मा की ओर से दिए गए स्पष्टीकरण को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं।

पद प्रतिष्ठा दोनों ले गये अधजले नोट

क्या घर के स्टोररूम में मिले थे 500 रुपये के नोट?

समिति ने अपने निष्कर्ष में जज को दोषी माना है। रिपोर्ट के मुताबिक, नई दिल्ली के 30, तुगलक क्रिसेंट स्थित आधिकारिक आवास के स्टोररूम में पर्याप्त संख्या में 500 रुपये मूल्यवर्ग के नोट मिले थे। समिति ने कहा कि जज यह संतोषजनक ढंग से स्पष्ट नहीं कर सके कि ये नोट वहां कैसे पहुंचे, उनका स्रोत क्या था और उनका स्वामित्व किसका था?

6 राज्यों में भारी बारिश से जनजीवन बेहाल

भोपाल में 8.57 इंच बारिश । हाड़ौती में 12 इंच बरसा पानी

बिहार में बिजली गिरने से 9 मौतें

एजेंसी
नई दिल्ली। देश के मध्य और पूर्वी हिस्से में मानसून एक्टिव है। मध्यप्रदेश, राजस्थान के कई इलाकों में लगातार तीसरे दिन भारी बारिश से हालात खराब हैं। इसकी वजह तीन मानसूनी सिस्टम हैं। इनके कारण अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से बड़ी मात्रा में नमी आ रही है।

भोपाल में बुधवार को लगातार तीसरे दिन स्कूलों में छुट्टी है। यहां दो दिनों में 8.57 इंच बारिश हुई। करीब 200 मकानों में ढाई फीट तक पानी भर गया।

राजस्थान : प्रदेश के हाड़ौती अंचल (कोटा, बारां, बूंदी और झालावाड़) में पिछले 24 घंटों में 12 इंच तक भारी बारिश हुई है। मौसम विभाग ने आज राज्य के 6 जिलों में ऑरेंज और 17 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है।

बिहार : राज्य के विभिन्न जिलों में पिछले 24 घंटों के दौरान आसमान से बरसी बिजली (वज्रपात) की चपेट में आने से 9 लोगों की दुखद मौत हो गई और कई लोग झुलस गए।

हिमाचल प्रदेश : कुल्लू के NH-305 पर चलती कार पर चट्टानें गिरने से दो लोग घायल हो गए। राज्य में चंडीगढ़-मनाली फोरलेन समेत 259 सड़कें बंद हैं और 161 बिजली ट्रांसफॉर्मर ठप पड़े हैं।

उत्तर प्रदेश व असम : यूपी के बिजनौर और फर्रुखाबाद में गंगा नदी का पानी सड़कों पर आने से 40 से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। वहीं असम में बाढ़ के कारण मौतों का आंकड़ा 101 तक पहुंच गया है।

मौसम का पूर्वानुमान

मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में एक नया कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है, जिसके प्रभाव से 15 अगस्त तक मध्य भारत, राजस्थान और दक्षिण बंगाल के जिलों में भारी से अत्यंत भारी बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है। देश के 741 जिलों में से लगभग 46 प्रतिशत (338 जिलों) में अब तक सामान्य से कम बारिश दर्ज की गई है।

'लोकसभा की सीटें 543 पर स्थिर कर देनी चाहिए'

अन्यथा यह चीन की संसद जैसी हो जाएगीः चिदंबरम

एजेंसी
नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद पी. चिदंबरम ने बुधवार को कहा कि लोकसभा की सीटों को 543 पर स्थिर कर देना चाहिए, अन्यथा यह चीन की संसद की तरह हो जाएगी। कांग्रेस सांसद पी चिदंबरम ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'लोकसभा को 543 पर फ्रीज किया जाना चाहिए। वरना यह चीन की संसद जैसी हो जाएगी। यह सदन नहीं, एक सार्वजनिक सभा बन जाएगी।' उन्होंने आगे कहा कि तमिलनाडु का मौजूदा हिस्सा 7.18 फीसदी है। इसलिए तमिलनाडु समेत सभी दक्षिण भारतीय राज्यों का कोटा भी फ्रीज किया जाना चाहिए। उन्हें परिवार नियोजन लागू करने की सजा नहीं दी जा सकती।' उन्होंने झारखंड में 'विधानसभा घेराव' मार्च के दौरान छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, 'झारखंड मुद्दे पर राहुल गांधी और मेरे समेत कई अन्य लोगों ने पुलिस कार्रवाई की निंदा की है। मैंने कहा था कि पुलिस और उनके राजनीतिक आकाओं पर शर्म आती है। ऐसा नहीं होना चाहिए था, लेकिन ऐसा हुआ है, इसलिए हम इसकी निंदा करते हैं।'

'परिसीमन विधेयक की कोई आवश्यकता नहीं है'

कांग्रेस सांसद पी चिदंबरम ने आगे कहा, 'उस परिसीमन विधेयक की कोई आवश्यकता नहीं है। राज्यों के मौजूदा प्रतिनिधित्व को कम नहीं किया जाना चाहिए। हमें क्यों दंडित किया जा रहा है? उन राज्यों को क्यों दंडित किया जा रहा है जिन्होंने ईमानदारी और सर्वसम्मति से परिवार नियोजन कार्यक्रम को लागू किया है?'

मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा गृहमंत्री पेश करे बिल

जेपी नड्डा बोले- विपक्ष सदन को कर रहा गुमराह

एजेंसी
नई दिल्ली । सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने बुधवार को राज्यसभा में राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम अधिनियम, 1962 में संशोधन करने वाले विधेयक को पेश किया। हालांकि, इस पर विपक्ष ने ऐतराज जताया। विपक्ष का कहना था कि कार्य सूची के मुताबिक, यह विधेयक गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को सदन में पेश करना चाहिए था। वहीं, सत्ता पक्ष ने विपक्ष की इस बात को खारिज किया। सत्ता पक्ष का कहना है कि विपक्ष केवल सदन को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। संशोधन विधेयक पेश करते हुए सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने कहा कि वह केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की ओर से प्रस्ताव रखते हैं कि राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम अधिनियम, 1962 में संशोधन करने वाले विधेयक को, जैसा कि लोकसभा से पारित हुआ है, विचार और पारित करने के लिए लिया जाए। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि अगर कोई मंत्री किसी आवश्यक कार्य के कारण सदन में उपस्थित नहीं हो पाता है तो ऐसे में मंत्री का कोई साथी विधेयक पेश कर सकता है। ये सब हम जानते हैं। उन्होंने कहा कि मैं यही चाहता हूं कि जिनके नाम से यह विधेयक है, किसी कारण से अगर वे अनुपस्थित हैं तो कोई बात नहीं, लेकिन हर ऐसा रोज नहीं होना चाहिए।

राज्यसभा के नेता सदन जेपी नड्डा ने कहा -

विपक्ष के नेता सदन को गुमराह कर रहे हैं। नड्डा ने कहा कि सरकार ने स्पष्ट रूप से कहा है कि हम हर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। नड्डा ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि चर्चा से तो उल्टा आप भाग रहे हैं।

मणिपुर के कांगपोकपी में नागा गांव पर हमला, नौ मकान जलाए

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में हथियारबंद बदमाशों ने एक नागा गांव पर हमला कर कई मकानों में आग लगा दी। सूत्रों के अनुसार, लियांगमाई नागा समुदाय के कम से कम नौ मकान पूरी तरह जलकर खाक हो गए। घटना मंगलवार रात करीब 9:30 बजे टोकपा लियांगमाई गांव में हुई। टोकपा लियांगमाई गांव महिका और लोअर थानंबा गांवों के बीच स्थित है। देर रात हुए हमले में नौ मकानों के पूरी तरह जलने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, हमले के पीछे की परिस्थितियों और इसमें शामिल लोगों की पहचान तत्काल स्पष्ट नहीं हो सकी है। घटना के बाद गांव में भय और चिंता का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की तत्काल जांच कराने और क्षेत्र में रहने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। बुधवार सुबह तक कांगपोकपी जिला प्रशासन, मणिपुर पुलिस या सुरक्षा बलों की ओर से घटना को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था। यह भी स्पष्ट नहीं है कि हमले में किसी व्यक्ति की मौत या घायल होने की सूचना है या नहीं। मणिपुर के कई हिस्सों में पहले से जारी तनाव के बीच इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नई चिंता पैदा कर दी है। प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की ओर से विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने बेंगलुरु जेल में छापा मारा, रेवन्ना व दो कैदियों के पास मिले फोन

बेंगलुरु (एजेंसी)। सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने बेंगलुरु स्थित परप्पना अग्रहारा जेल में छापेमारी की। छापेमारी में जनता दल (सेक्युलर) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना और प्रताप राय नाम के एक अन्य कैदी के पास फोन मिले हैं। दोनों के खिलाफ परप्पना अग्रहारा जेल में प्रिजन्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह धारा जेल के अंदर या बाहर गैर-कानूनी सामान लाने, बिना इजाजत कैदियों से बात करने या इन नियमों को तोड़ने में मदद करने पर सजा का प्रावधान है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच अधिकारी नोटिस भेजने और आगे की कार्रवाई शुरू करने से पहले वे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं और और जानकारी जुटा रहे हैं। डीजीपी जेल ने बताया कि मंगलवार दोपहर सीसीबी ने सभी हाई-प्रोफाइल कैदियों के यहां छापेमारी की। प्रज्वल रेवन्ना के पास से एक एंड्रॉयड फोन ज़ब्त किया है। डीआईजी (साउथ) की रिपोर्ट पर संबंधित असिस्टेंट जेल सुपरिटेंडेंट को सस्पेंड कर दिया गया है और बैंगलोर सेंट्रल जेल के एसपी को शो कॉज नोटिस जारी किया गया है। इस घटना की विस्तृत जांच की जा रही है।

अमेरिकी वीज़ा के लिए फर्जीवाड़ा : आंध्र प्रदेश का युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी दूतावास की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने आंध्र प्रदेश के 25 वर्षीय युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। युवक पर गैर-आप्रवासी वीजा के लिए आवेदन करते समय फर्जी दस्तावेज जमा करने का आरोप है। घटना 7 अगस्त को नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में हुई, जहाँ युवक वीज़ा इंटरव्यू के लिए पहुंचा था। आरोपी ने अपनी शैक्षिक योग्यता के रूप में राजस्थान के एक विश्वविद्यालय से कंप्यूटर्स में बैचलर ऑफ कॉमर्स की फर्जी डिग्री पेश की। इतना ही नहीं आरोपी ने 35,000 रुपये मासिक वेतन दिखाने वाला एक कंपनी का अप्रेजल पत्र और ढाई साल के अनुभव का दावा करने वाला अनुभव प्रमाण पत्र पेश किया। वित्तीय स्थिति को मजबूत दिखाने के लिए, युवक ने 1.2 करोड़ रुपये की संपत्ति दर्शाने वाला नेटवर्थ प्रमाण पत्र और बैंक खातों में 45 व 50 लाख रुपये का बैलेंस दिखाया। हालाँकि, इंटरव्यू के दौरान पूछताछ में युवक टूट गया और स्वीकार किया कि कभी विश्वविद्यालय में पढ़ाई नहीं की और सभी शैक्षणिक दस्तावेज फर्जी थे। युवक ने बताया कि ये फर्जी दस्तावेज विजयवाड़ा के वीजा एजेंट नितिन ने उपलब्ध कराए थे। युवक ने माना कि मैंने केवल दो-ढाई महीने ही काम किया था और रोजगार संबंधी दस्तावेज उसके चाचा की कंपनी ने दिए थे।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद : सपा सांसद का भाजपा पर बड़ा हमला, श्रद्धालु घटने का दावा

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर सियासी बयानबाजी तेज है। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने भाजपा पर तीखा हमला कर दावा किया है कि इस प्रकरण में कुछ छोटे लोगों को गिरफ्तार कर बड़ी मछली को बचाया गया है। उन्होंने मोदी सरकार से इस पूरे मामले पर सदन में जवाब देने की मांग की है।

सांसद प्रसाद ने अयोध्या की मौजूदा स्थिति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पहले अयोध्या में रोजाना लाखों श्रद्धालु पहुंचते थे और बड़ी संख्या में सोने, चांदी व नकदी का चढ़ावा चढ़ाया जाता था। उनके अनुसार, अब श्रद्धालुओं की संख्या में भारी कमी आई है और रोजाना 10 हजार तक की भीड़ भी नहीं पहुंच रही है। सांसद प्रसाद ने दावा किया कि पहले जहां लाखों रुपये का चढ़ावा आता था, वहीं अब 5, 11, 21 और 51 रुपये जैसी छोटी रकम ही चढ़ावे में आ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने अयोध्या की मर्यादा को तोड़ने और कलंकित करने का काम किया है। उन्होंने चंदा चोरी प्रकरण की निष्पक्ष जांच और इसके पीछे के दोषियों को सामने लाने की मांग भी की। वहीं, राम मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पद के लिए साक्षात्कार जारी हैं। उम्मीदवारों से इंटरव्यू से पहले करीब तीन दर्जन सवालों वाला ऑनलाइन गूगल फॉर्म भरवाया गया। इन सवालों में प्रशासनिक अनुभव के साथ-साथ धार्मिक आस्था और व्यक्तिगत जीवन से जुड़े प्रश्न शामिल थे। उम्मीदवारों से पूछा गया कि क्या वे शिक्षा रखते हैं, जनेऊ पहनते हैं, शुद्ध शाकाहारी हैं या मांसाहारी, और क्या वे शराब का सेवन करते हैं। हिंदू धर्म के प्रति उनकी आस्था को लेकर भी सवाल किए। साक्षात्कार में प्रशासनिक क्षमता, नेतृत्व कौशल, धार्मिक-सामाजिक जुड़ाव और मंदिर के भविष्य को लेकर उनके दृष्टिकोण का मूल्यांकन किया गया है। मंगलवार को 18 में से 8 उम्मीदवारों का आमने-सामने साक्षात्कार हुआ, जिसमें चार पूर्व आईएएस अधिकारी शामिल थे।

पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा का किया विमोचन

-कार्यक्रम में शॉर्टकट के दौर में युवाओं को सावधान रहने का दिया संदेश

नई दिल्ली(एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा के विमोचन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने रामनाथ कोविंद की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रपति के रूप में एक मिसाल कायम की है। पद छोड़ने के बाद भी रामनाथ कोविंद देश के लिए लगातार काम कर रहे हैं। वह 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लेकर बनी जेपीसी के अध्यक्ष भी हैं। पीएम मोदी ने कोविंद की आत्मकथा 'भारतीय गणतंत्र की विजय- मेरा जीवन, मेरा संघर्ष' का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि देश की नई पीढ़ी को इस किताब को पढ़ना चाहिए और कोविंद के अनुभवों से सीखना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने कहा कि किताब का शीर्षक बिल्कुल सही है। इसमें रामनाथ कोविंद के व्यक्तिगत जीवन और संघर्षों की कहानी है, लेकिन उनकी सफलता सिर्फ उनकी व्यक्तिगत जीत नहीं, बल्कि भारतीय गणतंत्र और लोकतंत्र की जीत है। पीएम ने कार्यक्रम में एक वाकये का जिक्र करते हुए कहा कि जब वे प्रधानमंत्री के तौर पर राष्ट्रपति भवन में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मिलने जाते थे। तब प्रोटोकॉल के बावजूद रामनाथ कोविंद अक्सर औपचारिकताओं से हटकर उनसे बातचीत करते थे। इतना ही नहीं, वह प्रधानमंत्री को विदा करने के लिए खुद कार के दरवाजे तक आते थे। पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने कई बार पूर्व राष्ट्रपति से ऐसा न करने को कहा, लेकिन उन्होंने अपनी यह विनम्रता कभी नहीं छोड़ी।

पीएम मोदी ने रामनाथ कोविंद के गांव परौंख जाने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति बनने के बाद जब कोविंद अपने गांव पहुंचे तो उन्होंने अपने शिक्षकों के पैर छुए, गांव की मिट्टी को नमन किया और वहां के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। पीएम मोदी ने कहा कि कोविंद का यह भावुक अंदाज पूरे देश ने देखा उनके व्यवहार ने दुनिया के सामने भारत के संस्कार और सांस्कृतिक मूल्यों की ऐसी तस्वीर पेश की, जिस पर हर भारतीय को गर्व होता है। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने जेन-जी को भी खास संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज के सोशल मीडिया के जमाने में कई इन्फ्लुएंसर्स युवाओं को आकर्षित करते हैं, लेकिन इस शॉर्टकट के दौर में भी युवाओं को सावधान रहना चाहिए। पीएम मोदी ने रेलवे स्टेशन पर लिखी एक लाइन का उदाहरण देते हुए कहा रेलवे स्टेशन पर भी लोग ब्रिज से जाने की बजाय पटरी पार करने की कोशिश करते हैं। उन्होने कहा कि यह गलत शॉर्टकट आपको नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने युवाओं से कहा कि अगर वे जीवन में आगे बढ़ना चाहते हैं और दूसरों के अनुभवों से सीखना चाहते हैं, तो उन्हें अपनी पसंद के लोगों की ऑटोबायोग्राफी जरूर पढ़नी चाहिए।

दो किसानों को ले गए थे बांग्लादेशी- फ्लैग मीटिंग के बाद हुई रिहाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर उस समय अचानक तनाव गहरा गया जब बांग्लादेशी ग्रामीणों ने सीमा पार कर दो भारतीय किसानों का अपहरण कर लिया। यह घटना पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के सीमावर्ती इलाके में घटी, जहां खेत में काम कर रहे दो भारतीय किसानों को जबरन खींचकर बांग्लादेश ले जाया गया। हालांकि, दोनों देशों के सीमा सुरक्षा बलों के बीच तत्काल हुई उच्चस्तरीय फ्लैग मीटिंग के बाद स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया और आपसी सहमति से सभी नागरिकों को सुरक्षित रिहा करा लिया गया। विवाद की पूरी शुरुआत मंगलवार सुबह बांग्लादेश के मेहेरपुर स्थित इच्छाखाली बॉर्डर के पास हुई। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, अब्दुल मन्नान नामक एक बांग्लादेशी किसान सीमावर्ती क्षेत्र में नियमों का उल्लंघन कर फसल पर कीटनाशक छिड़क रहा था, जिसके चलते भारतीय सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने उसे हिरासत में ले लिया था। इस कार्रवाई से आक्रोशित होकर दर्जनों बांग्लादेशी ग्रामीण भड़क उठे और सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में दाखिल हो गए। गुस्साए ग्रामीणों ने खेतों में काम कर रहे सचिन कर्मकार और नारायण देब नामक दो भारतीय किसानों को बंधक बना लिया और उन्हें बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के हवाले कर दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तुरंत सुरक्षा बढ़ा दी गई और तनाव को कम करने के लिए मंगलवार दोपहर इच्छाखाली सीमा पर जीरो लाइन पर दोनों देशों के बलों के बीच फ्लैग मीटिंग बुलाई गई। लंबी बातचीत के बाद सहमति बनी, जिसके तहत बीएसएफ ने हिरासत में लिए गए बांग्लादेशी नागरिक को बीजीबी को सौंप दिया, और इसके बदले में बांग्लादेशी ग्रामीणों द्वारा उठाए गए दोनों भारतीय किसानों को सुरक्षित वापस भारत के हवाले कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि सीमा पार से भारतीय नागरिकों के अपहरण की इस क्षेत्र में हाल के दिनों में यह दूसरी बड़ी घटना है।

गटर जनरेशन कहकर फंसी कंगना! 21 को सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी की सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत अपनी विवादित बयानों के चलते एक बार फिर कानूनी मुश्किलों में घिरती नजर आ रही हैं। प्रदर्शनकारियों और जेन जेड के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में उत्तर प्रदेश के आगरा की एक विशेष अदालत ने उनके खिलाफ दायर याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। यह याचिका जंतर-मंतर पर प्रश्न पत्र लीक के मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों, उनके माता-पिता और युवाओं पर की गई टिप्पणियों के संबंध में दाखिल की गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने सुनवाई के लिए 21 अगस्त की तारीख मुकर्रर की है, जिस दिन दोनों पक्षों की दलीलें सुनी जाएंगी।

अदालत में याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा ने जानकारी दी कि सांसद कंगना रनौत के खिलाफ एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में वाद दायर किया गया है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि जब छात्र और युवा अपनी मांगों को लेकर जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, तब अभिनेत्री ने उन्हें गटर जनरेशन या गटर छाप करार दिया और उनके माता-पिता के खिलाफ भी अपमानजनक बातें कहीं। वकील ने इसे देश के युवाओं और छात्रों का सीधा अपमान बताया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने सुनवाई के लिए 21 अगस्त की तारीख मुकर्रर की है, जिस दिन दोनों पक्षों की दलीलें सुनी जाएंगी। याचिकाकर्ता ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि स्थानीय अदालत से इस मामले में राहत नहीं मिलती है, तो वह इस कानूनी लड़ाई को उच्च न्यायालय और जरूरत पड़ने पर देश के उच्चतम न्यायालय तक लेकर जाएंगे।

राहुल गांधी बोले- लेक्चर नहीं सुनना, पैलेट गन का आदेश दिया तो शाह इस्तीफा दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सदन में चर्चा के आह्वान पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें कोई लेक्चर नहीं सुनना है। राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि अगर छात्रों पर पैलेट गन चलाने का आदेश अमित शाह ने दिया था तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, कि देश की युवा पीढ़ी अमित शाह के काल्पनिक भाषण सुनने में दिलचस्पी नहीं रखती। उन्होंने सरकार से सीधा सवाल करते हुए पूछा कि छात्रों पर बल प्रयोग का आदेश आखिर किसने दिया था। राहुल गांधी ने सवाल किया कि किसके आदेश पर एक छात्र को कथित तौर पर अंधा कर दिया गया और दूसरे छात्र को गोली मारी गई। उन्होंने यह भी पूछा कि छात्रों को कीलों वाली लाठियों से पीटने का आदेश किसने दिया था।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उन्हें और युवाओं को गृह मंत्री की सफाई या तर्क नहीं चाहिए। उनकी मांग है कि सरकार पहले यह स्पष्ट करे कि छात्रों के खिलाफ बल प्रयोग का आदेश किस स्तर से दिया गया था। उन्होंने कहा कि जब तक इस सवाल का स्पष्ट जवाब नहीं मिलता, तब तक किसी तरह का लेक्चर या सामान्य चर्चा स्वीकार नहीं की जाएगी। राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कार्रवाई के लिए जिम्मेदारी तय करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि पैलेट गन चलाने का आदेश अमित शाह ने दिया था तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली में हाई अलर्ट, रातभर चलाई जा रही सघन चेकिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस से पहले पूरी दिल्ली को हाई अलर्ट पर रखा है। सुरक्षा में कोई चूक न हो, इसके लिए दिल्ली पुलिस ने राजधानी में देर रात मेगा सुरक्षा अभियान चलाया। रात 11 बजे से 2 बजे तक दिल्ली के तमाम जिलों में गश्त के साथ सघन चेकिंग की गई। द्वारका मोड़ पर पुलिसकर्मियों ने पूरी सतर्कता के साथ आधी रात को पेट्रोलिंग की। अधिकारियों ने गाड़ियों की सघन जांच की और हर गुजरने वाली कार की अंदर-बाहर से अच्छी तरह तलाशी ली गई। सिर्फ सुरक्षा जांच में पास होने वाली गाड़ियों को ही आगे जाने की इजाजत दी गई।

इसी तरह उत्तम नगर में पुलिस टीमों ने आधी रात को सघन चेकिंग अभियान चलाया। इलाके की मुख्य सड़कों से गुजरने वाली हर गाड़ी को रोका गया और उसकी बारीकी से जांच की गई। इस निगरानी का मकसद पूरे शहर में पूरी सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखना है। सीलमपुर इलाके में भी दिल्ली पुलिस ने अभियान चलाया। इस दौरान, संदिग्ध वाहनों और लोगों पर नजर रखी गई। सुरक्षा अभियान के तहत पुलिसकर्मियों को स्थानों पर तैनात किया गया। वहीं, पश्चिमी दिल्ली के मोती नगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने पीकेट लगाकर आने-जाने वाले वाहनों की जांच की। इस दौरान संदिग्ध वाहनों और लोगों पर विशेष नजर रखी गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक 15 अगस्त से पहले दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को रोकने के लिए इस तरह के अभियान जारी रहेंगे।

मुंबई के कुर्ला और घाटकोपर में जमीन धंसने से अब तक 6 की मौत

कई लोगों के दबे होने की आशंका

मुंबई (एजेंसी)। मूसलाधार बारिश ने एक बार फिर तबाही मचाई है। बुधवार तड़के भारी बारिश के कारण शहर के अलग-अलग इलाकों में भूस्खलन और घरों के ढहने की दुखद घटनाएं सामने आई हैं। कुर्ला के चिराग नगर और घाटकोपर के अशोकनगर इलाके में पहाड़ का हिस्सा गिरने और चॉल ढहने की चपेट में आने से कई लोगों की जान चली गई है, वहीं मलबे में अभी भी कई लोगों के दबे होने की आशंका है। हादसा बुधवार सुबह करीब 3 से 4 बजे के बीच हुआ, जब लोग गहरी नींद में सो रहे थे। अचानक हुए भूस्खलन के कारण गौसिया चॉल समेत अन्य मकान मलबे में तब्दील हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन, अग्निशमन दल, पुलिस, एंबुलेंस और राहत एवं बचाव टीमों ने फौरन मोर्चा संभाल लिया। बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। मलबे को हटाने के लिए मशीनों और उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है और घायलों को निकालने के लिए हर संभव कोशिश की जा रही है। मौके पर वरिष्ठ अधिकारी भी पहुंच चुके हैं ताकि राहत कार्यों की निगरानी की जा सके और पीड़ितों को जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाया जा सके। हर साल मानसून के दौरान मुंबई में इस तरह के हादसे चिंता का विषय बनते हैं। पहाड़ों के ढलान और असुरक्षित इलाकों में बनी चॉल व अस्थाई मकान बारिश में सबसे ज्यादा संवेदनशील हो जाते हैं। प्रशासन और बचाव एजेंसियां समय-समय पर लोगों को ऐसे क्षेत्रों को खाली करने की चेतावनी देती रही हैं और सतर्क रहने की अपील करती हैं, लेकिन इसके बावजूद कई लोग इन असुरक्षित घरों में रहने को मजबूर हैं। ये निर्माण न केवल भौगोलिक रूप से जोखिम भरे क्षेत्रों में होते हैं, बल्कि बारिश का दबाव झेलने में भी असमर्थ साबित होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप ऐसी जानलेवा घटनाएं होती हैं। इस बीच, मौसम विभाग ने मुंबई और आसपास के क्षेत्रों-जैसे ठाणे, पालघर और रायगढ़-के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। शहर में मानसून की बारिश का सिलसिला अभी थमा नहीं है। पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश ने पहले ही जलभराव की समस्याएं पैदा कर दी हैं, और अब इन भूस्खलनों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। फिलहाल पूरा ध्यान मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने पर केंद्रित है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे बारिश के दौरान पहाड़ी इलाकों और जर्जर मकानों के पास जाने से बचें और अत्यधिक सतर्कता बरतें।

फैल रहा वायब्रियो वल्निफिकस बैक्टीरिया, पाया जाता है समुद्री और खारे पानी में

-विशेषज्ञों ने दी चेतावनी- बैक्टीरिया गंभीर घाव का कारण बनकर हो सकता है जानलेवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के कुछ तटीय इलाकों में इन दिनों समुद्र किनारे जाने वाले लोगों के लिए चेतावनी जारी की है। यहां वायब्रियो वल्निफिकस नामक एक खतरनाक बैक्टीरिया, जो गर्म समुद्री और खारे पानी में पाया जाता है। हाल के महीनों में इसके संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अमेरिका के लुइसियाना राज्य में इस साल अब तक नौ लोग इसकी चपेट में आए हैं, जिनमें सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि पांच लोगों की मौत हो चुकी है। गंभीर मामलों में यह बैक्टीरिया शरीर के ऊतकों को तेजी से नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए इसे आम बोलचाल में फ्लेश-ईटिंग बैक्टीरिया यानी मांस को नुकसान पहुंचाने वाला बैक्टीरिया कहा जाता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक वायब्रियो वल्निफिकस प्राकृतिक रूप से गर्म समुद्री और खारे-मीठे पानी के मिश्रित क्षेत्रों में पाया जाता है। संक्रमण मुख्य रूप से दो तरीकों से फैलता है। पहला यदि किसी व्यक्ति के शरीर पर कट, घाव या त्वचा पर चोट हो और वह दूषित समुद्री पानी के संपर्क में आए। दूसरा- कच्चे या अधपके समुद्री भोजन, विशेषकर ऑयस्टर जैसी शेलफिश के सेवन से। ज्यादातर संक्रमण सामान्य हो सकते हैं, लेकिन कुछ मामलों में यह बैक्टीरिया रक्त संक्रमण और गंभीर घाव का कारण बनकर जानलेवा भी साबित हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि समुद्री पानी के संपर्क के बाद यदि घाव के आसपास लालिमा, सूजन, तेज दर्द, त्वचा का रंग बदलना, बुखार, ठंड लगना या त्वचा पर छाले बनने जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टरों की मदद लें। गंभीर स्थिति में ऊतक काले पड़ने लगते हैं और संक्रमण तेजी से फैल सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत के संदर्भ में विशेषज्ञों का कहना है कि देश की लंबी समुद्री तटरेखा और तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भी सतर्क रहने की जरुरत है। मछुआरे, समुद्री खाद्य पदार्थों से जुड़े कर्मचारी और नियमित रूप से समुद्र में जाने वाले लोग इस बैक्टीरिया के संपर्क में आने की आशंका वाले समूहों में शामिल हो सकते हैं। हालांकि फिलहाल भारत में अमेरिका जैसी व्यापक स्थिति या किसी बड़े प्रकोप की पुष्टि नहीं हुई है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि घबराने की जरुरत नहीं है, लेकिन सावधानी जरूरी है।

यदि शरीर पर कोई खुला घाव हो तो समुद्र या खारे पानी में जाने से बचें। यदि घाव समुद्री पानी के संपर्क में आ जाए तो उसे तुरंत साबुन और स्वच्छ पानी से अच्छी तरह धोएं। साथ ही समुद्री भोजन, विशेष रूप से शेलफिश, को हमेशा अच्छी तरह पकाकर ही खाएं। विशेषज्ञों के मुताबिक गर्म मौसम में यह बैक्टीरिया ज्यादा सक्रिय रहता है, इसलिए बारिश और गर्मी में तटीय क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरतना ही सबसे प्रभावी बचाव है।

लाल किले पर 80 साल बाद सुनाई देगा वंदे मातरम: क्यों बदला इतिहास और क्या है नया कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस बार 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से नया इतिहास रचा जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन से ठीक पहले, पूरे लाल किले में राष्ट्रगीत वंदे मातरम की गूंज सुनाई देगी। आजादी के बाद पहला मौका है जब स्वतंत्रता दिवस के आधिकारिक और मुख्य प्रोटोकॉल में वंदे मातरम को इतना विशिष्ट स्थान मिला है। अब तक, कड़े सैन्य और राष्ट्रीय प्रोटोकॉल के तहत ध्वजारोहण समारोह में केवल राष्ट्रगान जन गण मन को प्राथमिकता मिलती थी। लेकिन रक्षा मंत्रालय के नए और ऐतिहासिक प्रोटोकॉल बदलावों के तहत, इस बार पूरे वंदे मातरम के ओजस्वी स्वरों से देश के स्वाभिमान का एक नया अध्याय शुरू होगा।

इस बदलाव की जड़ें लंबे समय से चली आ रही बहस में निहित हैं। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की इस कविता के शुरुआती दो पद मातृभूमि की सामान्य स्तुति करते हैं, लेकिन बाद के पदों में हिंदू देवियों, विशेषकर दुर्गा, का स्पष्ट उल्लेख और उनसे जुड़ी कल्पनाएं हैं। इन्हीं धार्मिक संदर्भों पर मुस्लिम लीग और अन्य समूहों की आपत्तियां थीं, इसकारण 1937 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने महात्मा गांधी और रवींद्रनाथ टैगोर जैसी हस्तियों की सलाह पर बाद के पदों को हटाने और सार्वजनिक राजनीतिक मंचों के लिए केवल शुरुआती दो पदों का इस्तेमाल करने का फैसला किया था। भारत के गणतंत्र बनने पर, 1950 में संविधान सभा ने जन गण मन को आधिकारिक राष्ट्रगान और वंदे मातरम के शुरुआती दो पदों को राष्ट्रगीत का दर्जा दिया। इस प्रकार उन्हें समान सम्मान दिया गया, लेकिन सरकारी प्रोटोकॉल के लिए धर्मनिरपेक्ष संतुलन भी बनाए रखा गया।

अब संसद ने राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) अधिनियम, 2026 पारित किया है, इसके तहत वंदे मातरम को राष्ट्रगान के बराबर कानूनी दर्जा मिला है। यह नया कानून, जो पिछले महीने जुलाई में ही पास किया गया, जान-बूझकर वंदे मातरम के गायन में बाधा डालने या इसका अनादर करने को दंडनीय अपराध बनाता है। यह संशोधन 1971 के उस अधिनियम में किया गया है जो पहले केवल राष्ट्रगान से संबंधित था। इस ऐतिहासिक बदलाव के तहत, स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में, राष्ट्रगान से ठीक पहले लाल किले की प्राचीर से वंदे मातरम बजाया जाएगा। बताया जा रहा है कि इस अवसर पर भारतीय वायुसेना का एक हेलीकॉप्टर वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक बड़ा ध्वज भी लेकर उड़ेगा, जो इस आयोजन की भव्यता को और बढ़ाएगा।

चिह्नित अपराध के मामलों में दोषियों को सजा दिलाना ही प्रशासन की प्राथमिकता : डीसी

एजेंसी

झज्जर। जिला में चिन्हित अपराधों के मामलों की जांच व अभियोजन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए जिला प्रशासन पूरी गंभीरता के साथ कार्य कर रहा है। लघु सचिवालय सभागार में आयोजित चिन्हित अपराध के मामलों की मासिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीसी वर्षा खांगवाल ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि हर केस की गहन जांच और मजबूत पैरवी सुनिश्चित की जाए, ताकि अपराधियों को कड़ी सजा दिलाई जा सके और पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके। डीसी ने कहा कि कमजोर साक्ष्य और ढीली पैरवी के कारण कोई भी अपराधी कानून से ना बचे निकले। इसे रोकने के लिए ज़रूरी है कि प्रारंभिक स्तर पर ही केस को कानूनी और तकनीकी रूप से मजबूत किया जाए। उन्होंने पुलिस और अभियोजन विभाग से अपेक्षा जताई कि चिन्हित अपराधों से जुड़े हर मामले में ठोस सबूत जुटाकर न्यायालय में पेश किए जाएं, ताकि आरोपियों को सजा हो और समाज में संदेश जाए कि जघन्य अपराध करने वालों को कड़ी सजा मिल रही है।

जिला में 16 से 20 अगस्त तक उच्च शिक्षण संस्थानों में लगेंगे विशेष कैंप, पात्र युवाओं के बनेंगे नए वोट

झज्जर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने कहा कि शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची निष्पक्ष, पारदर्शी और मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियाद है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 1 जुलाई 2026 को अर्हता तिथि मानते हुए जिला झज्जर में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने सभी नागरिकों से मतदाता सूची में अपना नाम एवं विवरण ध्यानपूर्वक जांचने और किसी भी प्रकार की त्रुटि मिलने पर निर्धारित समयावधि में उसे दुरुस्त करवाने का आह्वान किया। डीसी ने बताया कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके पात्र युवाओं के नाम मतदाता सूची में शामिल करवाने के लिए 16 से 20 अगस्त तक जिला के उच्च शिक्षण संस्थानों में विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे। इन कैंपों में पात्र युवा फॉर्म-6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करवा सकेंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विशेष कैंपों के दौरान पात्र युवाओं को आवेदन प्रक्रिया की पूरी जानकारी उपलब्ध करवाते हुए अधिक से अधिक युवाओं के वोट बनवाना सुनिश्चित करें।

रेल मंत्री से मिले हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा

चंडीगढ़। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर गोहाना क्षेत्र की रेल सुविधाओं के विस्तार और लंबित परियोजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की। डॉ. शर्मा ने रेल मंत्री के समक्ष जींद-गोहाना होते हुए दिल्ली तक हाइड्रोजन ट्रेन चलाने की मांग रखी। इसके साथ ही गोहाना क्षेत्र में तीन महत्वपूर्ण रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) और रेलवे अंडरब्रिज (आरयूबी) के निर्माण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। डॉ. अरविंद शर्मा ने बुधवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि रेल मंत्री के समक्ष मांग रखी कि हाइड्रोजन ट्रेन का परिचालन जींद और गोहाना होते हुए दिल्ली तक किया जाए। उन्होंने कहा कि इससे गोहाना और आसपास के क्षेत्रों को आधुनिक, पर्यावरण अनुकूल और भविष्य की परिवहन व्यवस्था से जोडने में मदद मिलेगी। हाइड्रोजन ट्रेन हरित परिवहन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और इसका परिचालन इस रेलमार्ग पर क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि साबित हो सकता है। डॉ. शर्मा ने गोहाना शहर में गोहाना-महम रोड पर रोहतक-पानीपत रेलवे लाइन के लेवल क्रॉसिंग नंबर-29 एसपीएल पर दो लेन रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के निर्माण की मांग भी रेल मंत्री के समक्ष रखी। उन्होंने कहा कि इस रेलवे क्रॉसिंग पर आरओबी बनने से शहर के लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी और रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम की समस्या से भी निजात मिलेगी।

एसडीएम ने पीएचसी का औचक निरीक्षण किया, डेंटल सर्जन अनुपस्थित मिले

सोनीपत। गन्नौर एसडीएम प्रवेश कादियान ने गांव राजलू गढ़ी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डेंटल सर्जन अनुपस्थित मिले। एसडीएम ने इस पर नाराजगी जताते हुए वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी टीना आनंद को मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों का आगे भी नियमित रूप से निरीक्षण किया जाएगा। एसडीएम ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रयोगशाला, दवाई वितरण व्यवस्था, आपातकालीन कक्ष, आयुष केंद्र सहित मरीजों को दी जा रही विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अग्निरोधक उपकरणों और शौचालयों का रख-रखाव ठीक नहीं मिला।

संसद बहस और जवाब के लिए है, राजनीतिक गतिरोध के लिए नहीं : डॉ. अर्चना गुप्ता

- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बोलीं- सरकार हर विषय पर चर्चा को तैयार, छात्रों के मुद्दों पर राजनीति नहीं समाधान होना चाहिए

एजेंसी

चंडीगढ़/पानीपत। भारतीय जनता पार्टी की हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने पानीपत जिला कार्यालय 'श्याम कमल' में आयोजित प्रेसवार्ता में संसद की कार्यवाही, छात्रों से जुड़े मुद्दों और युवाओं की भूमिका पर पार्टी का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि संसद देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है और इसका उद्देश्य जनहित के विषयों पर चर्चा, कानून निर्माण तथा सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि संसद का लगातार बाधित होना लोकतांत्रिक प्रक्रिया और जनहित दोनों के लिए उचित नहीं है।

डॉ. गुप्ता ने कहा कि केंद्र सरकार संसद के भीतर छात्रों, परीक्षाओं, हृश्वश्वज्ञ और अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले भी अपनी ओर से चर्चा के लिए सहमति व्यक्त की थी और संबंधित विषयों पर जवाब देने की इच्छा जताई थी। उनका कहना था कि लोकतंत्र में संवाद सबसे प्रभावी माध्यम है और किसी भी विवाद का समाधान संसदीय चर्चा के जरिए होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में विपक्ष की ओर से अलग-अलग मुद्दे उठाए गए। पहले शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की गई, फिर हृश्वश्वज्ञ परीक्षा पर

चर्चा और बाद में जंतर-मंतर पर छात्र प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री से बयान की मांग की गई। डॉ. गुप्ता ने कहा कि यदि किसी भी विषय पर सवाल हैं तो उनका समाधान संसद के भीतर चर्चा और तथ्यों के आधार पर होना चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और पेपर लीक जैसी घटनाओं पर रोक लगाने के लिए केंद्र सरकार ने कानूनी प्रावधानों को मजबूत करने की दिशा में कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परीक्षाओं में अनियमितताओं को रोकने के लिए कानून को और प्रभावी बनाया गया है ताकि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित हो सके और विद्यार्थियों का विश्वास मजबूत हो।

उन्होंने राहुल गांधी से संसद में चर्चा में भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में केवल प्रश्न उठाना ही नहीं, बल्कि सरकार का पक्ष और जवाब सुनना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संसद में बहस और जवाबदेही लोकतंत्र की मूल भावना है और सभी पक्षों को उसका सम्मान करना चाहिए। डॉ. गुप्ता ने छात्रों से जुड़े मुद्दों पर समान दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में छात्र आंदोलन हो या झारखंड में अभ्यर्थियों का प्रदर्शन, दोनों स्थितियों को समान संवेदनशीलता से देखा जाना चाहिए।

एचपीवी वैक्सीन सुरक्षित एवं प्रभावी, सर्वाइकल कैंसर से बचाती है बेटियों को : सिविल सर्जन

सिविल सर्जन ने आरकेएसडी पब्लिक स्कूल में आयोजित पेरेंट्स-टीचर मीट में अभिभावकों व विद्यार्थियों को किया जागरूक

एजेंसी

कैथल। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला कैथल में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस से बचाव के लिए चलाए जा रहे टीकाकरण अभियान के तहत आरकेएसडी पब्लिक स्कूल में आयोजित पेरेंट्स-टीचर मीट में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान सिविल सर्जन डा. रेनू चावला, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. नवराज सिंह तथा अर्बन नोडल अधिकारी डा. अजय कुमार ने विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं अध्यापकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया तथा एचपीवी वैक्सीनेशन के महत्व की जानकारी दी। सिविल सर्जन डा. रेनू चावला ने बताया कि महिलाओं में होने वाले विभिन्न प्रकार के कैंसर में सर्वाइकल कैंसर एक प्रमुख बीमारी है। इसका प्रमुख कारण ह्यूमन पैपिलोमा वायरस संक्रमण है। उन्होंने बताया कि एचपीवी वैक्सीनेशन इस संक्रमण से बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि एचपीवी वैक्सीन कोई नई वैक्सीन नहीं है, बल्कि निजी अस्पतालों और विभिन्न संस्थाओं द्वारा पहले से ही इसका टीकाकरण किया जाता रहा है। भारत सरकार द्वारा पर्याप्त शोध एवं वैज्ञानिक प्रक्रियाओं के बाद इसे टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किया गया है।उन्होंने कहा कि एचपीवी वैक्सीन सुरक्षित एवं प्रभावी वैक्सीन है। स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य अधिक से अधिक पात्र बालिकाओं को इसका लाभ पहुंचाकर भविष्य में सर्वाइकल कैंसर से बचाव सुनिश्चित करना है। उन्होंने

अभिभावकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों के स्वास्थ्य को लेकर जागरूक रहें और निर्धारित आयु वर्ग में उनका एचपीवी टीकाकरण अवश्य करवाएं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला कैथल में 28 फरवरी से एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 14 से 15 वर्ष की आयु वाली सभी पात्र लड़कियों का एचपीवी टीकाकरण निःशुल्क किया जा रहा है।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा बाइक-ई बाइक में भागीदार बना झज्जर

झज्जर शहर में हर घर तिरंगा, वंदे मातरमगीत हुआ गूंजायमान

एजेंसी

झज्जर। स्वतंत्रता दिवस की 79वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में चल रहे हर घर तिरंगा व वंदे मातरम अभियान के तहत झज्जर मुख्यालय पर सुबह तिरंगा बाइक-ई बाइक रैली का आयोजन हुआ। डीसी वर्षा खांगवाल ने तिरंगा बाइक-ई बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तिरंगा रैली में जिलावासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और वंदे मातरम-जय हिंद के नारों से शहर गूंजायमान हो गया। हर घर तिरंगा अभियान के तहत देश के नाम संदेश थीम पर चल रहे प्रचार वाहन पर लोगों ने अपने संदेश भी साझा किए।

डीसी वर्षा खांगवाल ने तिरंगा बाइक-ई बाइक रैली को रवाना करते हुए कहा कि आज पूरा देश हर घर तिरंगा व वंदे मातरम अभियान में सहभागी बन रहा है। झज्जर जिला में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से लोगों को अपने घरों पर तिरंगा लगाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से क्रमवार 9

अगस्त से हर घर तिरंगा अभियान का आगाज किया है जिसमें देश के नाम संदेश थीम पर प्रचार वाहन को रवाना करने के साथ ही सेल्फी प्वाइंट, प्रदर्शनी, पेंटिंग व वंदे मातरम गायन के साथ-साथ बाईक व ई बाईक रैली सहित साइकिल व पैदल तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं। देशभक्ति से सराबोर कार्यक्रमों के साथ ही लघु सचिवालय परिसर में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से लोगों को हर घर तिरंगा अभियान की रूपरेखा से अवगत कराया जा रहा है। डीसी ने तिरंगा बाइक-ई बाइक रैली को रवाना करते हुए कहा कि आज पूरे देश के हर आमजनमानस में पूरा जोश है और देशप्रेम की भावना के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह को मनाने के लिए जिलावासी अपनी भागीदारी निभा रहे हैं।

खिलाड़ी,सैनिक और किसान हमारे असली हीरो : औमप्रकाश धनखड़

अंडर-17 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता सक्षम लोहचब के सम्मान समारोह में पहुंचे भाजपा राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़

एजेंसी

चंडीगढ़/ बादली। अंडर-17 विश्व चैंपियनशिप में 92 किलोग्राम फ्री स्टाइल कुश्ती में कांस्य पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले पहलवान सक्षम लोहचब का बुपनियां स्थित जयबीर अखाड़े में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सम्मान समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय सचिव औमप्रकाश धनखड़ बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे और विजता खिलाड़ी को अपना आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्य अतिथि का क्षेत्र की सरदारी ने स्वागत किया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करने के बाद गांव पहुंचने पर पहलवान सक्षम का ग्रामीणों और पहलवानों ने जोरदार स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों के साथ उन्हें अखाड़े तक लाया गया, जहां सैकड़ों की संख्या में पहलवान,

कोच, ग्रामीण और खेल प्रेमी मौजूद रहे। समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ भी मौजूद रहे। अखाड़े में पहुंचने पर ग्रामीणों ने सक्षम लोहचब का फूलों और रुपए की मालाएं पहनाकर सम्मान किया। इस दौरान पहलवानों और युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। अखाड़ा परिसर में मौजूद लोगों ने सक्षम की उपलब्धि पर खुशी जताते हुए उसे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया। समारोह को संबोधित करते हुए औमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि खिलाड़ी, सैनिक और किसान हमारे असली हीरो हैं। बुपनियां और आसपास का क्षेत्र पहलवानों की भूमि है। यहां की मिट्टी ने समय-समय पर देश को बेहतरीन पहलवान दिए हैं। उन्होंने सक्षम लोहचब की उपलब्धि की जमकर सराहना करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर पदक जीतना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। उन्होंने युवा खिलाड़ियों से भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने और मेहनत के साथ अपने लक्ष्य को हासिल करने का आह्वान किया।

सक्षम लोहचब की इस उपलब्धि से बुपनियां की कुश्ती परंपरा को भी नई पहचान मिली है। ग्रामीणों ने कहा कि सक्षम ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर न केवल पदक जीता, बल्कि पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है।

हरियाणा में क्रोनिक रोगों की रोकथाम के लिए आयुष पद्धतियों पर जोर

देश का क्रॉनिकल्स

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान तथा आयुष मंत्री आरती सिंह राव ने कहा है कि आयुष चिकित्सा प्रणाली असाध्य और क्रोनिक रोगों के स्थायी उपचार के साथ-साथ उनकी रोकथाम में बेहद प्रभावकारी भूमिका निभाती है। उन्होंने प्रदेश के नागरिकों से अपील की है कि वे बीमारियों के इलाज के लिए पारंपरिक एवं प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों को प्राथमिकता दें ताकि स्वास्थ्य समस्याओं को जड़ से समाप्त किया जा सके।स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आधुनिक जीवन शैली और दैनिक तौर-तरीकों के कारण उत्पन्न हो रही बीमारियों के चलते न केवल भारत में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लोगों का रुझान आयुष पद्धतियों (आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी) की ओर तेजी से बढ़ा है। इस चिकित्सा पद्धति की निरंतर बढ़ती महत्ता और उपादेयता को देखते हुए राज्य सरकार ने हाल ही में 'राष्ट्रीय पोषण माह/सेवा पखवाड़ा' का व्यापक आयोजन किया था। इस विशेष अभियान के दौरान आयुष विभाग ने प्रदेशभर में लगभग 1,771 आयुष स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर करीब 10,900 से अधिक लोगों के स्वास्थ्य की निःशुल्क जांच की और उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के बुनियादी ढांचे को मजबूती देने का जिक्र करते हुए आरती सिंह राव ने विस्तृत ब्योरा साझा किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां युद्ध स्तर पर जारी

एजेंसी

रोहतक : अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार के निर्देशानुसार 15 अगस्त को आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां युद्ध स्तर पर जारी है। एक ओर जहां परेड में शामिल टुकडिय़ा लगातार अभ्यास कर रही है वहीं दूसरी ओर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की टीमें तथा सामूहिक योगाभ्यास के विद्यार्थी भी निरंतर पसीना बहा रहे है। जिला प्रशासन द्वारा राष्ट्रीय पर्व के गरिमा को मद्देनजर रखते हुए स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां जारी है। रोहतक सहकारी चीनी मिल की प्रबंध निदेशक श्वेता सुहाग की अध्यक्षता में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के चयन के लिए गठित टीम ने स्थानीय राजीव गांधी खेल परिसर में सांस्कृतिक टीमों की प्रस्तुतियों का अवलोकन किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक तथा अन्य संबंधित अधिकारी एवं प्रतिभागी टीमों के प्रभारी एवं विद्यार्थी मौजूद रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति देने वाले विद्यालयों में लाढ़ौत स्थित गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का मलखंब व योगा, मॉडल स्कूल मुख्य ब्रांच का ऑर्केस्ट्रा, लाखनमाजरा खंड

राजकीय विद्यालय का हरियाणवी डांस, पठानिया पब्लिक स्कूल, उपकार स्कूल, आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल, जेड ग्लोबल स्कूल, स्वामी नित्यानंद वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जॉन वेस्ले कान्वेंट स्कूल, संस्कार वैली स्कूल, कलानौर स्थित राजकीय माध्यमिक वरिष्ठ विद्यालय, आईबी स्कूल, शिक्षा भारती स्कूल एवं सांगवान इंटरनेशनल स्कूल शामिल रहे। सभी सांस्कृतिक टीमों के प्रतिभागियों ने शानदार प्रस्तुतियां दी। स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए चयन समिति ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अवलोकन के उपरांत प्रतिभागी टीमों का चयन किया। इन टीमों में आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल, सांगवान इंटरनेशनल स्कूल, जॉन वेस्ले स्कूल, पठानिया पब्लिक स्कूल, संस्कार वैली स्कूल, मॉडल स्कूल, लाखनमाजरा खंड राजकीय विद्यालय, लाढौत गुरुकुल शामिल है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की परेड में डीएसपी तनुज शर्मा परेड कमांडर के नेतृत्व में विभिन्न टुकडिय़ा परेड में शामिल होगी। स्टेडियम परिसर में यह टुकडिय़ा निरंतर अभ्यास कर रही है। हरियाणा पुलिस महिला की टुकड़ी पीएसआई संतोष, हरियाणा पुलिस पुरुष की टुकड़ी पीएसआई गौरव छोक्कर, होमगार्ड की टुकड़ी एसआई अशोक कुमार, एनसीसी गर्ल्ज की टुकड़ी अंडर ऑफिसर निक्की, एनसीसी ब्वॉयज की टुकड़ी सीनियर अंडर ऑफिसर केशव, गर्ल्ज गाइड की टुकड़ी यशवी, ब्वॉयज स्काउट की टुकड़ी रजित तथा प्रजातंत्र के प्रहरी की टुकड़ी सात्विक के नेतृत्व में अभ्यास कर रही है ताकि भव्य परेड का आयोजन हो सके। इस अवसर पर कलानौर के खंड शिक्षा अधिकारी संजय हुड्डा, प्राचार्या अंजना नंदा, प्राचार्या कृष्णा रंजन व प्राचार्या सुनीता के अलावा अन्य संबंधित प्रतिभागी टीमों के प्रभारी व विद्यार्थी व संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

हर घर तिरंगा अभियान देश के प्रति सम्मान, गौरव और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का अवसर : उपायुक्त

उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान के तहत खंड हथीन में निकाली गई भव्य तिरंगा यात्रा

एजेंसी

पलवल। भारत सरकार द्वारा देशभर में मनाए जा रहे राष्ट्रव्यापी हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिला पलवल के खंड हथीन में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा का नेतृत्व उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने किया। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान केवल राष्ट्रीय ध्वज फहराने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के प्रति सम्मान, गौरव और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रत्येक नागरिक को अपने घर पर तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं और बच्चों में देशभक्ति की भावना और मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि हम सभी को राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रीय ध्वज संहिता का सम्मान करना चाहिए।

उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने तिरंगा यात्रा के माध्यम से स्वयं हाथ में तिरंगा थाम कर समाज के सभी वर्गों को एकजुट होकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का संदेश भी दिया। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अभियान में बढ़-चढक़र भाग लें और राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा एवं सम्मान का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने सभी से 13 अगस्त को पलवल शहर में 5 किलोमीटर लंबे और 10 फीट चौड़े तिरंगे के साथ निकाली जाने वाली विशाल तिरंगा यात्रा में भी बढ़-चढक़र सहभागिता करने का आह्वान किया। तिरंगा यात्रा में शामिल प्रतिभागियों ने देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले वीर शहीदों को भी नमन किया। यात्रा के दौरान लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला और अनेक स्थानों पर नागरिकों ने तिरंगा यात्रा का स्वागत किया। यात्रा के दौरान पूरा वातावरण देशभक्ति के नारों और राष्ट्रगान की भावना से ओत-प्रोत नजर आया। तिरंगा यात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। लोगों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष के साथ देश के प्रति अपने सम्मान एवं समर्पण की भावना व्यक्त की। यात्रा में शामिल लोगों ने आमजन को अपने घरों पर तिरंगा फहराने और हर घर तिरंगा अभियान में सक्रिय भागीदारी करने के लिए प्रेरित किया। जिला प्रशासन की ओर से हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

पीएम सूर्य घर योजना को गति देने के लिए डीएचबीवीएन का बड़ा फैसला

एजेंसी

गुरुग्राम। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत रूफटॉप सोलर को बढ़ावा देने तथा सोलर प्लांट स्थापित करने की प्रक्रिया को और अधिक सरल एवं सुगम बनाने की दिशा में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। निगम ने रूफटॉप सोलर के लिए आवेदन करने वाले उपभोक्ताओं को नेट मीटर एवं ऑटो लोड एन्हांसमेंट से संबंधित शुल्क आवेदन के समय अग्रिम रूप से जमा करने अथवा सोलर प्लांट के कमीशन होने के बाद जारी होने वाले पहले बिजली बिल में जमा करने का विकल्प प्रदान किया है। डीएचबीवीएन के प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह, आईएएस के मार्गदर्शन में लिया गया यह निर्णय उपभोक्ता सुविधा के साथ-साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के क्रियान्वयन में तेजी लाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। निगम द्वारा सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने, स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के विस्तार और उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह ने संबंधित अधिकारियों को जारी निर्देशों का निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है। डीएचबीवीएन का यह कदम प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के साथ-साथ रूफटॉप सोलर को अधिक से अधिक उपभोक्ताओं तक पहुंचाने, अक्षय ऊर्जा को प्रोत्साहित करने तथा स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। डीएचबीवीएन द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार, योजना के तहत रूफटॉप सोलर के लिए आवेदन करने वाले उपभोक्ताओं के लिए अब यह आवश्यक नहीं होगा कि वे नेट मीटर एवं ऑटो लोड एन्हांसमेंट से संबंधित शुल्क आवेदन के समय ही जमा करें।

राजधानी में पंचमुखी हनुमान मंदिर में 25 लाख के चांदी के छत्र और मुकुट चोरी

लखनऊ। महानगर के न्यू हैदराबाद कॉलोनी में स्थित पंचमुखी मंदिर में रविवार देर रात 25 लाख के चांदी के छत्र और मुकुटी चोरी हो गए। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। सरंक्षक प्रदीप कुमार शर्मा की तहरीर पर महानगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। प्रदीप कुमार ने बताया कि बीरबल साहनी मार्ग पर स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में दिनेश कुमार दीक्षित पुजारी हैं। वे मंदिर के नीचे बने बेसमेंट में ही रहते हैं। सोमवार तड़के करीब पांच बजे पुजारी दिनेश जब मंदिर खोलने पहुंचे तो सन्न रह गए। उन्होंने देखा कि मंदिर के चैनल में लगे ताले टूटे हुए थे। मंदिर में दाखिल होने पर उन्हें भगवान हनुमान जी की प्रतिमा पर लगे चांदी के मुकुट, छत्र, भगवान गणेश जी का मुकुट और छत्र, भगवान राम-जानकी व अन्य देवी और देवताओं के सिर पर लगे मुकुट गायब मिले। सभी मुकुट चांदी के थे। आरोपियों ने मंदिर में लगा डीवीआर भी उखाड़ लिया था। प्रदीप ने बताया कि पुजारी ने घटना की जानकारी उन्हें और पुलिस को दी। मौके पर पुलिस अधिकारी, इंस्पेक्टर महानगर अखिलेश मिश्र फोर्स के साथ पहुंचे। फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्रायड दल भी बुलाया गया। डाग स्कवायड पुलिस को लेकर मंदिर के पीछे वाली गली में पहुंचा तो वहां साबड़ पड़ा मिला। आरोपियों ने इसी साबड़ से चैनल में लगे दो ताले तोड़े थे। वहीं फोरेंसिक टीम ने मंदिर व आसपास बने चोरों के फुटप्रिंट जुटाए। एसीपी महानगर अंकित कुमार ने बताया कि चोरी की रिपोर्ट दर्ज की गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की चार टीमें गठित की गई हैं। इनमें से एक टीम मंदिर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देख ही है। दूसरी सर्विलांस के जरिये आरोपियों का पता लगा रही है। जबकि दो टीमें रूट चार्ट तैयार कर रही हैं।

भ्रष्टाचार के कारण धंसा कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसव

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सपा अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि जनता, किसान और नई पी ?ी भाजपा सरकार से बेहद नाराज है। आने वाला समय बदलाव का है। सपा सरकार बनने पर रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसान और विकास के क्षेत्र में ठोस काम किए जाएंगे। अखिलेश यादव शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय पर ब ?ी संख्या में आए कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे लगभग 63 किलोमीटर लंबा है। इसकी लागत चार हजार करो? रुपये से अधिक है। निर्माण के बाद ही स ?क जगह-जगह से धंस गई, जो कि भ्रष्टाचार का नमूना है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे 90 किलोमीटर स ?क पर सात हजार करो? रुपये खर्च किए, जबकि यह महज फोरलेन की स ?क है। सात हजार करो? रुपये में समाजवादी पार्टी की सरकार ने चार विश्वविद्यालय बनाए हैं। राज्यपाल ने भी गोरखपुर और प्रदेश में भ्रष्टाचार को लेकर गंभीर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि जब नेताजी मुलायम सिंह यादव पहली बार मुख्यमंत्री बने थे, तब प्रदेश का बजट लगभग 70 हजार करो? रुपये था। आज बजट ब ?कर लगभग 9 लाख करो? रुपये हो गया है, लेकिन इसके बावजूद महंगाई पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। बाजार पर दूसरों का कब्जा ब ?ता जा रहा है। आम जनता की परेशानी लगातार ब? रही है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे निर्माण की बेहतर तकनीक और मॉडल समाजवादी सरकार ने विकसित किया। आज भी लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे जैसा बेहतर एक्सप्रेसवे देश में दूसरा नहीं है। इसके विपरीत भाजपा सरकार में बनाई जा रही स ?कों की गुणवत्ता पर लगातार सवाल उठ रहे हैं।

तिरंगे के रंग में रंगा सदर बाजार, भव्य तिरंगा मार्च में उमड़ा राष्ट्रभक्ति का जनसैलाब

तिरंगा मार्च ने सदर बाजार के व्यापारियों में राष्ट्रभक्ति की नई ऊर्जा का संचार किया: परमजीत सिंह पम्मा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के हर घर तिरंगा अभियान से प्रेरित होकर सदर बाजार में वरिष्ठ व्यापारी नेता एवं सदर बाजार बारी मार्केट ट्रेड्स एसोसिएशन के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा की अध्यक्षता में भव्य तिरंगा मार्च का आयोजन किया गया। मार्च में सदर बाजार के सैकड़ों व्यापारियों ने हाथों में तिरंगा लेकर पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। परमजीत सिंह पम्मा ने बताया कि तिरंगा मार्च कुतुब रोड, तेलीवाड़ा चौक, सदर बाजार से प्रारंभ होकर कुतुब रोड चौक एवं सदर बाजार मेन मार्केट से होते हुए 12 टूटी चौक पर संपन्न हुआ। मार्च के दौरान हर घर तिरंगा, हर दुकान तिरंगा, भारत माता की जय, वंदे मातर और इंकलाब जिंदाबाद के नारों से पूरा सदर बाजार गूंज उठा। मार्च के अग्रभाग में ढोल-नगाड़ों की गूंज और देशभक्ति के गीतों ने पूरे माहौल को राष्ट्रप्रेम से सराबोर कर दिया। व्यापारियों, स्थानीय नागरिकों और युवाओं ने भी उत्साहपूर्वक तिरंगा लहराकर मार्च में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। तिरंगा मार्च में फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन (फेस्टा) के अध्यक्ष राकेश कुमार यादव, कन्फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के महासचिव देवराज बवेजा, फेस्टा के सहसंयोजक पवन खंडेलवाल महासचिव कमल कुमार तथा कोषाध्यक्ष दीपक मित्तल इस

अवसर पर व्यापारी नेता दविंदर जैन जसविंदर सिंह, वरिंदर अरोड़ा, भूपेंद्र सिंह, हरजीत सिंह छाबड़ा सहित अनेक व्यापारी नेताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा ने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि भारत की अस्मिता, एकता, अखंडता और करोड़ों देशवासियों के सम्मान का प्रतीक है। हर घर तिरंगाअभियान देश के प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने का एक सशक्त माध्यम बन रहा है। पम्मा ने कहा कि सदर बाजार के व्यापारियों ने जिस उत्साह और समर्पण के साथ तिरंगा मार्च में भाग लिया, वह इस बात का प्रमाण है कि देशभक्ति केवल शब्दों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन और संस्कारों का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और राष्ट्रहित को सदैव सर्वोपरि रखना चाहिए। विशेष बात यह रही कि पूरे सदर बाजार को तिरंगों से आकर्षक रूप से सजाया गया था। पूरा बाजार देशभक्ति के रंग में रंगा हुआ दिखाई दे रहा था। जगह-जगह व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने तिरंगा मार्च का फूल बरसाकर तथा तिरंगा लहराकर भव्य स्वागत किया। बाजार के विभिन्न हिस्सों में राष्ट्रभक्ति का उत्साह देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम में बारी मार्केट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष वरिंदर आर्य, कुलदीप सिंह, उपाध्यक्ष सुनील पुरी, राजेश कुमार, संदीप खन्ना, महासचिव रमेश सचदेवा, दीपक निम्भल, सचिन गगन खन्ना, तरुण सोनी, अभय सभरवाल सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे। भव्य तिरंगा मार्च के सफल आयोजन ने सदर बाजार में राष्ट्रभक्ति, एकता, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय गौरव का प्रेरणादायक संदेश दिया।

एग्रीमेंट से फ्लैट की गिफ्ट डीड कर बेचा, तीन पर प्राथमिकी दर्ज

साहिबाबाद। शालीमार गार्डन थानाक्षेत्र निवासी सिद्धार्थ पंवार ने दिल्ली के न्यू सीलमपुर निवासी अली मोहम्मद समेत तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी की प्राथमिकी दर्ज कराई है। तीनों पर उनके फ्लैट के फर्जी दस्तावेज से एक अन्य महिला को गिफ्ट डीड करने का आरोप है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। दर्ज मामले में सिद्धार्थ पंवार ने बताया कि वर्ष 2016 में उनके पिता ने विक्रम एन्क्लेव एक्सटेंशन स्थित एक फ्लैट खरीदा था। मई 2025 में पिता की मौत के बाद वह उस फ्लैट में साफ-सफाई करने पहुंचे। उसी दौरान अली मोहम्मद ने वहां पहुंचकर 10 हजार रुपये प्रतिमाह किराये पर फ्लैट लेने का प्रस्ताव दिया। उसके अगले ही दिन आरोपी ने फ्लैट खरीदने की इच्छा जताई। दोनों के बीच 18 लाख रुपये में फ्लैट का सौदा हुआ। आरोपी ने 10 हजार बतौर एडवांस और 17.90 लाख रुपये रजिस्ट्री पर देने की बात हुई। इस दौरान आरोपी ने एक एग्रीमेंट भी बनवायाथ। कुछ समय बाद आरोपी से रजिस्ट्री के लिए कहा तो वह टालमटोल करता रहा। इस बीच 29 मई को जब वह फ्लैट पर पहुंचे तर रुखसार नाम की महिला वहां मिली। उसने बताया कि अली मोहम्मद ने फ्लैट उसे अपनी पैतृक संपत्ति बताकर गिफ्ट डीड से बेच दिया है। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है, आरोपियों को नोटिस भेजे जा रहे हैं। जल्द मामले का खुलासा किया जाएगा।

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मूल ट्रांसफर लेटर (स्थानांतरण पत्र संख्याः 7241, दिनांकः 24.12.2014) जो कि यूपीसीडा (UPSIDA/UPSIDC) द्वारा मेरे भूखंड प्लॉट नंबर डी-22, हाउसिंग सेक्टर बी-1, ट्रांस दिल्ली सिग्नेचर सिटी (ट्रोनिका सिटी), लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश के संबंध में जारी किया गया था, वह रास्ते में कहीं गिरकर गुम हो गया है। इस संबंध में थाना ट्रोनिका सिटी, ग्रामीण (कमिश्रेट गाजियाबाद) में जी.डी. संख्या (रोजनामचा सं.)ः 054, दिनांकः 12/08/2026 के तहत तस्करा गुमशुदा संपत्ति दर्ज करा दिया गया है (जाँच अधिकारीः उप-निरीक्षक धन सिंह)। यदि यह मूल ट्रांसफर लेटर किसी भी व्यक्ति को मिलता है, तो कृपया इसे नीचे दिए गए पते पर लौटाने की कृपा करें। यदि कोई भी व्यक्ति इस खोए हुए मूल दस्तावेज का दुरुपयोग, क्रय-विक्रय या बंधक के रूप में प्रयोग करता है, तो वह पूर्णतः अवैध, शून्य (Null & Void) और अमान्य माना जाएगा।

विज्ञापनदाताः
अब्दुल रशीद कुरैशी
पुत्रः स्व. श्री अब्दुल सत्तार कुरैशी
पताः प्लॉट नं. डी-22,
हाउसिंग सेक्टर बी-1, ट्रोनिका सिटी,
लोनी, गाजियाबाद, उ.प्र.-201102
संपर्क सूत्र (मोबाइल नंबर)ः 8810533708
ई-मेलः i.rasheedvxz|@gmail.com

NAME CHANGE
I, No-15443329X, Rank-NK Name-RAJU MOLLAH, residing at H NO-1119, MAHIPALPUR, A-BLOCK, NEW DELHI-110037, have changed my brother's name from SAHANOOR MOLLAH to SAHANOOR MOLLA for all future purposes vide Affidavit dated 12/08/2026, before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
NARESH KUMAR GUPTA S/0 HANUMAN PRASAD R/0 4/2506 NASJID KHAJOOR KINARI BAZAR DELHI 11006 CHANGED MY NAME TO NARESH GUPTA

NAME CHANGE
I, Jagan Nath S/O Mohan Lal Narang R/O House no 536, Sec 31, Faridabad, Haryana 121003 have changed my name to Jagan Nath Narang for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Rani Raghav W/O Harender Pal Singh R/O 189-B, Gali NO 4-B, Shahdara, Durgapuri Extension, Nand Nagri, Delhi 110093 have changed my name to Raj Rani for all future purposes.

Public Notice
I, Virender Singh Jolly, S/O Late S. Harinder singh jolly r/o L-25 first floor,kalka ji, New Delhi 110019,hereby declare that I have severed all relations with my son, Ravinder Singh Jolly,and his wife Mrs. Harpreet kaur, due to his inappropriate, disrespectful and unbearabke conduct towards me and my wife. I have disowned and debarred him from my movable and immovable properties. Any dealings, transactions, or claims made by him in my name or concerning my properties shall be at his own risk and responsibility, and I shall not be liable for the same.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मेरे मुवक्किलगण श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री करतार सिहं एंव श्रीमती दयावती पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार, निवासी-242, घुम्मनहेडा, साउथ वेस्ट दिल्ली-110073 ने अपनी बेटी शालू पत्नी स्व0 अरूण कौशल व अपने नातिन कुमारी हरप्रीत कौशल व नाती मा0 खुशाल निवासी-242, घुम्मनहेडा, साउथ वेस्ट दिल्ली-110073 सभी को शालू के द्वारा घर में झगडा कर घर का माहौल खराब करने, हमारे उपर झूठे आरोप लगाने, हमारे उपर आये दिन मारपीट करने एंव झूठी कम्पलेन्ट / पुलिस कॉल करने के कारण हम उपरोक्त सभी को अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहे हैं और उनसे अपने सारे सम्बन्ध विच्छेद कर रहे हैं। यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त सभी के साथ किसी प्रकार का कोई लेन-देन या व्यवहार रखता हैं तो उसका जिम्मेदार वह स्वंय होगा, मेरे मुवक्किलगण इसके लिए जिम्मेदार नहीं होगी।

SUBHAM Advocate
CHAMBER NO.737
LAWYERS CHAMBER DISTRICT COURT DWARKA
NEW DELHI-110075.
M.NO.9991963671

NAME CHANGE
I hitherto known as BIRAT KANAL S/o Bishal Khanal R/o B-124, Sector-71 Noida, PO: Noida, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed my name and shall hereafter be known as BIRAT KHANAL.

NAME CHANGE
I, JAI PRAKASH PAL S/o JAI RAM PAL R/o KH NO. 118, Flat NO. A-301, Tigri, Greater Noida West, PO: Roza Yakubpur, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh (201009), have changed the name of my minor daughter SOMYA PAL aged 10 Years and she shall hereafter be known as SAUMYA PAL. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE
I hitherto known as SURABHI HALDER ALIAS SURABHI GHOSH D/O BANAMALI HALDER W/O KAUSHIK GHOSH R/O FLAT NO. 6233, ALOK VIHAR-2, SECTOR-50, GAUTAM BUDDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201301 have changed my name and shall hereafter be known as SURABHI GHOSH.

NAME CHANGE
I, Harendra Pal Singh S/O Babu Singh R/O 189-B, Gali NO 4-B, Shahdara, Durgapuri Extension, Nand Nagri, Delhi 110093 have changed my name to Harender Pal Singh for all future purposes.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, R CHANNA REDDY Father of No. 16117967W Rank-NK Name-RACHAHM REDDY SREENIVASA REDDY Residing at-MOOLAPALLE, KOMAROLU, PRAKASAM, ANDHRA PRADESH-523373, have changed my name from R CHANNA REDDY to RACHAM REDDY CHENNAREDDY for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 15/02/1960 instead of my correct date of birth as 01/05/1958 Vide Affidavit dated 12/08/2026 before Notary Public Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE
I, R SANJEEVAMMA mother of No. 16117967W Rank-NK Name-RACHAHM REDDY SREENIVASA REDDY residing at MOOLAPALLE, KOMAROLU, PRAKASAM, ANDHRA PRADESH-523373, have changed my name from R SANJEEVAMMA to RACHAM REDDY SANJEEVAMMA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 05/04/1966 instead of my correct date of birth as 01/01/1966 vide Affidavit dated 12/08/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client Mrs. Aneeta Dalal is purchasing the Property bearing Plot No. RZ-G-633, with all its roof/terrace rights of land underneath admeasuring 100 sq. yds., out of Khasra No.50/16/1, 17/1, 18/1, situated in the revenue estate of Village Palam, Delhi State Delhi, area abadi known as colony Raj Nagar-II, Palam Colony, New Delhi- 110045 from Mr. Nitin Aggarwal who is the owner of the property vide Relinquishment Deed dated 27/08/2020, which is registered as document no. 4464, Book no.1, vol. no. 10434, page no.185-188, on 27.08.2020, SR-IX and Intend to mortgage the said property with **Truhome Finance Limited (Formerly known as Shriram Housing Finance Limited).** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I Nisah W/o Mohd Imran Qureshi Mohalla, R/o Nurani masjidbadshah Nagar, Dadri, dist Gautam Budh Nagar, UP - 203207 have changed my name to Nisha for all future purposes.

NAME CHANGE
I JAIPARKASH S/o LILU RAM R/o Flat no -304, Tower - A, Shree, Vardhman mantra, Ansal Esencia , Sector -67, Gurgaon have changed my name to JAI PARKASH MITTAL for all future purposes.

Public Notice
It is for general information that I, SHREYA SATIJA D/o MAHESH CHANDRA SATIJA R/o Flat No.603, 6th Floor Tower 5, 3 C Lotus Zing Sector-168, Chhaprauli Bangar Po. Chhaprauli Bangar Dist. Gautam Budha Nagar Uttar Pradesh-201305 declare that name of my father has been wrongly written as MAHESH SATIJA in my all educational documents, Pan Card NO.QPUPS2575M, PASSPORT No.Z7367240 and Driving Licence No.UP16 20230019538 the actual name of my father is MAHESH CHANDRA SATIJA

NAME CHANGE
I ANJANA MANGAL W/O SHYAM SUNDAR MANGAL R/O. HANUMAN GALI, SARMATHURA, DHOLPUR(RAJASTHAN), 328026 have changed my name to ANJANA DEVI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, RAJINDER SINGH S/o Gurcharan Singh R/o 99, vpo rohti (312), Kurukshetra, Haryana-136129, have changed my name to RAJENDER SINGH permanently

NAME CHANGE
I, RITU RANI TOMAR W/o Vinay Tomar R/o RZ-635, Gali No.3, Main Sagarpur, Nangal Raya, Delhi-110046, have changed my name to RITU TOMAR permanently

NAME CHANGE
I DURGA PRASAD S/O SITA RAM R/O. A624 4TH FLOOR RADHA KRISHNA APARTMENT G.D COLONY DELHI-110096 have changed my name to DURGA PRASAD GUPTA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SUBHASH S/O BHOGENDAR PASWAN R/O H.NO 3053 BAHADUR GARH ROAD SADAR BAZAR DELHI NORTH DELHI 110006, CHANGED MY NAME TO SUBHASH PASVAN.

NAME CHANGE
I BHOPINDER PAL SINGH S/O BALDEV SIGH R/O H.NO- 7/80, BLOCK 7, GEETA COLONY. P.O. GANDHI NAGAR, EAST DELHI HAVE CHANGED TO MY NAME BHOPENDER PAL SINGH

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client by 1. Mr. Shamsheer Ali S/o Mr. Sidaqat Ali & 2. Mr. Amit Kumar S/o Mr. Niniami are the owner of Freehold Property No. JC-28, area measuring 200 Sq. Yds., approx., out of Khasra No. 63, 1009/68 Min & 1010/68, situated in the revenue estate of Village Khirki, Tehsil Hauz Khas, in the Colony Known as Khirki Extn., Near Malviya Nagar, New Delhi 110017. by virtue of Notarized GPA, Notarized SPA, Notarized ATS & Will dated 09.07.2025 now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and First Floor, Corner Flat, Southern Portion, without roof rights, area measuring 110 Sq. Yds., i.e., 990 Sq. Ft., sold to be Mr. Akash Kumar and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Moti Nagar New Delhi.
If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I, Firoj, S/O Mohammad Yunus, F-550 J J Colony, PO: Bawana, Dist: North West Delhi, Pin: 110039 Have Changed My Name To Md Firoj For All the future purposes.....

NAME CHANGE
I, Abulaish Ansari S/O Gaisul Ansari R/O 9/3270, Gali No-6, Dharampura, Gandhi Nagar, PO: Gandhi Nagar, DIST: East Delhi, Delhi-110031, have changed the name of my minor daughter Ayra Khatoon aged 5 years and she shall hereafter be known as Ariba Khatoon.

NAME CHANGE
I Kum. Shinam Batra w/o Mukesh kumar R/o A-1/252 Near Sunil Dairy Hastsal Road Uttam Nagar Delhi have changed my name to Shinam Khunger for all future purpose

NAME CHANGE
I, Aafreen D/o Mohd Javed R/o H. No. C-55/10C, Gali No. 10, Near Kashmiri Building Chauhan Banger, Garhi Mendu, Delhi-110053 have changed my name to Aafrin Akkashi for all future purposes

NAME CHANGE
I, PREETI BEDI W/o Girish Suri R/o 88/89, 3rd Floor, Radhey Shyam Park Extn., Krishna Nagar, Delhi-110051 have changed my name to GAURI SURI permanently

NAME CHANGE
I, SARODE VIKRAM VITHOBA, is legally father of Army No. 2820783Y, Rank - NK, Name - SARODE AKASH VIKRAM, presently residing at Vill - Ralegan Therpal, Post - Ralegan Therpal, Teh - Parner, Dist - Ahilyanagar, State - Maharashtra, Pin - 414306, have changed my name from SARODE VIKRAM VITHOBA to VIKRAM VITHOBA SARODE for all future purposes. Vide affidavit dated 11/08/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE
I, CHHAYA, is legally mother of Army No. 2820783Y, Rank - NK, Name - SARODE AKASH VIKRAM, presently residing at Vill - Ralegan Therpal, Post - Ralegan Therpal, Teh - Parner, Dist - Ahilyanagar, State - Maharashtra, Pin - 414306, have changed my name from CHHAYA to CHHAYA VIKRAM SARODE for all future purposes. Vide affidavit dated 11/08/2026 before Public Notary, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is hereby given to the general public that our client Mr. Mohan Kumar and Mr. Surinder Kumar are the owner and in possession of a Freehold Residential Built up Property Bearing No.10, area measuring 109 sq. yds., consisting of built-up Ground Floor and First Floor, with upper rights upto the last storey Out of Khasra No. 19/10, situated at abadi of Ganesh Park, Rashid Market, in the area of Village Khureji Khas, Illaqa Shahdara, Delhi., Our client acquired the said property by virtue of a Regd. Will Dated 09.06.2004 duly regd., as Doc. No. 9433, Vol. No. 1539, in the Book No. 03, on Pages No. 154-155, regd., on dated 09.06.2004, in the SRO-VIII, Delhi., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) SMC in the name of Legal heirs of late Mr. Roshan Lal, (2) Probate Order of Regd. Will dated 09.06.2004 Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. And same property sold too bee Mr. Saleem Choudhary and the said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch Burari Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I ROHIT AGGARWAL S/O VIJAY KUMAR AGGARWAL R/O PLOT NO-47 BLOCK -E PREM NAGAR NEAR HANUMAN MANDIR NAJAFGARH DELHI-110043 HAVE CHANGED MY NAME TO ROHIT KUMAR AGGARWAL PERMANENTLY

NAME CHANGE
I, VINAY KUMAR S/o Raj Pal Singh R/o RZ-635, Gali No.3, Main Sagarpur, Nangal Raya, Delhi-110046, have changed my name to VINAY TOMAR permanently

NAME CHANGE
I Hasam S/o- Kamru din R/o Vtc-Bawla, Tauru, Dist - Mewat , Haryana-122105 have changed my name to Hassim Khan for all future purposes.

NAME CHANGE
I Sadya khan W/o - Sazid R/o Ajeem ki dhani, Mohammadpur, ahir, mewat, 122105 have changed my name to Sadiya Khan for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SUNIL KUMAR JAIN S/o OM PRAKASH R/o 18, Second Floor, Raj Block, Naveen Shahdara, Delhi-110032 have changed my name to Sunil Jain.

NAME CHANGE
I,mohd Naseem iqbal S/O Abdul azeem R/o 12a/14a gali number 5 Bajrang Bali mahalla,moujpur ,delhi-110053 have changed my name to Naseem iqbal permanently

NAME CHANGE
I, KHUSBOO KUMARI W/o Vineet Kumar Vishant R/o A-46, Street No.1, West Vinod Nagar, Delhi-110092, have changed my name to KHUSHBOO VISHANT permanently.

NAME CHANGE
I, SOMA KUMARI W/o Gautam Kumar R/o 297, 2nd Floor, Lane No.4, Near Harsha City Mall, Shakti Khand 4, Indrapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014, have changed my name to SOMA CHAUDHARY permanently

NAME CHANGE
I, JASWINDER KAUR W/o Angrej Singh R/o 99, VPO Rohti (312), Kurukshetra, Haryana-136129, have changed my name to BALWINDER KAUR permanently.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large on behalf of my client **Mrs. Meena** in respect of **Residential Plot no. C-46, area measuring 50 sq. yds., i.e. 41.805 sq. mtrs., Out of Khasra no. 158, Situated in Shankar Vihar Colony, in the Village Sadullabad, Pargana Loni, Tehsil & Dist. Ghaziabad, Uttar Pradesh,.; for** Lost OF Property document i.e, Sale deed dated 04.07.2006 executed by Mrs. Munesh in favour of Mr. Anees Ahemed, & Shafiq Ahmed in respect of said property, duly registered with SRO- IV Ghaziabad, As Doc. No. 6408 book no. 1, vol no. 7073, on pages 43-48, dated 04.07.2006 and Sale deed dated 25.08.2010 executed by Mr. Anees Ahemed, & Shafiq Ahmed in favour of Ebne Hasan in respect of said property, duly registered with SRO-Iv, Ghaziabad, as Doc. No. 14353, Book no. 1, Vol no. 15544, on pages 255-276, dated 28.05.2010., **in kali Ghata road, Karawal Nagar, Delhi. An E-FIR was registered for the same examined by E-Police vide LR No. 531808/2026 on 12.08.2026**, This property is mortgaged with **SMFG India Home Finance.** Any person(s)/ Institution(s) found/finds the same may please send us to the address mentioned herein. Anyone misusing the same shall be liable for action under relevant provisions of the Law of the Land, If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within Seven days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, Nirupma Gupta W/O Rajendra Kumar Gupta R/O D 22, Hauz Khas Delhi 110016 have changed my name to Neeru Gupta for all future purposes.

NAME CHANGE
I, RAHUL R/O H NO-154, Kasni, MANHERU, CHARKHI DADRI, Haryana-127309. have changed my name to RAHUL YADAV.

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given to the general public that in connection with the loan facility provided to Mr. Satendra Kumar and Mrs. Shalu [cite: 3], concerning the property situated at Village Salarpur Khadar, Tehsil Dadri, Noida, District Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh (out of Khasra No. 324) [cite: 3], it is hereby declared and affirmed that all the legal heirs of the deceased Late Mr. Harjee Ram (namely Geeta- 43, Babita- 41, Sunita-39, Nagendra-37, Preeti-35, Satendra-33, and Naveen-31) mentioned herein are true and correct, and no material fact has been concealed. Furthermore, Mr. Satendra Kumar and Mrs. Shalu have formally undertaken to fully indemnify AU Small Finance Bank, Sec 15 Urban Estate Gurgaon against any losses, claims, damages, or liabilities that may arise in case any discrepancy or concealment is found in the legal heir details or property documents submitted to the Bank. Any person(s) having any claim, objection, or interest in the said property or against the documents submitted is requested to contact the undersigned at the Bank's office within 7 (seven) days from the date of publication of this notice, failing which it shall be presumed that no such claims exist and the Bank shall proceed accordingly.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल श्री मुकेश सैनी पुत्र श्री शो सिंह सैनी, फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट नंबर N-157, PID NO-1CAJAH46, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज, जो कि खसरा नंबर 7//16 मिन. एवं 6/11/1 मिन. में से है तथा राजस्व ग्राम सराय अलावर्दी, आवासीय कॉलोनी न्यू पालम विहार, गुरुग्राम, तहसील एवं जिला गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित है, के पूर्ण स्वामी एवं शांतिपूर्ण कब्जाधारी हैं। हमारे मुवक्किल ने उक्त संपत्ति का अधिग्रहण/स्वामित्व पंजीकृत जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी (दस्तावेज संख्या 2024/21/IV/1425), नोटरीकृत एग्रीमेंट टू सेल तथा पंजीकृत वसीयत (दस्तावेज संख्या 546), दिनांक 28.05.2024 के माध्यम से किया है। यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति से संबंधित स्वामित्व दस्तावेजों की श्रृंखला में निम्नलिखित दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैंः स्वर्गीय श्री भूषण लाल रंगरू का मृत्यु प्रमाण-पत्र।, स्वर्गीय श्री भूषण लाल रंगरू के पीछे छोड़े गए वारिसों के संबंध में जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय द्वारा जारी स्स्ष्ट। स्वर्गीय श्री सुनीर रंगरू का मृत्यु प्रमाण-पत्र, जिनका निधन अविवाहित अवस्था में हुआ था। हमारे मुवक्किल द्वारा यह घोषित किया जाता है कि श्रीमती नीतू सिंह पत्नी श्री राकेश के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी प्रकार का अधिकार, स्वामित्व, हित, दावा, मांग, आपत्ति, ग्रहणाधिकार, भार, बंधक, देयता, अतिक्रमण अथवा अन्य कोई सरोकार नहीं है। यह भी सूचित किया जाता है कि श्री मुकेश सैनी पुत्र श्री शो सिंह सैनी ने उक्त संपत्ति को श्रीमती नीतू सिंह पत्नी श्री राकेश को बेचने/बेचने का करार किया है तथा उक्त लेन-देन का वित्तपोषण PNB Housing Finance Limited, Branch: Roshni, GURUGRAM, Haryana द्वारा किया गया है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक अथवा प्राधिकरण का उक्त संपत्ति अथवा उपर्युक्त अनुपलब्ध मूल दस्तावेजों के संबंध में किसी प्रकार का अधिकार, स्वामित्व, हित, दावा, मांग, आपत्ति, बंधक, प्रभार, भार अथवा अन्य कोई दावा हो, तो वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपने दावे के समर्थन में समुचित दस्तावेजों सहित अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा यह मान लिया जाएगा कि किसी भी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई दावा या आपत्ति नहीं है तथा प्रस्तावित लेन-देन बिना किसी अन्य सूचना के पूर्ण कर दिया जाएगा। इसके उपरांत प्राप्त किसी भी दावे या आपत्ति को हमारे मुवक्किल अथवा प्रस्तावित क्रेता पर बाध्यकारी नहीं माना जाएगा।

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE
it is for general information that I, Indu Sharma d/o Suresh Kumar Sharma and w/o Rajat Sharma r/o 202 Gali No. 6, Sadarpur Colony sector 45, Nooda sector 37,PO : Noida sector 37, Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh 201303 declare that the name of mine has been wrongly written as Rajni Sharma in my minor Son Shivam Sharma aged 14 years in his Birth Certificate No. 100171201860 . The actual name of mine is INDU SHARMA which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, LAKHJEET SINGH BEDI S/O AMAR SINGH H/O MOPINDER KAUR R/O H.NO 13/321 GEETA COLONY EAST DELHI 110031 HAVE CHANGED MY NAME TO LAKHJEET SINGH PERMANENTLY

NAME CHANGE
I, DEEPAK SURI R/O 17B/11 3rd floor MILITERY ROAD, DEV NAGAR KAROL BAGH, DELHI-110005, HAVE CHANGED MY NAME TO DEEPAK KUMAR.

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT BACK CHAIN OF "ENTIRE BASEMENT FLOOR, WITHOUT ROOF/TERRACE RIGHT, AREA MEASURING 200 SQ.YDS., OUT OF BUILT-UP PROPERTY, BUILT ON FREEHOLD PLOT NO. 60, IN BLOCK-I, SITUATED IN THE RESIDENTIAL COLONY KNOWN AS KIRTI NAGAR, NEW DELHI, AREA OF VILLAGE BASSAI DARAPUR, DELHI STATE DELHI." I.E. 1. PHOTOCOPY OF DEATH CERTIFICATE OF LT MR. SATISH CHANDER SIDANA DIED ON DT. 15.02.2007, 2. ORIGINAL SALE DEED DT. 27.11.2007 EXECUTED BY MRS. ICCHHA SIDANA IN FAVOUR OF MRS. ANU KHANNA AND MRS. AMEESHA BAGGA IN RESPECT OF THE SAID PROPERTY, 3. ORIGINAL SALE DEED DT. 13.06.2008 EXECUTED BY MRS. ANU KHANNA AND MRS. AMEESHA BAGGA IN FAVOUR OF MRS. KIRAN ARORA IN RESPECT OF THE SAID PROPERTY., 4. ORIGINAL SALE DEED DATED 13.06.2008 EXECUTED BY MRS. KIRAN ARORA IN FAVOUR OF MRS. KANCHAN JUNEJA IN RESPECT OF BUILT-UP GROUND FLOOR, WITHOUT ROOF RIGHTS, OF PROPERTY NO. I-60, 5. ORIGINAL NOTARIZED MOU AGREEMENT DT. 19.10.2013 EXECUTED BETWEEN MRS. KANCHAN JUNEJA AS THE FIRST PARTY AND MRS. ICHHA SIDANA AS THE SECOND PARTY, 6. PHOTOCOPY OF SALE DEED OF SOLD-OUT PORTION OF GROUND FLOOR OF THE SAID PROPERTY EXECUTED BY MRS. KANCHAN JUNEJA IN FAVOUR OF MR. SANJEEV CHADHA & 7. PHOTOCOPY OF DEATH CERTIFICATE OF LT. MR. SURENDER JUNEJA (HUSBAND OF MRS. KANCHAN JUJENA) HAVE BEEN LOST BY THE CURRENT OWNER MR. SUMIT JUNEJA AND SAID OWNER MR. SUMIT JUNEJA PURCHASED THE SAID PROPERTY VIDE RELINQUISHMENT DEED DATED 01.03.2024 EXECUTED BY MRS. SMRITI CHADHA DAUGHTER OF LT. MR. SURENDER KUMAR JUNEJA AND MR. ABHISHEK JUNEJA SON OF LT. MR. SURENDER KUMAR JUNEJA IN FAVOUR OF MR. SUMIT JUNEJA SON OF LT. MR. SURENDER KUMAR JUNEJA IN RESPECT OF THE SAID PROPERTY. NOW MR. SUMIT JUNEJA WANTS TO TAKE LOAN AGAINST THE SAID PROPERTY FROM TRU HOME FINANCE LIMITED. PLEASE SUBMIT THE SAID DOCUMENTS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

NAME CHANGE
I hitherto known as DHIRENDRA SINGH S/o SANT SINGH R/o D – 8 , D Block , Govindpuram , Ghaziabad , Uttar Pradesh – 201013 have changed my name and shall hereafter be known as DHERENDRA SINGH.

NAME CHANGE
I, LILAWALI DEVI mother of No-14677627N, Rank-HAV, Name-ANAND KUMAR SINGH residing at VILL-GOPLAPUR, PO-SONUGHAT, DIST-DEORIA, UTTAR PRADESH-274001, have changed my name from LILAWALI DEVI to LILAWATI DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 12/08/2026 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, RANGAPPA, father of NO-16131095K, Rank- SPR, Name-LAXMAN DASAR, residing at MAIBOOBA NAGAR, NALATAWAD, DIST-BIJAPUR, KARNATAKA-586124, have changed my name from RANGAPPA to RANGAPPA DASAR for all future purposes, vide affidavit dated 11/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Fazlur Rehman S/o Mohd Sharif R/o H No-B-352/2, Street No.20, B-Block, Shubhash Mohlla, Delhi-110053 have changed my name to Fazalur Rehman for all future purposes.

Public Notice
It is for general information that I Mohammed Salim S/O Mohammed Hussain R/O House No-1038 Rajiv Garden Part-2 Loni Dehat Loni Ghaziabad Uttar Pradesh -201102, declare that name of mine and my minor son has been wrongly written as Salim and Anash in my minor son namely Anas aged 15 years in his school records. The actual name of mine and my minor son are Mohammed Salim and Anas, respectively which may be amended accordingly.

Public Notice
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MRS. SARASWATI DEVI IS OWNER AND IN POSSESSION OF "HOUSE NO. 1152 IN WARD NO. 02 (AS PER HTR) AREA MEASURING 77 SQ. YARDS OUT OF KHASRA NO. 989 SITUATED IN SANGAM PARK, MAKANPUR, KHODA COLONY, GHAZIABAD, U.P." AND ACQUIRED THE SAID PROPERTY AFTER THE DEATH OF HER HUSBAND MR. NETRA PAL SINGH WHO DIED ON DT. 22.09.2025 AND SAID MR. NETRA PAL SINGH ACQUIRED THE SAID PROPERTY VIDE REGD. GPA, NOTARIZED ATS, NOTARIZED WILL DT. 11.09.2020 EXECUTED BY MRS. INDIRA DEVI. NOW MRS. SARITA GUPTA IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MRS. SARASWATI DEVI, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH TRU HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER AND RELEVANT DOCUMENTS TO UNDERSIGNED IF ANYONE HAS AN OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA,
DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

युलु ने सीरीज सी फंडिंग में जुटाए 9.3 करोड़

अगले दो साल में बेड़ा 2 लाख इलेक्ट्रिक वाहनों का होगा

मुंबई ।

इलेक्ट्रिक परिवहन मंच युलु ने अपने सीरीज सी वित्त पोषण दौर में 9.3 करोड़ रुपये सफलतापूर्वक जुटा लिए हैं। इस पूंजी के साथ कंपनी ने अगले दो वर्षों में अपने इलेक्ट्रिक वाहन बेड़े को चार गुना बढ़ाकर 2 लाख करने, सेवा नेटवर्क के विस्तार और शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की अपनी योजनाओं को तेज करने का लक्ष्य रखा है। युलु के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि यह वित्तपोषण कंपनी के कारोबारी मॉडल की मजबूती और मांग की व्यापक संभावनाओं की पुष्टि करता है। उन्होंने कहा कि युलु भारत की शहरी स्थानीय परिवहन गतिविधियों की आधारशिला के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखने और शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए तैयार है। बजाज ऑटो और मैग्ना इंटरनेशनल इंक जैसी रणनीतिक साझेदारियों ने युलु को विशेष हार्डवेयर, प्रौद्योगिकी और व्यापक ऊर्जा बुनियादी ढांचे वाला एक एकीकृत इलेक्ट्रिक वाहन परिवेश बनाने में मदद की है। अब कंपनी युलु एक्सप्रेस के साथ शहरी लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में भी प्रवेश करने की योजना बना रही है। यह ई-कॉमर्स, बाइक टैक्सी और त्वरित पार्सल डिलीवरी के लिए डिज़ाइन किया गया एक उच्च क्षमता वाला इलेक्ट्रिक स्कूटर होगा। कंपनी का उद्देश्य इन विस्तार योजनाओं के माध्यम से टिकाऊ शहरी गतिशीलता में अपनी स्थिति मजबूत करना है।

आरडी इंडस्ट्रीज का शेयर करीब 39 प्रतिशत बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

आरडी इंडस्ट्रीज का शेयर बुधवार को शेयर बाजार में मजबूत शुरुआत के साथ सूचीबद्ध हुआ। कंपनी के शेयर ने अपने 53 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 39 प्रतिशत की शानदार बढ़त दर्ज की, जिससे निवेशकों को लिस्टिंग के दिन ही उल्लेखनीय मुनाफा हुआ। कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को निवेशकों से भारी प्रतिक्रिया मिली थी। बीएसई पर आरडी इंडस्ट्रीज का शेयर 73.60 रुपये पर कारोबार शुरू किया, जो इसके निर्गम मूल्य से 38.86 प्रतिशत अधिक है। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर यह 35.84 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। इस दमदार प्रदर्शन के साथ कंपनी का बाजार पूंजीकरण 2,119.10 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। कंपनी के 426 करोड़ रुपये के आईपीओ को निवेशकों ने हाथों-हाथ लिया था और पिछले सप्ताह शुक्रवार को बोली के अंतिम दिन यह 133.66 गुना से अधिक अभिदान के साथ बंद हुआ था। 50-53 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरे वाले इस आईपीओ ने बाजार में कंपनी की सर्कुलर इकोनॉमी आधारित व्यावसायिक मॉडल की स्वीकार्यता को दर्शाया है। आरडी इंडस्ट्रीज ऊर्जा भंडारण उत्पादों और गैर-लौह धातु कबाड़ के पुनर्चक्रण तथा अपशिष्ट से महत्वपूर्ण संसाधनों को पुनः प्राप्त करने का काम करती है।

ओला इलेक्ट्रिक को 7,240 करोड़ का पीएलआई लाभ

मंत्रालय ने बढ़ाई सेल उत्पादन प्रोत्साहन समयसीमा

नई दिल्ली ।

ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड को भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) से बड़ी राहत मिली है। मंत्रालय ने कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी ओला सेल टेक्नोलॉजीज (ओसीटी) के लिए उन्नत रसायन सेल उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना की समयसीमा में संशोधन को मंजूरी दे दी है। इस फैसले से ओला इलेक्ट्रिक को अपने 20 गीगावाट आवंटन के लिए 2031 तक पूरे पांच साल की पीएलआई अवधि मिलेगी, जिससे उसे कुल 7,240 करोड़ रुपए तक का प्रोत्साहन लाभ प्राप्त हो सकेगा। कंपनी ने बुधवार को बताया कि यह प्रोत्साहन राशि अगली तिमाही से तिमाही आधार पर मिलनी शुरू हो जाएगी। ओला इलेक्ट्रिक के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक भविष अग्रवाल ने कहा कि संशोधित समयसीमा महज विस्तार से कहीं अधिक है; यह उनके सेल कारोबार की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह बदल देती है। फिलहाल ओला इलेक्ट्रिक के पास 2.5 गीगावाट की स्थापित सेल विनिर्माण क्षमता है, जिसमें 3.5 गीगावाट की अतिरिक्त क्षमता जोड़ी जा रही है। कंपनी ने कहा कि चालू तिमाही के अंत तक उसकी क्षमता 6 गीगावाट हो जाएगी, जो दिसंबर 2026 की संशोधित समयसीमा से काफी पहले शुरुआती स्थापित क्षमता का लक्ष्य हासिल कर लेगी। लिथियम सेल इलेक्ट्रिक परिवहन, ऊर्जा भंडारण जैसे क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 188 अंक, निफ्टी 35 अंक गिरा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 187.90 अंक नीचे आकर 77,966.35 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 35.75 अंक फिसलकर 24,435.95 पर बंद हुआ। आज आईटी शेयरों में आई गिरावट का प्रभाव भी बाजार पर पड़ा है। कारोबार के दौरान सूचकांकों में निफ्टी आईटी में सबसे अधिक गिरावट रही। इसके बाद निफ्टी एफएमसीजी , निफ्टी कंजप्शन , निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.45 , निफ्टी हेल्थकेयर , निफ्टी ऑटो , निफ्टी सर्विसेज 0.14 और निफ्टी कमोडिटीज के शेयरों में भी गिरावट रही।

दूसरी ओर निफ्टी पीएसयू बैंक , निफ्टी मीडिया, निफ्टी इंडिया डिफेंस 0.70 , निफ्टी मेटल

0.54, निफ्टी पीएसई , निफ्टी इन्फ्रा और निफ्टी एनर्जी तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं व्यापक बाजार में मिलाजुला कारोबार हुआ। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। आज सुबह निफ्टी करीब 80 अंक गिरकर 24400 के नीचे आ गया, जबकि सेंसेक्स लगभग 250 अंकों की गिरावट के साथ 77900 के नीचे कारोबार करता दिखा।

वस्तु निर्यात दूसरी तिमाही में 131 अरब डॉलर पार करेगा: एग्जिम बैंक

नई दिल्ली ।

भारत के निर्यात-आयात बैंक (एग्जिम बैंक) ने एक सकारात्मक अनुमान जारी करते हुए कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में देश का कुल वस्तु निर्यात 131.2 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा।

बैंक के बुधवार को जारी बयान के अनुसार यह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 17.6 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक शुभ संकेत है। एग्जिम बैंक के विश्लेषण के मुताबिक इस वृद्धि में गैर-तेल निर्यात का बड़ा योगदान होगा, जिसके 20.3 प्रतिशत बढ़कर 113.8 अरब डॉलर होने की संभावना है।

इसी तरह, गैर-तेल और गैर-रत्न एवं आभूषण निर्यात में भी 20.5 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि का अनुमान है, जिससे यह आंकड़ा 105.8 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था के विविध क्षेत्र निर्यात वृद्धि को गति प्रदान कर रहे हैं और वैश्विक बाजार में भारत की स्थिति मजबूत हो रही है। इस अनुमान से देश की व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया तीन पैसे की बढ़त के साथ ही 95.33 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया छह पैसे नीचे आकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.42 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में तेजी की मुख्य वजह होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बनी अनिश्चितता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.40 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में यह फिसलकर 95.42 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले छह पैसे की गिरावट दिखाता है। वहीं रुपया मंगलवार को छह पैसे टूटकर 95.36 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 फीसदी की बढ़त के साथ 99.87 पर रहा।

बैंकिंग में एआई का जिम्मेदारी से करें इस्तेमाल: आरबीआई गवर्नर

बैंक के फैसलों की जि्मेदारी अंततः बैंक की ही होती है, न कि उसके एल्गोरिद्म की

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बैंकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने की नसीहत दी है। एफआईबीएसी 2026 सम्मेलन को संबोधित करते हुए मल्होत्रा ने साफ कहा कि एआई को नियंत्रित किए जाने वाले जोखिम के बजाय एक क्षमता के रूप में देखा जाना चाहिए जिसका सावधानी से उपयोग हो। साथ ही उन्होंने कड़े शब्दों में आगाह किया कि बैंक के फैसलों की जिम्मेदारी अंततः बैंक की ही होती है, न कि उसके एल्गोरिद्म की।

इसके अलावा, उन्होंने बताया कि ब्रिक्स देशों के सदस्य तेज भुगतान प्रणाली को केंद्रीय बैंक की डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) से जोड़ने पर भी चर्चा कर रहे हैं। आरबीआई गवर्नर ने एआई मॉडल से जुड़े जोखिमों पर बोलते हुए कहा कि आरबीआई इसे क्षमता के रूप में देखता है। हालांकि, उन्होंने चेताया कि बैंकिंग प्रणाली में एआई अपनाने से मानवीय निर्णय क्षमता और जवाबदेही कम होने का जोखिम हो सकता है।

मल्होत्रा ने जोर दिया, हम यह नहीं कह सकते कि फैसला मॉडल ने किया। इसमें सार्थक मानवीय निगरानी, फैसले को समझाने और हस्तक्षेप करने की क्षमता होनी चाहिए। उन्होंने इसे ब्लैक बॉक्स समस्या बताते हुए कहा कि एआई सिस्टम के किसी छोटे व्यवसाय को कर्ज न देने की सलाह देने पर, ऋणदाता और नियामक दोनों को कारण जानने का हक है। मल्होत्रा ने एआई में पक्षपात और भेदभाव के जोखिम पर भी आगाह किया, खासकर अगर वह पुराने कर्ज के आंकड़ों पर आधारित हो।

उन्होंने थर्ड-पार्टी वेंडर पर निर्भरता और डेटा गोपनीयता के खतरों का भी जिक्र किया, कहा कि ग्राहकों को डिजिटल पर्सनल डेटा सुरक्षा कानून के पालन से कहीं ज्यादा की उम्मीद करनी चाहिए।

आरबीआई गवर्नर ने भारतीय बैंकों को एआई अपनाने में पीछे न रहने पर जोर देते हुए कहा कि वैकल्पिक डेटा जैसे नकदी प्रवाह और जीएसटी फाइलिंग पर प्रशिक्षित एआई मॉडल ऋण आवंटन की लागत को कम कर सकते हैं।

सेबी का प्रस्ताव: कमोडिटी डेरिवेटिव में एफपीआई की बढ़ेगी भागीदारी, खुलेंगे नए रास्ते

इन बदलावों से बाजार में तरलता, मूल्य खोज और वैश्विक बाजारों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित

नई दिल्ली ।

बाजार नियामक सेबी ने एक्सचेंज-ट्रेडेड कमोडिटी डेरिवेटिव्स (ईटीसीडी) में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की भागीदारी बढ़ाने का प्रस्ताव किया है। इसका उद्देश्य गैर-कृषि इंडेक्स डेरिवेटिव्स और नकदी के बिना सेटल होने वाले गैर-कृषि जिंस डेरिवेटिव्स में एफपीआई को व्यापार की अनुमति देना है। सेबी का मानना है कि इन बदलावों से बाजार में तरलता, मूल्य खोज और वैश्विक बाजारों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित होगा।

मंगलवार को जारी अपने परामर्श पत्र में सेबी ने दो प्रमुख प्रस्ताव रखे हैं। पहले प्रस्ताव के तहत, एफपीआई को अब गैर-कृषि इंडेक्स डेरिवेटिव अनुबंधों में भाग लेने की अनुमति मिलेगी, भले ही इनकी अंतर्निहित संपत्तियां नकदी में सेटल होती हों या नहीं। वर्तमान में, एफपीआई केवल नकदी में सेटल होने वाले गैर-कृषि डेरिवेटिव अनुबंधों में ही निवेश कर सकते हैं।

चूंकि इंडेक्स डेरिवेटिव्स का निपटान हमेशा नकदी में ही होता है, इसलिए यह बदलाव डिलीवरी से जुड़ी कोई समस्या पैदा नहीं करेगा। कमोडिटी डेरिवेटिव एडवाइजरी कमेटी (सीडीएसी) ने भी इस प्रस्ताव पर सहमति जताई है।

दूसरे प्रस्ताव में एफपीआई को घरेलू एक्सचेंजों पर उपलब्ध फिजिकली सेटल होने वाले गैर-कृषि जिंस डेरिवेटिव्स में भी भागीदारी की इजाजत देने की बात कही गई है। इनमें कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, सोना, चांदी और आधार धातु जैसे वैश्विक बेंचमार्क से जुड़े जिंस शामिल हैं। सेबी के अनुसार, इससे बाजार में प्रतिभागियों का आधार और तरलता बढ़ेगी, साथ ही भारत का कमोडिटी डेरिवेटिव बाजार अंतरराष्ट्रीय जिंस बाजार से गहराई से जुड़ सकेगा।

हालांकि, एफपीआई को टेंडर अवधि शुरू होने से पहले (एक्सपायरी से तीन दिन पूर्व) अपने निवेश को बेचना या रोल-ओवर करना होगा।

ऐसा न कर पाने पर उनकी खुली पोजीशन स्वचालित रूप से किसी ट्रेडिंग मेंबर के खातों में हस्तांतरित हो जाएंगी।

टाटा संस के चेयरमैन पद से एन. चंद्रशेखरन ने दिया इस्तीफा

फरवरी 2027 तक पूरा करेंगे कार्यकाल

मुंबई ।

टाटा ग्रुप में एक बड़ा नेतृत्व परिवर्तन देखने को मिला है। एन. चंद्रशेखरन ने टाटा संस के चेयरमैन पद से इस्तीफा देने का ऐलान किया है, हालांकि वह फरवरी 2027 तक अपना मौजूदा कार्यकाल पूरा करेंगे और दोबारा नियुक्ति नहीं मांगेंगे। इस निर्णय के पीछे टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा की आपत्तियां और टाटा संस व टाटा ट्रस्ट्स के बीच गहरे मतभेद प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। नोएल टाटा ने फरवरी में उनकी दोबारा नियुक्ति पर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद यह फैसला टाल दिया गया था। दोनों संस्थाओं के बीच बोर्ड प्रतिनिधित्व, रणनीति और शापूरजी पल्लोनजी समूह की हिस्सेदारी जैसे मुद्दों पर मतभेद थे। चंद्रशेखरन 1987 में टाटा ग्रुप से जुड़े थे और 2017 में टाटा संस के चेयरमैन बने थे। यह इस्तीफा 18 अगस्त की एजीएम से ठीक पहले आया है, जहां उनकी दोबारा नियुक्ति पर शेयरधारकों की वोटिंग होनी थी। यह कदम टाटा ग्रुप के शीर्ष नेतृत्व में एक अहम बदलाव है।

अंबानी 25.8 लाख करोड़ की संपत्ति के साथ शीर्ष स्थान पर

बिड़ला परिवार से तीन गुना ज़्यादा संपत्ति, टॉप 300 व्यवसायों की कुल वैल्यू 138 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली

बार्कलेज और हुरुन इंडिया की हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारत के सबसे अमीर परिवारों की सूची में अंबानी परिवार शीर्ष पर है। उनकी कुल संपत्ति 25.8 लाख करोड़ रुपये है, जो दूसरे स्थान पर मौजूद कुमार मंगलम बिड़ला परिवार की संपत्ति से लगभग तीन गुना अधिक है। यह रिपोर्ट देश में पारिवारिक व्यवसायों की बढ़ती आर्थिक शक्ति को रेखांकित करती है। रिपोर्ट बताती है कि भारत के 300 शीर्ष पारिवारिक व्यवसायों की कुल वैल्यू 138 लाख करोड़ रुपये थी। कुमार मंगलम बिड़ला परिवार 8.1 लाख करोड़ रुपये और जिंदल परिवार 8 लाख करोड़ रुपये के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। पिछले एक साल में इन तीनों परिवारों की संपत्ति 1.57 लाख करोड़ रुपए बढ़ी, कुल मूल्यांकन 42 लाख करोड़ रुपए पर पहुंचा, जो देश के सूचीबद्ध बाजार पूंजीकरण का लगभग 9 फीसदी है। शीर्ष 10 में शामिल होने के लिए आवश्यक मूल्यांकन एक साल में 14 फीसदी बढ़कर 2.5 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इस दौरान, वेदांत के अनिल अग्रवाल परिवार मूल्यांकन में 74.7 फीसदी वृद्धि के साथ तीन पायदान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर आ गया। वहीं, एचसीएल टेक का नाडर और विप्रो का प्रेमजी परिवार रैंकिंग में नीचे खिसके, क्रमशः 38 और 2.3 फीसदी गिरावट के बाद अब आठवें और नौवें स्थान पर हैं। पहली पीढ़ी के सबसे धनी परिवारों में अदाणी परिवार 19.57 लाख करोड़ रुपये के साथ सबसे आगे है। उसके बाद भारती एयरटेल के सुनील भारती मित्तल (12.1 लाख करोड़) और सन फार्मा के दिलीप सांघवी (4.54 लाख करोड़) का परिवार है। इन 300 फैमिली समूहों ने पिछले दो सालों में औसतन हर दिन 4,076 करोड़ रुपये की संपदा जोड़ी है, और 54 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दिया है।

टाटा कैपिटल का रिवॉल्विंग क्रेडिट एक्सपोजर 5 फीसदी से कम

आरबीआई के नए प्रस्ताव से कंपनी पर पड़ेगा सीमित असर

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को रिवॉल्विंग क्रेडिट स्कीम बंद करने के प्रस्ताव से टाटा कैपिटल पर नाम मात्र का असर पड़ेगा। कंपनी ने स्पष्ट किया कि उनके कुल ऋण पोर्टफोलियो में रिवॉल्विंग क्रेडिट का हिस्सा 5 फीसदी से भी कम है, जबकि इस कदम से बजाज फाइनेंस जैसी अन्य एनबीएफसी को बड़ी चुनौती मिल सकती है। टाटा कैपिटल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने एक बैंकिंग सम्मेलन में बताया कि वे आरबीआई के इस प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देंगे और अंतिम विनियमन का पालन करेंगे। रिवॉल्विंग क्रेडिट एक ऐसी वित्तीय व्यवस्था है जिसमें एक तय सीमा तक बार-बार पैसे उधार लेने और चुकाने की अनुमति होती है। जून के अंत तक टाटा कैपिटल का सकल ऋण 2.86 लाख करोड़ रुपये था। आरबीआई का यह कदम एवरग्रीनिंग के जोखिम को कम करने के उद्देश्य से है, जहां उधारकर्ता नए ऋण से पुराने ऋण चुकाते हैं। एनबीएफसी की स्व-नियामक संस्था वित्तीय उद्योग विकास परिषद (एफआईडीसी) भी इस सप्ताह इस मुद्दे पर चर्चा करेगी। विश्लेषकों का अनुमान है कि इस प्रस्ताव से बजाज फाइनेंस सर्वाधिक प्रभावित होगी। आईआईएफएल कैपिटल के मुताबिक, उसकी लचीली ऋण योजनाएं समेकित एयूएम का लगभग 15 फीसदी और स्वतंत्र ऋण पोर्टफोलियो का 20 फीसदी बनाती हैं। तुलनात्मक रूप से, चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट का एक्सपोजर 1 फीसदी से भी कम है, जबकि एलएंडटी फाइनेंस और पूनावाला फिनकॉर्प के लिए यह नगण्य है।

ग्रामीण भारत और छोटे व्यवसायों को एआई से सशक्त करें- एसबीआई चेयरमैन

तकनीक की वास्तविक परीक्षा बारीकियों में नहीं, उपलब्धियों में

नई दिल्ली ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने बैंकिंग क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग को ग्रामीण ग्राहकों, छोटे व्यवसायों और कृषि तक गहरा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह भारत के 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। शेट्टी ने स्पष्ट किया कि एआई की वास्तविक परीक्षा उसकी बारीकियों में नहीं, बल्कि उससे हासिल होने वाली उपलब्धियों में है। उन्होंने जोर दिया कि एआई को अर्थव्यवस्था में गहराई तक ले जाना होगा, खासकर ग्रामीण भारत, छोटे कारोबारियों और पारंपरिक ऋण मॉडल में शामिल न होने वाले ग्राहकों तक। उन्होंने बताया कि एआई कृषि क्षेत्र में जोखिम आकलन, डिजिटल रिकॉर्ड और सैटेलाइट इमेज के माध्यम से ऋण पहुंच और पोर्टफोलियो प्रबंधन को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। हालांकि, शेट्टी ने स्वीकार किया कि कुछ एआई तकनीकों को कृषि ऋण में पहले से अपनाया जा रहा है, लेकिन चुनौती उन्हें पायलट प्रोजेक्ट से आगे ले जाकर अंतिम छोर तक किफायती और व्यावहारिक बनाने की है। उन्होंने आगाह किया कि एआई के बढ़ते उपयोग से साइबर सुरक्षा जैसे नए जोखिम उत्पन्न होंगे, क्योंकि यह हमलावरों को अधिक परिष्कृत खतरे विकसित करने की अनुमति दे सकता है। बैंकों को अपनी सुरक्षा मजबूत करनी होगी और विश्वास बनाए रखने के लिए अपने ढांचे पर पुनर्विचार करना होगा, क्योंकि एआई सिस्टम अधिक स्वायत्त हो जाएंगे।

बैंकों में 2.31 लाख करोड़ रुपए से ज़्यादा के फ्रॉड, वसूली केवल 2.7 फीसदी

वित्त मंत्रालय के आंकड़ों में खुलासा: 2021-26 के बीच 1 करोड़ से अधिक के 5,607 मामले

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत आंकड़ों ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों में बड़े वित्तीय फ्रॉड की चिंताजनक तस्वीर पेश की है। वित्तीय वर्ष 2021 से 2026 के दौरान 1 करोड़ रुपए से अधिक के कुल 5,607 धोखाधड़ी मामलों में 2,31,710.12 करोड़ रुपए की रकम शामिल थी, जिसमें से महज 6,283.14 करोड़ रुपए की ही वसूली हो पाई।

यह दर्शाता है कि 2,25,426.98 करोड़ रुपए की बड़ी राशि अभी भी फंसी हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, जहां 2021 से 2024 तक बड़े फ्रॉड के मामलों और राशि में गिरावट देखी गई, वहीं वित्तीय वर्ष 2025 और 2026 में इनमें तेज उछाल आया।

`वित्त वर्ष 24 में 641 मामलों के साथ 9,080.50 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी हुई, जो छह साल का निचला स्तर था। हालांकि,`` वित्त वर्ष 25 में यह संख्या बढ़कर 941 और` वित्त वर्ष 26 में 1,330 हो गई, जो` वित्त वर्ष 24 के मुकाबले दोगुने से भी अधिक है।`` वित्त वर्ष 26 में धोखाधड़ी की राशि भी बढ़कर 46,559.84 करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले वर्ष से लगभग 55 फीसदी अधिक है। कुल मिलाकर, पांच सालों में 2.31 लाख करोड़ से अधिक के फ्रॉड में केवल 2.7 फीसदी (6,283.14 करोड़ रुपए) की ही वसूली हो सकी है। हालांकि, मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यह अंतिम नुकसान नहीं है और कानूनी तथा रिकवरी प्रक्रियाओं के जरिए भविष्य में भी कुछ रकम वापस मिल सकती है।

असामाजिक हो रहे सोशल मीडिया का नियमन जरूरी

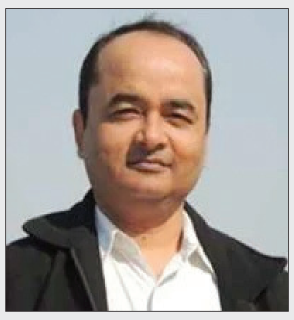

उमेश चतुर्वेदी

सोशल मीडिया को लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बौजिज शहर में फलों का ठेला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्यूनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली।

दिल्ली में बीस जुलाई को काकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा और 23 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी के जेन जी के संबोधन की वीडियो फेसबुक और इंस्टाग्राम से हटाए जाने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बहुत चर्चा में हैं। चर्चा से ज्यादा उनकी भूमिका कहीं ज्यादा विमर्श के केंद्र में है। इसमें दो राय नहीं कि दुनियाभर में जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ज्यादा प्रचलन में हैं, उनमें से ज्यादातर विदेशी हैं। जाहिर है कि वे उन जगहों के कानूनों और सांस्कृतिक परंपराओं से ज्यादा संचालित हैं, जहां उनके मुख्यालय हैं। इसलिए अपने व्यापक हितों के लिए वे अपने प्रचलन वाले देशों की परंपराओं और संस्कृतियों को सवालों के घेरे में लाने, उसका उपहास उड़ाने और उन्हें तार-तार करने वाला अलगोरिदम उन्होंने विकसित कर रखा है। जिसका खामियाजा तीसरी दुनिया के देश और वहां की सांस्कृतिक परंपराएं उठा रही हैं।

सोशल मीडिया को लोकतंत्र के बड़े मंच के रूप में 17 दिसंबर 2010 को ट्यूनिशिया के सिटी बौजिज शहर में फलों का ठेला लगाने वाले मोहम्मद बोआजीजी की आत्महत्या के बाद हुए उबाल के बाद देखा जाने लगा। म्यूनिसिपल कर्मचारियों की सख्ती के चलते क्षुब्ध बोआजीजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। किसी ने इस घटना को सोशल मीडिया पर डाल दिया। सोशल मीडिया के तत्कालीन अलगोरिदम ने इस घटना को इस रूप में प्रस्तुत किया कि समूचे अरब जगत में उबाल आ गया। नागरिक अधिकारों की स्थापना और लोकतंत्र की बहाली की मांग को लेकर अरब देशों की जनता सड़कों पर उतर आई। इसका ही नतीजा मिस्त्र की राजधानी काहिरा के तहरीर चौक पर दिखा। जहां महीनों तक लोग जमे रहे और वहां के राष्ट्रपति को इस्तीफा देना पड़ा। यह आग सीरिया, यमन और लीबिया तक जा पहुंची। वहां के पारंपरिक शासकों के खिलाफ लोगों का दबा हुआ गुस्सा निकला और कई जगह सत्ताएं बदल गईं। भारत में भी इसके ही कुछ महीनों बाद अन्ना हजारे को आगे रखकर एक आंदोलन छेड़ा गया। जिसकी परिणति आम आदमी पार्टी के रूप में हुई और वह दिल्ली की सत्ता पर काबिज हुई। फिर पंजाब में भी उसने पैठ बना ली।

इन घटनाओं को याद करना इसलिए जरूरी है कि इन सबके पीछे सोशल मीडिया के जरिए त्वरित गति से फैलाई गई सूचनाओं का हाथ सबसे ज्यादा रहा। तब सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए जरूरी बताया गया। सोशल मीडिया के बारे में कहा गया कि लोकतंत्र में सबकी आवाज पहुंचाने और उन्हें मौका देने का यह बड़ा माध्यम है। इसे लोकतंत्र के वाजिब और जरूरी औजार के रूप में भी मान्यता मिली। लेकिन बीतते वक्त के साथ पता चल रहा है कि जिसे हम सोशल मीडिया कहते हैं, वह लोकतंत्र के लिए जितना जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा अनसोशल यानी असामाजिक भी है। यह ठीक है कि सोशल मीडिया के जरिए व्यवस्था की अंधी सुरंग में खो रही आवाजों को मौका मिलता है। लेकिन यह उतना ही सच है कि इस माध्यम ने लोगों की नजर का पानी उतार दिया है। लोग अब लिहाज करना भूल गए हैं। सोशल मीडिया पर अगर किसी की बात पसंद नहीं आती तो उसे खुलेआम गालियां दी जा सकती हैं। उसके चरित्र पर आक्षेप लगाया जा सकता है। उसका चरित्र हनन किया जा सकता है। चाहे वह व्यक्ति सामाजिक जीवन में कितना ही प्रतिष्ठित क्यों न हो, उसकी उम्र चाहे जितनी भी बड़ी क्यों ना हो।

सोशल मीडिया मंचों ने अपना अलगोरिदम भी ऐसा विकसित किया है, जो अच्छी बातों, सामाजिक चिंतन और बेहतर कल की बातों को ज्यादा तवज्जो नहीं देखा। एक तरह से कहें तो वह इसकी अनदेखी ही करता है। लेकिन जैसे ही किसी को कोई गाली देता है, किसी के चरित्र का बेवजह ही हनन करता है, किसी का घटिया कार्टून बनाता है, सोशल मीडिया का अलगोरिदम उसे फैलाने में द्रुत गति से जुट जाता है। सोशल मीडिया ने अब तक पर्दे के पीछे रही नंगई को भी उजागर कर दिया है। आज रील्स के चक्कर में अधनंगे और कई बार करीब-करीब नग्न फोटोग्राफ और वीडियो तक जारी किए जा रहे हैं। भले ही अपने परिवारों में महिलाएँ और युवतियां सलीके से रहती हों, लेकिन सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने और उसके जरिए कुछ कमाने के चक्कर में अपने शील और अपनी लज्जा को भी बेपर्दा कर रही हैं। सोशल मीडिया कितना असमाजिक हो चुका है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसका अलगोरिदम अश्लीलता को बढ़ावा देता है, लेकिन शील और लज्जा की बात को अपने मंच के किसी कोने में डाल देता है। कह सकते हैं कि वर्चुअल स्पेस के किसी अंधेरे कोने में उसे गुम कर देता है।

तीन साल पहले प्यू रिसर्च सेंटर ने 19 विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों में सोशल मीडिया को लेकर एक शोध किया था। उसके मुताबिक, आम नागरिकों की नजर में सोशल मीडिया राजनीतिक जीवन के लिए रचनात्मक और विनाशकारी दोनों है। इस अध्ययन में शामिल देशों में, औसतन 57 प्रतिशत लोगों ने माना कि सोशल मीडिया लोकतंत्र के लिए अच्छा है, लेकिन इसे बिनाशकारी मानने वालों की संख्या भी कम नहीं रही। करीब 35 प्रतिशत से ज्यादा लोगों का का कहना था कि सोशल मीडिया विनाशकारी साबित हो रहा है। सिर्फ 34 प्रतिशत अमेरिकियों ने ही सोशल मीडिया को लोकतंत्र के लिए लाभकारी माना, जबकि 64 फीसद का कहना था कि इसने नकारात्मक प्रभाव ज्यादा डाला है। हाल ही में जेन जी से चर्चा के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत ने भी सोशल मीडिया को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। उसमें उन्होंने कहा है कि यदि सोशल मीडिया पर उनके कारण दस लाख लोग कोई गलत निर्णय लेते हैं, तो उसकी जिम्मेदारी मेरी भी है। सोशल मीडिया पर सकारात्मक, उपयोगी और समाजहित की सामग्री साझा करनी चाहिए। सोशल मीडिया पर केवल प्रामाणिक स्त्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही विश्वास करना चाहिए। जेन-जी में भी यह विवेक विकसित होना चाहिए कि क्या सही है और क्या नहीं। वरिष्ठ पीढ़ी की भी जिम्मेदारी है कि वह नई पीढ़ी का मार्गदर्शन करे तथा उन्हें सही और गलत के बीच अंतर समझाए।

सोशल मीडिया का अनसोशल चेहरा और मंच आर्थिक कमाई का जरिया भी है। नंगई, हिंसा और व्यभिचार-अतिचार की कहानियां, दृश्य, वीडियो और फोटो को वायरल करने में उसका कोई सानी नहीं है। इस बहाने इसे प्रसारित करने वाले को सोशल मीडिया मंच आर्थिक कमाई भी कराते हैं। और तो और, वे खुद भी ऐसी घटनाओं, दृश्यों को प्रसारित-प्रचारित और वायरल करने के लिए बड़ी रकम लेते हैं। संसदीय समिति के सामने फेसबुक और इंस्टाग्राम की संचालक कंपनी मेटा के अधिकारियों ने माना है कि काकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान गाली, हिंसा आदि को बढ़ावा देने के लिए पैसे भी लिए थे। इन कोशिशों का मकसद भारत में व्यापक पैमाने पर लोगों को उत्तेजित करके अराजकता फैलाना था। इस लिहाज से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म राष्ट्रों के अंदरूनी मामलों में लोकतंत्र की रक्षा के मुखौटे के पीछे से दखल भी दे रहे हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती भी दे रहे हैं। वक्त आ गया है कि इनके नियमन के लिए कठोर कानून बनाए जाएं। जिसके तहत उन्हें अभिव्यक्ति के अधिकार को बढ़ावा देने की व्यवस्था तो हो, लेकिन इसकी आड़ में अराजकता फैलाने की छूट नहीं।

संपादकीय

पैलेट के जख्म

इसमें दो राय नहीं कि किसी आंदोलन के दौरान आंदोलनकारियों के किन्हीं परिस्थितियों में उग्र होने और जन-धन की हानि रोकने के लिए पुलिस-प्रशासन को कार्रवाई करनी होती है। इसमें भी दो राय नहीं है कि राज्य के पास हिंसा को रोकने और कानून-व्यवस्था को बनाये रखने के लिए पर्याप्त शक्तियां हैं। लेकिन प्रश्न इस बात का भी है कि लोकतांत्रिक तरीके से हो रहे विरोध को रोकने के लिए प्रयोग की गई ताकत का स्तर क्या रहा। जाहिर है राष्ट्रविरोधी ताकतों, हिंसक भीड़ तथा छात्रों के आंदोलन को एक ही तौर-तरीके से नहीं निपटा जा सकता है। इसी आलोक में सवाल पैदा होता है कि जंतर-मंतर से शुरू हुए संसद चलो मार्च को रोकने के लिए इस्तेमाल की गई ताकत क्या जरूरी थी? क्या उचित तरीके से अधिकृत थी? ऐसा ही विवाद इस आंदोलन के दौरान पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर खड़ा हुआ है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने शुरूआत से ही पैलेट गन के इस्तेमाल से इनकार किया। जबकि बाद में जनरल डायरी में यह दर्ज किया गया कि रैपिड एक्शन फोर्स ने एंटी-रायट गन से दो राउंड फायरिंग की थी। वहीं दूसरी ओर छात्र प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग को लेकर विपक्षी दल सरकार पर लगातार हमलावर रहे हैं। खासकर, कांग्रेस नेतृत्व वाले विपक्ष ने गृह मंत्री पर पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर तीखे प्रहार किए हैं। वे बाकायदा गृह मंत्री के इस्तीफे को लेकर लगातार अभियान चलाते रहे हैं। इसी बीच सूचना के अधिकार के तहत दिल्ली के दो अस्पतालों से एकत्र की गई जानकारी के अनुसार बीस जुलाई को छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान कम से कम दस लोगों को पैलेट गन से चोट लगी थी। इन अस्पतालों में पैलेट गन से आहत छात्रों ने उपचार कराया था। निस्संदेह, पैलेट गन से घायल होने वालों का यह आंकड़ा इसलिए भी अहम है क्योंकि यह एक आधिकारिक रिकॉर्ड पर आधारित है, न कि किसी बिना पुष्टि वाले दावों पर आधारित है। दरअसल, पैलेट गन की जद में आये छात्रों के अनुभव परेशान करने वाले रहे हैं। खबरों के अनुसार, कुछ प्रदर्शनकारियों के चेहरों, छाती और आंखों पर चोट आई है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि एक छात्र की आंख की रोशनी भी जा सकती है। सार्वजनिक विमर्श में सवाल उठाये जाते रहे हैं कि छात्र आंदोलनकारियों के विरुद्ध पैलेट गन का इस्तेमाल करने का तार्किक आधार क्या है। वहीं दूसरी ओर कानून-व्यवस्था बनाये रखने के दौरान मेटल पैलेट गन पर रोक लगाने की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल ही में कहा था कि मौजूदा नियमों के तहत विशेष परिस्थितियों में इनका इस्तेमाल किया जा सकता है।

चिंतन-मनन

जो नहीं है उसे पाना हो ध्येय

असंतुष्ट होने का अर्थ दुखी होना नहीं है। असल में कोई आदमी पूरी तरह सुखी होकर भी असंतुष्ट हो सकता है। सुखी होने का मतलब है, जो है, उसे आनंद से भोगना। और असंतुष्ट होने का अर्थ है: जो नहीं है उसे आनंद से पैदा करने का श्रम करना। जब अधिकतम लोग समाज में इस भांति श्रम करते हैं तो समाज संपन्न और समृद्ध होता है। और जब अधिक लोग ऐसा सोचते हैं कि जो है बस ठीक है, वही रुक जाना है, तो फिर पूरा समाज धीरे-धीरे दरिद्र हो जाता है। जिंदगी का सारा विकास, जो नहीं है, उसे पाने से ही होता है। इसलिए मैं तो कहूंगा कि ऐसा किसी जगह मानने की जरूरत नहीं है कि अब सब पूरा हो गया, अब भला मुझे क्या करना है! यह मरने के ढंग हैं। यह अपने भीतर जिंदा रहते हुए मर जाना है। जब तक श्वास है, तब तक एक भी श्वास व्यर्थ नहीं जानी चाहिए। फिर भी अगर किसी व्यक्ति को ऐसा लगता हो कि मेरी तो सच में ही सारी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, तो फिर ऐसे व्यक्ति को दूसरों की आवश्यकताएं पूरा करने में लग जाना चाहिए। अगर किसी व्यक्ति को पक्का ऐसा लगता है कि मेरी तो सभी आवश्यकताएं पूरी हो गईं, मैं क्यों श्रम करूं? तो उसे चारों तरफ देखना चाहिए कि अब मेरा काम तो जमीन पर खत्म हो गया, लेकिन दूसरों की आवश्यकताएं पूरी नहीं हुई हैं, उनके लिए मैं श्रम करने में लग जाऊं। लेकिन श्रम से नहीं बचा जा सकता। आपकी अपनी आवश्यकताएं पूरी हो गई हैं, तो अपने चारों तरफ देखिए। बहुत लोगों की पूरी नहीं हुई हैं, अतः उनके लिए श्रम करने में लग जाइए। लेकिन खाली बैठने का हक किसी को नहीं है। संन्यासी को भी खाली बैठने का हक नहीं है। देश को संपन्न करना है तो सभी को श्रम में लगना ही चाहिए। और श्रम में हम तभी लगेंगे जब कोई आवश्यकता पूरी करनी हो। चाहे अपनी, चाहे किसी दूसरे की, लेकिन आवश्यकता पूरी करने की दौड़ जारी रहनी चाहिए। यह दौड़ शांत हो, यह दौड़ आनंदपूर्ण हो, इतना मैं कहूंगा। यह दौड़ पागल की नहीं होनी चाहिए, विक्षिप्त की नहीं होनी चाहिए। यह दौड़ नींद को हराम कर देने वाली नहीं होनी चाहिए। यह दौड़ ऐसी नहीं होनी चाहिए कि आदमी बिल्कुल होश खो दे और दौड़ता रहे, और उसे पता भी न हो कि कहां दौड़ रहा है। यह दौड़ बहुत आनंदपूर्ण होनी चाहिए, यह दौड़ बहुत शांत होनी चाहिए, यह दौड़ बहुत स्वस्थ होनी चाहिए। यह हो सकती है। लेकिन हमने इस तरफ सोचा नहीं

अंगदान की संस्कृति ही मानवता को नई दिशा दे सकती है

ललित गर्ग

मनुष्य जीवनभर अपने लिए बहुत कुछ अर्जित करता है-धन, संपत्ति, प्रतिष्ठा, संबंध और सुविधाएँ। लेकिन जीवन की अंतिम घड़ी में इन सबका महत्व समाप्त हो जाता है। तब यदि हमारे शरीर का कोई अंग किसी दूसरे मनुष्य की धड़कन बन जाए, हमारी आँखें किसी अंधेरे जीवन में रोशनी भर दें, हमारा यकृत या गुर्दा किसी परिवार के बुझते चिराग को फिर से जला दे, तो इससे बड़ी जीवन-सार्थकता और क्या हो सकती है? अंगदान मृत्यु के बाद भी जीवन को जारी रखने की वह मानवीय संभावना है, जो मनुष्य को केवल अपने लिए जीने वाले प्राणी से उठाकर मानवता के लिए जीने वाला बना देती है। विश्व अंगदान दिवस हमें इसी महान विचार से जोड़ता है। आज आवश्यकता केवल अंगदान के बारे में जानकारी देने की नहीं, बल्कि हमारी सोच बदलने की है। हमें यह प्रश्न अपने आप से पूछना होगा कि जिस शरीर को मृत्यु के बाद पंचतत्व में विलीन होना है, उसके उपयोगी अंग यदि किसी दूसरे व्यक्ति को जीवन दे सकते हैं तो उन्हें अपने साथ मिट्टी में मिला देना अधिक सार्थक है या किसी की सांसों का हिस्सा बना देना? मृत्यु निश्चित है, लेकिन मृत्यु के बाद भी किसी के जीवन का कारण बनना हमारे हाथ में है।

भारत की सांस्कृतिक स्मृति में शरीर और जीवन के महान त्याग की परंपरा बहुत पुरानी है। महर्षि दधीचि की कथा इसका सबसे प्रभावशाली उदाहरण है। पौराणिक परंपरा के अनुसार जब देवताओं को असुरों से संघर्ष के लिए ऐसे अस्त्र की आवश्यकता हुई जिसे दधीचि की अस्थियों से बनाया जा सके, तब महर्षि दधीचि ने लोककल्याण के लिए अपना शरीर ही त्याग दिया। उनकी अस्थियों से वज्र बनाया गया और उससे जनकल्याण की रक्षा हुई। यह कथा आधुनिक अर्थों में अंगदान की चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं है, लेकिन अपने शरीर को भी समाज और सृष्टि के कल्याण के लिए समर्पित कर देने की भारतीय त्याग-चेतना का अत्यंत शक्तिशाली प्रतीक अवश्य है। भारत के राष्ट्रपति सचिवालय ने भी अंग एवं देहदान की भारतीय परंपरा को समझाते हुए महर्षि दधीचि के इस प्रसंग का उल्लेख किया है। हमारी परंपरा में राजा शिवि की कथा भी त्याग और जीव-दया की अद्भुत मिसाल है। एक कबूतर की रक्षा के लिए उन्होंने अपने शरीर का मांस तक देने की तत्परता दिखाई। चाहे ये प्रसंग धार्मिक आख्यान हों, लेकिन इनके भीतर छिपा संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है-अपने जीवन और शरीर को केवल अपनी निजी संपत्ति न समझना, बल्कि उसे व्यापक जीवन के कल्याण से जोड़ना। जैन दर्शन का सूत्र ह्लपरस्परोपग्रहो जीवानाम्ह्व भी यही बताता है कि जीव एक-दूसरे के उपकार के लिए हैं। अंगदान इस विचार का आधुनिक वैज्ञानिक रूप कहा जा सकता है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने इस मानवीय भावना को वास्तविक जीवन बचाने की शक्ति प्रदान कर दी है। वर्ष 1954 में दुनिया का पहला सफल मानव किडनी प्रत्यारोपण हुआ। रोनाल्ड ली हेरिक ने अपनी एक किडनी अपने जुड़वां भाई रिचर्ड को दान की थी। यह घटना चिकित्सा इतिहास में एक ऐसी क्रांति की शुरूआत बनी, जिसने आगे चलकर अंग प्रत्यारोपण को लाखों लोगों के लिए जीवन की आशा बना दिया। इसके बाद 1967 में मानव हृदय प्रत्यारोपण की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि चिकित्सा विज्ञान मनुष्य की मृत्यु और जीवन के बीच खड़ी कई दीवारों को तोड़ सकता है। भारत ने भी इस क्षेत्र में उल्लेखनीय यात्रा की है। देश में पहला सफल किडनी प्रत्यारोपण 1 दिसंबर 1971 को चेन्नई के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर में हुआ था। उस समय शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि एक दिन भारत में हजारों लोगों के लिए अंग प्रत्यारोपण जीवन का नया द्वार बनेगा। आज चिकित्सा तकनीक इतनी आगे बढ़ चुकी है कि किडनी, लिवर, हृदय, फेफड़े, अग्न्याशय और आंत जैसे अंगों के साथ कॉर्निया, त्वचा, हड्डी और हृदय वाल्व जैसे ऊतकों का भी प्रत्यारोपण संभव है।

लेकिन विज्ञान की क्षमता जितनी बढ़ी है, हमारी सामाजिक चेतना उस गति से नहीं बढ़ पाई। यही सबसे बड़ी चुनौती है। भारत में आज भी प्रत्यारोपण की आवश्यकता और उपलब्ध अंगों के बीच बड़ा अंतर है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2024 में देश में अंग प्रत्यारोपण की गतिविधि व्यापक रही, लेकिन मृतक दाताओं की संख्या अभी भी आवश्यकता की तुलना में बहुत कम है। इसका अर्थ साफ है-हमारे अस्पतालों में तकनीक है, डॉक्टर हैं, सर्जरी की क्षमता है, लेकिन जीवन बचाने के लिए पर्याप्त अंग नहीं हैं। इस स्थिति को बदलने के लिए हमें अंगदान को मृत्यु की चर्चा नहीं, जीवन की चर्चा बनाना होगा। परिवारों में इस विषय पर समय रहते बातचीत होनी चाहिए। स्कूलों, विश्वविद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और मीडिया को मिलकर ऐसी वातावरण-निर्मिति करनी होगी जिसमें अंगदान सुनते ही भय नहीं, बल्कि करुणा और जीवन बचाने का भाव पैदा हो। आज भी अनेक लोग सोचते हैं कि मृत्यु के बाद शरीर को क्षति पहुँचाना धर्म के विरुद्ध है। कुछ लोगों को अगले जन्म की चिंता होती है, कुछ को शरीर के साथ होने वाली चिकित्सा प्रक्रिया का भय होता है और कुछ परिवार अंतिम समय में मानसिक रूप से इतने टूट जाते हैं कि अंगदान का निर्णय नहीं ले पाते। इन भ्रमों का समाधान टकराव से नहीं, संवाद, संवेदना और वैज्ञानिक जानकारी से होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह समझनी होगी कि अंगदान किसी पर थोपा जाने वाला धार्मिक या सामाजिक कर्तव्य नहीं है। यह एक स्वैच्छिक, नैतिक और मानवीय निर्णय है, जिसे व्यक्ति को विश्वसनीय चिकित्सा एवं कानूनी जानकारी के आधार पर लेना चाहिए। लेकिन यदि कोई व्यक्ति स्वेच्छा से यह संकल्प करता है कि मृत्यु के बाद उसके उपयोगी अंग किसी जरूरतमंद को मिलें, तो वह अपने जीवन की अंतिम घड़ी को भी मानवता के उत्सव में बदल सकता है। भारत में अंगदान की प्रेरक घटनाएँ लगातार सामने आ रही हैं। हाल ही में नागपुर में 52 वर्षीय शिक्षक कोंडबा दत्तात्रेय मडावी मृतक अंगदान करने वाले 200वें दाता बने, उनके अंगों से तीन लोगों को नया जीवन मिला। ऐसी घटनाएँ हमें बताती हैं कि अंगदान कोई दूर की आदर्शवादी कल्पना नहीं, बल्कि हमारे आसपास घटने वाली वास्तविक जीवन-बचाने वाली प्रक्रिया है। दिल्ली में 70 वर्षीय मृत महिला के गुर्दों का सफल उपयोग कर एक 56 वर्षीय महिला को जीवन की नई उम्मीद मिली-यह घटना यह भी बताती है कि केवल उम्र के आधार पर किसी संभावित दाता के अंगों को अनुपयोगी मान लेना उचित नहीं है, अंतिम निर्णय चिकित्सा स्थिति पर निर्भर करता है। भारत के कुछ राज्यों ने इस दिशा में उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। तेलंगाना में 2024 में मृतक अंगदान की दर राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक रही और उसके ह्यजीवदानह्ण कार्यक्रम के माध्यम से हजारों प्रत्यारोपण संभव हुए। तमिलनाडु में भी मृतक अंगदान की व्यवस्था ने अनेक परिवारों को प्रेरित किया हैय 2026 में एक परिवार ने भाषा की बाधा के बावजूद डिजिटल अनुवाद की मदद से अपने प्रियजन के अंगदान का निर्णय लिया और अनेक मरीजों को जीवन मिला।

जंतर मंतर-रांची: छात्र आंदोलन एक रूप अनेक

निर्मल रानी

देश इन दिनों लगभग राष्ट्रव्यापी छात्र आक्रोश व आंदोलन से रूबरू है। अभी कुछ दिन पहले ही नीट पेपर लीक और राष्ट्रीय परीक्षाओं में हुई धांधली के खिलाफ 6 जून से शुरू होकर 25 जुलाई 2026 तक चला आंदोलन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद खत्म हुआ था। इसके बाद ही झारखंड में भी जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के विरुद्ध 29 जुलाई से रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्र आंदोलन की शुरूआत हुई। यहाँ भी छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता, धांधली और अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच आदि मांगों को लेकर धरना, प्रदर्शन और विधानसभा घेराव जैसे कार्यक्रम कर रहे हैं। परन्तु कुछ दिनों पूर्व हुये दिल्ली के जंतर-मंतर व वर्तमान समय रांची में चल रहे छात्र आंदोलन में जहां कुछ बातें समान हैं वहीं कई बातें विरोधाभासी भी हैं। उदाहरण के तौर पर दोनों ही आंदोलन पेपर लीक और राष्ट्रीय परीक्षाओं में हुई धांधली व अनियमितताओं के खिलाफ किये गए हैं। जंतर मंतर की ही तरह रांची में भी जहाँ आंदोलनस्थल पर अनेक स्वयंसेवी लंगर चला रहे हैं व आंदोलनकारी छात्रों के दूर दराज बैठे समर्थक फूड ऐप्स के जरिए सीधे आंदोलन स्थल पर भोजन ऑर्डर कर रहे हैं व छात्रों को मेडिकल व अन्य सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। यहाँ भी भोजन इतनी अधिक मात्रा में आ रहा है कि आंदोलनकारी छात्रों ने वीडियो जारी कर लोगों से कुछ दिन ऑर्डर रोकने की अपील की ताकि खाना बर्बाद न हो और बचे हुए भोजन को जरूरतमंदों में बांटा जा सके। इसके अलावा रांची के स्थानीय दुकानदारों और आम नागरिकों द्वारा आंदोलन स्थल पर भोजन,समोसे, बिरयानी,नाश्ता और पानी आदि पहुंचाया जा रहा है। अनशन पर बैठे छात्र नेताओं की सेहत की देखभाल के लिए रांची के सदर अस्पताल में मेडिकल टीम नियमित रूप से आंदोलन स्थल पर पहुंचकर स्वास्थ्य जांच (ब्लड प्रेशर, शुगर लेवल) कर रही है। इसके अतिरिक्त झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने निर्देश जारी किया है कि आंदोलन के दौरान बीमार या चोटिल होने वाले छात्रों के इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार उठाएगी, चाहे वे सरकारी अस्पताल में इलाज कराएं या निजी अस्पताल में।

परन्तु इन दोनों अर्थात दिल्ली व रांची के आंदोलन में जो सबसे बड़ा विरोधाभास नजर आ रहा है वह है जंतर मंतर के छात्र आंदोलन का विरोध करने वालों का रांची के आंदोलन में बढ़चढ़कर हिस्सा लेना। बड़ी हैरत की बात है कि जो वर्ग,जो संगठन और जिस विचारधारा से जुड़े लोग जंतर मंतर के आंदोलनकारियों को देशद्रोही, बदतमीज, गटर जनरेशन,गलियां बोलने व अपशब्द इस्तेमाल करने वालों का झुण्ड,विदेशी फंडिंग से चलने वाला आंदोलन बता रहे थे, दिल्ली के आंदोलन में जो लोग हिन्दू-मुस्लिम का दृष्टिकोण ढूंढ रहे थे,जिन्हें दिल्ली के आंदोलन कारी आवारा व चरित्रहीन नजर आ रहे थे वही लोग वही वर्ग और वही विचारधारा रांची के छात्र आंदोलन में कुछ इसतरह बढ़चढ़कर हिस्सा लेने को उतावली है गोया रांची का आंदोलन छात्र आंदोलन के बजाये देश का दूसरा स्वाधीनता संग्राम हो? याद कीजिये कि जंतर मंतर आंदोलन के संदर्भ में ही एक हिंदुत्व विचारक और केरल भाजपा के बौद्धिक प्रकोष्ठ के पूर्व प्रमुख टीजी मोहनदास ने कहा था कि अगर स्थिति उनके नियंत्रण में होती, तो वे नई दिल्ली के आंदोलन स्थल के आसपास कर्फ़्यू लगाकर प्रदर्शनकारियों पर गोली चलवा देते। इस व्यक्ति ने प्रदर्शन में शामिल धर्मनिरपेक्ष और वामपंथी विचारधारा वाली छात्राओं व महिलाओं के साथ रेप करवाने जैसी बेहद अमर्यादित और आपत्तिजनक टिप्पणियां भी की थीं। साथ ही गोदी मीडिया के नाम से बदनाम सत्ता का पिछलग्गू मीडिया भी जो जंतर मंतर आंदोलन से या तो मुंह मोड़े हुआ था या इसी आंदोलन विरोधी वर्ग की तरह आंदोलन में केवल नकारात्मकता तलाश रहा था,जिसे संसद भवन के पास चल रहा इतना बड़ा छात्र आंदोलन नजर नहीं आ रहा था वही मीडिया रांची में डेरा जमाये हुये है और अपने तरीके से छात्र आंदोलन का नरेटिव सेट करने में लगा है। इस दोहरेपन का केवल एक ही कारण है कि दिल्ली में केंद्र व दिल्ली राज्य, दोनों ही जगह भारतीय जनता पार्टी की सरकारें हैं जबकि झारखण्ड में झारखंड मुक्ति मोर्चा , कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल, के गठबंधन यानी इण्डिया गठबंधन की सरकार है और झामुमो के हेमंत सोरेन इस सरकार के मुख्यमंत्री हैं। इसलिये इनका समर्थन छात्र आंदोलन को नहीं बल्कि यह झारखण्ड में इण्डिया गठबंधन की सरकार का विरोध कर रहे हैं। इस अवसरवादी विचारधारा का विरोध करने वालों का चेहरा रांची में उस समय भी बेनकाब हुआ जबकि जंतर मंतर के आंदोलन का एक प्रमुख चेहरा और वहां अनशन पर बैठने वाली अखिल भारतीय छात्र संगठन AISA की केंद्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा जब हजारों छात्रों के साथ विधानसभा के लिये मार्च निकाल रही थीं उस समय एक युवक ने नेहा पर स्याही फेंक कर छात्र आंदोलन को समर्थन देने की अपनी हकीकत को उजागर कर दिया। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों और प्रदर्शनकारियों ने युवक को पकड़कर उसकी पिटाई की और फिर पुलिस के हवाले कर दिया और पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ़्तार कर जेल भेज दिया। नेहा बोरा ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिनके पास तर्क या बहस की क्षमता नहीं होती, वे ऐसी हरकतों पर उतर आते हैं। उन्होंने इस हमले के पीछे भाजपा और आरएसएस से जुड़े लोगों का हाथ होने का आरोप लगाया। गौरतलब है कि नेहा बोरा व उनका संगठन अखिल भारतीय छात्र संगठन AISA जंतर मंतर के आंदोलन में भी शामिल था और उसी उत्साह के साथ रांची में भी सक्रिय है। जबकि रांची में छात्र आंदोलन का मुख्य चेहरा बनने की इच्छा पालने वाले लोग जंतर मंतर में न केवल लापता थे बल्कि उसके विरोध में भी खड़े थे। कहा जा सकता है कि जंतर मंतर व रांची दोनों जगह छात्र आंदोलन व उनकी मांगें व समस्याएँ तो लगभग एक हैं परन्तु उनके अनेक रूप देखे जा रहे हैं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

सर्जनों को रिश्वत देने के मामले में भारतीय मूल के सीएफओ को जेल, आखिर क्या है पूरा मामला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने स्पाइनल इम्प्लांट कंपनी के भारतीय मूल के मुख्य वित्तीय अधिकारी को सर्जनों को रिश्वत देने के मामले में चार महीने जेल की सजा सुनाई है। दरअसल सीएफओ ने कंपनी के उत्पादों का इस्तेमाल करने के लिए सर्जनों को रिश्वत देने की कोशिश की। अधिकारियों ने बताया कि सर्जनों को यह रिश्वत फर्जी परामर्श शुल्क के रूप में दी गई थी। जेल की सजा पूरी करने के बाद कैम्ब्रिज निवासी 41 वर्षीय आदित्य हुमाड को एक साल तक निगरानी में रहना होगा और उन पर 9,500 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया है। हुमाड ने एंटी-किकबैक कानून के उल्लंघन की साजिश रचने के आरोप में अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। हुमाड पर सितंबर 2021 में स्पाइन फ्रंटियर नामक कंपनी के संस्थापक, अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी किंग्सले आर. चिन के साथ आरोप लगाए गए थे। मैसाचुसेट्स जिले के अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि हुमाड ने उन सर्जनों को 5,40,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक की रिश्वत देने और दिलाने की साजिश रची। यह रकम ऐसे फर्जी परामर्श शुल्क के रूप में दी गई, जिनके लिए सर्जनों ने वास्तव में कोई काम नहीं किया था। अधिकारियों के अनुसार, हुमाड ने सर्जनों को कंपनी के उत्पादों का इस्तेमाल करने के लिए रिश्वत देने की साजिश रची। इसके बदले कंपनी को इन सर्जनों द्वारा की गई सर्जरी से लाखों डॉलर का राजस्व प्राप्त हुआ। अमेरिकी अटॉर्नी लीह बी. फोले ने कहा कि हुमाड को जटिल रीढ़ की सर्जरी में चिकित्सकों को कंपनी के उत्पादों का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से रिश्वत देने की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया है और सजा सुनाई गई है।

तुर्किये में कुर्द लड़ाकों को मिलेगी सशर्त माफी, संसद से मिली मंजूरी; कानून कब कैसे लागू होगा

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये की संसद ने कुर्द लड़ाकों को सशर्त माफ करने संबंधी विधेयक को मंजूरी दे दी है। ये कानून तभी लागू होगा जब तुर्किये के अधिकारी कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) के पूरी तरह हथियार डालने की पुष्टि करेंगे। पीकेके ने पिछले साल अपनी दशकों पुरानी सशस्त्र मुहिम खत्म करने और खुद को भंग करने की घोषणा की थी। यह निर्णय उसके जेल में बंद नेता अब्दुल्ला ओकलान के आह्वान पर लिया गया था। यह कदम हजारों लोगों की जान लेने वाले संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में है। इससे तुर्किये-इराकी संबंध मजबूत हो सकते हैं। यह सीरियाई सरकार के उन क्षेत्रों को एकीकृत करने के प्रयासों का भी समर्थन करेगा, जो कुर्द-नेतृत्व वाली सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेज के नियंत्रण में थे।

'हम भी मांगेंगे हर्जाना': ईरान की मुआवजे की मांग पर ट्रंप का नया दांव, बोले- अब हर बातचीत में होगा मुद्दा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से उन लोगों के लिए मुआवजे की मांग की है, जो तेहरान से जुड़े संघर्षों में मारे गए या गंभीर रूप से घायल हुए। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच भविष्य में होने वाली किसी भी बातचीत में यह मुद्दा शामिल किया जाएगा। ट्रंप की यह मांग उस दावे के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के प्रतिनिधियों ने पांच महीने के सैन्य संघर्ष के दौरान ईरान को हुए नुकसान के लिए मुआवजे की मांग की है। ट्रंप ने एक पोस्ट में ईरान की इस मांग को 'दिलचस्प विचार' बताया। उन्होंने कहा कि वह भी तेहरान से इसी तरह की मांग कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, ''मैं भी ईरान से उन सभी लोगों के लिए मुआवजे की मांग कर रहा हूं, जिन्हें उसने अपने सड़क किनारे बमों और कई संघर्षों में मारा और गंभीर रूप से घायल किया है, जिनके लिए वह मशहूर है।'' ट्रंप ने उन संघर्षों का भी जिक्र किया, जिनमें ईरानी सैन्य कमांडर जनरल कासिम सुलेमानी शामिल थे। उन्होंने यूएसएस कोल पर मारे गए लोगों के परिवारों के लिए भी मुआवजे की मांग की। इसके अलावा उन्होंने युद्ध में मारे गए हजारों अन्य लोगों के परिवारों का भी जिक्र किया। ट्रंप ने पिछले पांच दशकों के दौरान ईरान में प्रदर्शनों में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए भी मुआवजे की मांग की। उन्होंने कहा, ''इसके अलावा, पिछले 50 वर्षों में ईरान द्वारा मारे गए सैकड़ों हजारों निर्दोष प्रदर्शनकारियों के परिवारों को भी मुआवजा दिया जाना चाहिए।'' ट्रंप ने यह भी दावा किया कि पिछले पांच महीनों में 52,000 लोग मारे गए हैं। हालांकि, अपनी पोस्ट में ट्रंप ने यह नहीं बताया कि मुआवजे की राशि कैसे तय की जाएगी।

ईरान-जर्मनी के विदेश मंत्रियों ने बातचीत; मोजतबा खामेनेई ने छह अहम पदों पर की नियुक्तियां

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची और उनके जर्मन समकक्ष जोहान वाडेफुल ने फोन पर बातचीत की। दोनों ने होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति और जारी संघर्ष को खत्म करने के तरीकों पर चर्चा की। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, बातचीत के दौरान अराघची ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा तभी सुनिश्चित हो सकती है, जब अमेरिका अपने सैन्य अभियान बंद करे। उन्होंने अमेरिका की ओर से ईरान के बंदरगाहों पर लगाई गई नाकाबंदी का भी जिक्र किया।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से यह भी कहा कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होता है, तो इसके कारण होने वाले सुरक्षा और आर्थिक नुकसान के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। वहीं, जर्मनी के विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने अराघची से क्षेत्रीय पड़ोसी देशों और अमेरिका के साथ बातचीत में रचनात्मक तरीके से शामिल होने की अपील की, ताकि संघर्ष को खत्म करने में मदद मिल सके। वाडेफुल ने आगे जोर देकर कहा कि समुद्री मार्ग से सभी जहाजों के लिए आने-जाने की स्वतंत्रता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को बिना किसी शर्त के खोल दिया जाना चाहिए। इससे पहले रविवार को ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति संबंधी संसदीय समिति ने एक रणनीतिक पहल की व्यापक रूपरेखा को मंजूरी दी थी। इस पहल का मकसद फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में क्षेत्रीय सुरक्षा और टिकाऊ विकास को मजबूत करना है।

ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई 'पूरी तरह स्वस्थ': राष्ट्रपति पेजेशकियन : उधर, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने दावा किया कि देश के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई 'पूरी तरह स्वस्थ' हैं। उन्होंने उनकी शारीरिक स्थिति को लेकर लगाई जा रही अटकलों को खारिज किया। ईरान की समाचार एजेंसी आईएसएनए की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति पेजेशकियन ने कहा कि जो व्यक्ति सात से आठ घंटे तक बैठकर चर्चा कर सकता है, उसे स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या नहीं हो सकती। उन्होंने यह भी बताया कि खामेनेई के साथ उनकी 'बहुत अच्छी' बैठक हुई थी। यह उच्च स्तर की मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब मोजतबा खामेनेई की सेहत को लेकर लगातार खबरें और दावे सामने आ रहे थे। इससे पहले रविवार को ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी मेहर न्यूज एजेंसी ने एक बिना तारीख वाला वीडियो जारी किया था। इसमें मोजतबा खामेनेई को अच्छी सेहत में दिखाई दिए थे।

सर्वोच्च नेता खामेनेई ने सेना में छह अहम पदों पर नियुक्तियां कीं : इस बीच, ईरान के सर्वोच्च नेता और सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने सेना के जनरल स्टाफ, इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी और बसीज रेजिस्टेंस फोर्स में छह वरिष्ठ कमांडरों को अहम पदों पर नियुक्त किया है। यह जानकारी एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है। खामेनेई ने अलग-अलग आदेश जारी कर इन नियुक्तियों की घोषणा की। अली अब्दोल्लाही को सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ बनाया गया है, जबकि कियूमर्स हैदरी को डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ नियुक्त किया गया है।

वहीं, अहमद वाहिदी को लेफ्टिनेंट जनरल के पद के साथ आईआरजीसी का कमांडर-इन-चीफ नियुक्त किया गया है। मुस्तफा इजादी को आईआरजीसी का डिप्टी कमांडर-इन-चीफ बनाया गया है। अली अजमाई को आईआरजीसी की नौसेना का कमांडर नियुक्त किया गया है, जबकि होसैन ताएब को बसीज रेजिस्टेंस फोर्स का प्रमुख बनाया गया है।

ईरानी विदेश मंत्रालय ने की अमेरिकी प्रतिबंधों की आलोचना : ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने मंगलवार को अमेरिका की प्रतिबंध नीति की आलोचना की। उन्होंने अमेरिकी प्रशासन पर आर्थिक प्रतिबंधों की 'लत' होने का आरोप लगाया। यह बयान अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट की उस कथित टिप्पणी के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रतिबंध ईरान का 'दम घोंट' रहे हैं।

बघाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बार-बार प्रतिबंधों का इस्तेमाल यह दिखाता है कि अमेरिका कूटनीति के जरिये आगे बढ़ने में सक्षम नहीं है। उन्होंने कहा, अमेरिकी वित्त मंत्री ने आर्थिक प्रतिबंधों के जरिये ईरान का 'दम घोंटने' की बात पर गर्व जताया है। इस दावे में दिखने वाली बेबसी से आगे बढ़कर देखें, तो यह अमेरिका की प्रतिबंधों की मजबूरी और लत का साफ सबूत है।

क्या ट्रंप बच्चों का जीवन खतरे में डाल रहे टीकाकरण पर लिया बड़ा फैसला, विरोध भी शुरू

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बच्चों के टीकाकरण को लेकर बड़ा कार्यकारी आदेश जारी किया है। इस आदेश में बचपन में लगाए जाने वाले टीकों की सिफारिशों को नए तरीके से तैयार करने की बात कही गई है। ट्रंप लंबे समय से इस विचार का समर्थन करते रहे हैं कि बच्चों को एक साथ कई टीके देने के बजाय उन्हें अलग-अलग चिकित्सकीय दौरों में लगाया जाना चाहिए। इसी सोच के तहत अब खसरा, गलसुआ और रूबेला यानी एमएमआर के टीके को भी तीन अलग-अलग टीकों के रूप में देने की योजना बनाने का निर्देश दिया गया है। इस फैसले को लेकर अमेरिका में स्वास्थ्य विशेषज्ञों और प्रशासन के बीच बहस तेज हो गई है।

ट्रंप के आदेश में आखिर क्या बदलेगा : ट्रंप के आदेश में कहा गया है कि बच्चों को लगने वाले टीकों को जहां संभव हो, अलग-अलग चिकित्सकीय मुलाकातों में दिया जाए। एमएमआर टीके को तीन अलग-अलग टीकों में बांटने की योजना बनाने का भी निर्देश दिया गया है। अमेरिका में फिलहाल खसरा, गलसुआ और रूबेला के लिए अलग-अलग टीका उपलब्ध नहीं है। आदेश में अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग को टीकों पर शोध बेहतर करने और अलग-अलग एमएमआर टीके उपलब्ध कराने की योजना तैयार करने को कहा गया है। ट्रंप ने इसे अभिभावकों के अधिकार, धार्मिक और संवैधानिक अधिकार तथा विज्ञान की जीत बताया है।

विशेषज्ञों को बच्चों के संक्रमण का डर क्यों है : सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि टीकों के बीच ज्यादा अंतर रखने से बच्चों के संक्रमण की चपेट में आने का खतरा बढ़ सकता है। उनका तर्क है कि अगर किसी बच्चे को एक बीमारी से बचाने वाला टीका मिल गया, लेकिन दूसरे टीके के लिए अगली मुलाकात तक इंतजार करना पड़ा, तो वह उस दौरान ऐसी बीमारी से संक्रमित हो सकता है, जिससे टीका बचाव कर सकता है। बच्चों के टीकों और उन्हें किस उम्र में तथा किस संयोजन में देना है, इनका लंबे समय तक अध्ययन किया जाता है और इस्तेमाल के बाद भी उनकी सुरक्षा पर लगातार नजर रखी जाती है।

क्या ट्रंप ने वैक्सीन और ऑटिज्म को फिर जोड़ा : ट्रंप ने आदेश की घोषणा के दौरान वैक्सीन की संख्या और उन्हें देने के समय को अमेरिका में बढ़ रहे ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से जोड़ने की बात कही। हालांकि, इनपुट के अनुसार वैज्ञानिक सहमति और दशकों के अध्ययनों ने वैक्सीन और ऑटिज्म के बीच किसी संबंध को खारिज किया है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के अध्यक्ष डॉ. एंड्रयू रेसिन ने कहा कि इस फैसले से ऐसी स्थिति में अनिश्चितता, डर और भ्रम पैदा हो रहा है, जहां इसकी जरूरत नहीं है।

क्या विरोधियों से डरने लगे पुतिन, यूक्रेन युद्ध का विरोध करने वाली पार्टी क्यों नहीं लड़ पाएगी चुनाव

तेल अवीव, एजेंसी। क्या अगले संसदीय चुनाव को लेकर पुतिन डर रहे हैं दरअसल ये सवाल तब उठा जब आज रूस की सुप्रीम कोर्ट ने याब्लोको पार्टी को अगले महीने होने वाले संसदीय चुनाव से बाहर कर दिया। अदालत ने उसका चुनावी पंजीकरण रद्द कर दिया। क्योंकि याब्लोको रूस की उन राजनीतिक ताकतों में रही है जो सरकार की नीतियों की आलोचना करती रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह यूक्रेन में रूसी सैन्य कार्रवाई का खुलकर विरोध करने वाली इकलौती पंजीकृत विपक्षी पार्टी थी। पिछले महीने केंद्रीय चुनाव आयोग ने याब्लोको को 10 अन्य पार्टियों के साथ चुनाव लड़ने की अनुमति दी थी। लेकिन क्रेमलिन समर्थक मदरलैंड पार्टी की अपील के बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और अदालत ने याब्लोको को चुनावी मैदान से बाहर कर दिया। याब्लोको ने अपने चुनावी अभियान में युद्धविराम, कूटनीति और शांति की बात को प्रमुखता दी थी। पार्टी ने परमाणु युद्ध रोकने और रूस को डर तथा राजनीतिक दमन से मुक्त बनाने जैसे मुद्दे भी उठाए। पार्टी के सह-संस्थापक और राजनीतिक समिति के अध्यक्ष ग्रिगोरी याव्लिंस्की ने अदालत के फैसले की आलोचना की। उन्होंने कहा कि याब्लोको को चुनाव से बाहर करना उन लोगों से संवाद से इनकार करने जैसा है, जो सरकार से असहज सवाल पूछते हैं। याव्लिंस्की ने कहा कि पार्टी इस फैसले के खिलाफ अपील करेगी। उनके मुताबिक रूस में शांति और आजादी की मांग को सरकार ने जितना समझा था, उससे ज्यादा समर्थन मिला है। रूस के कई क्रेमलिन समर्थक दलों ने यूक्रेन को लेकर याब्लोको के रुख की आलोचना की थी। ए जस्ट रूस पार्टी के प्रमुख सर्गेई मिरोनोव ने अभियोजक जनरल कार्यालय और न्याय मंत्रालय से याब्लोको की गतिविधियों की जांच करने की अपील की थी। कम्युनिस्ट पार्टी के नेता गेन्नेडी ज्युगानोव ने भी आरोप लगाया कि याब्लोको राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नीतियों का समर्थन नहीं करती। याब्लोको को चुनाव से बाहर करने के लिए मदरलैंड पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दायर किया था। उसने याब्लोको पर कॉपीराइट का उल्लंघन करने और चुनावी खर्च की सीमा पार करने का आरोप लगाया।

गौतम और सागर अदाणी के खिलाफ अमेरिकी कोर्ट में आपराधिक आरोप खारिज, फैसले पर क्या बोले उद्योगपति

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अदाणी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने मंगलवार को अमेरिकी अदालत के आपराधिक आरोपों को खारिज करने के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने न्यायिक प्रक्रिया के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया। अदाणी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि इस चुनौतीपूर्ण दौर में सत्य, निष्पक्षता और कानून के शासन में उनका विश्वास अटूट रहा। रॉयटर्स के अनुसार, सोमवार को न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज निकोलस गारौफिस ने गौतम और सागर अदाणी के खिलाफ आपराधिक आरोप खारिज कर दिए। जज का यह फैसला संघीय अभियोजकों को आरोप वापस लेने का अधिकार देने के बाद आया। उन्होंने अभियोजकों से इसके कारणों के बारे में पूछताछ की थी। आरोपों को खारिज करते हुए जज ने कहा कि वह संतुष्ट हैं कि अदाणी ग्रुप की कथित निवेश प्रतिज्ञा ने न्याय विभाग के फैसले को प्रभावित नहीं किया। उन्होंने यह भी कहा कि आरोपों को खारिज करने के संघीय अभियोजकों के निर्णयों की समीक्षा में जजों की भूमिका सीमित होती है।

गौतम अदाणी और अन्य के खिलाफ भारत में सौर ऊर्जा अनुबंधों से जुड़ी रिश्वतखोरी योजना का आरोप था। इसमें अमेरिकी निवेशकों को कथित तौर पर गुमराह करने की बात कही गई थी। इस साल मई में यूएस डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने इन आरोपों को खारिज करने की मांग की थी। इसके बाद न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के यूएस कोर्ट ने छ्रश्वछ्व से जवाब मांगा था। इस जवाब की स्थिति को मजबूत किया, जिससे कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि जज के रुख का समर्थन करेंगे।

इससे पहले 4 जुलाई को छ्रश्वछ्व ने जज को बताया था कि गौतम अदाणी और अन्य प्रतिवादियों के खिलाफ आपराधिक मामला 'कभी नहीं लाया जाना चाहिए था'। छ्रश्वछ्व ने अदालत से सभी आरोपों को स्थायी रूप से खारिज करने का आग्रह किया। उनका तर्क था कि अभियोजन कानूनी रूप से कमजोर था, मुख्य रूप से भारत केंद्रित था और अब न्याय के हितों की पूर्ति नहीं करता था। छ्रश्वछ्व ने विस्तृत फाइलिंग में अपने पहले के अनुरोध का बचाव किया। विभाग ने कहा कि व्यापक समीक्षा के बाद 'खारिज करने का निर्णय स्पष्ट था'। मामला भारत से जुड़ा था, जिसमें 'कई भारतीयों ने कथित तौर पर अन्य भारतीयों को रिश्वत देने की कोशिश की थी, ताकि भारत में भारतीयों को भारतीय बिजली प्रदान करने के लिए भारतीय अनुबंध मिल सकें।

'संयुक्त राज्य अमेरिका का विश्व पुलिस होने का दिखावा कूटनीतिक तनाव पैदा कर सकता है और घरेलू चिंताओं पर बेहतर खर्च किए जाने वाले संसाधनों को भी बर्बाद करता है। भारत अपनी आंतरिक प्रणालियों को ब्रुकलिन और वाशिंगटन के अभियोजकों की तुलना में बेहतर ढंग से प्रबंधित कर सकता है।' DoJ ने यह भी कहा कि गौतम अदाणी और सागर अदाणी के खिलाफ प्रतिभूति धोखाधड़ी के आरोपों का कोई ठोस कानूनी आधार नहीं था। उन्होंने कहा, 'प्रतिभूति आरोप कभी नहीं लाए जाने चाहिए थे।

हम अकेले बोझ नहीं उठाएंगे': चीन के बढ़ते दबदबे का असर, क्या एशिया को भी बेसहारा छोड़ रहा अमेरिका

मनीला, एजेंसी। पेंटागन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एशिया में अपने सहयोगी देशों से रक्षा क्षेत्र में अधिक निवेश करने की अपील की है। उन्होंने ये भी कहा कि अमेरिका अपने सहयोगी देशों के साथ साझेदार के रूप में काम करना चाहता है न कि संरक्षित देशों के रूप में। अमेरिकी अधिकारी के इस बड़े बयान के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या यूरोप की तरह अब अमेरिका एशिया में भी अपनी मौजूदगी को सीमित करने पर विचार कर रहा है गौरतलब बात ये है कि ये बयान ऐसे समय सामने आया है, जब चीन एशिया में अपना दबदबा लगातार बढ़ा रहा है और उसका कई एशियाई देशों के साथ समुद्री सीमा को लेकर विवाद चल रहा है।

अमेरिकी अधिकारी ने फिलीपींस में की ये टिप्पणी : अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन में अंडर सेक्रेटरी एल्ब्रिज कोल्बी ने फिलीपींस में एक कार्यक्रम के दौरान यह टिप्पणी की। कोल्बी इन दिनों दक्षिण-पूर्व एशिया के दौरे पर हैं और अपने पहले पड़ाव पर वह फिलीपींस पहुंचे हैं। इसके बाद वह इंडोनेशिया, थाईलैंड और कंबोडिया का दौरा करेंगे। कोल्बी ने यह भी दोहराया कि ईरान युद्ध और मध्य पूर्व में मौजूदा अमेरिकी व्यस्तताओं के बावजूद वाशिंगटन एशिया से पीछे नहीं हट रहा है। कोल्बी ने विदेशी राजनयिकों, सैन्य अधिकारियों, कारोबारियों और पत्रकारों की मौजूदगी वाले कार्यक्रम में कहा, 'अमेरिका बेशक एशिया से पीछे नहीं हट रहा है और हमारे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हित यहां हमारी स्थायी मौजूदगी की मांग करते हैं। हम जा नहीं रहे हैं; बल्कि हम यहां अपनी स्थिति और मजबूत कर रहे हैं, ताकि शक्ति संतुलन हमारे अनुकूल बना रहे। हम एशिया को बेहद अहम क्षेत्र मानते हैं।

चीन की आलोचना से किया परहेज : कोल्बी ने क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता को लेकर अमेरिका की ओर से आमतौर पर की जाने वाली तीखी आलोचना से परहेज किया। इसमें विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियां भी शामिल हैं। वाशिंगटन पिछले कुछ वर्षों में फिलीपींस के तटरक्षक और नौसैनिक बलों के खिलाफ बीजिंग की बढ़ती आक्रामक कार्रवाइयों पर बार-बार चिंता जताता रहा है। चीन और फिलीपींस के साथ-साथ वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान दशकों से विवादित जलक्षेत्र को लेकर आमने-सामने हैं। यह जलमार्ग वैश्विक व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। बीजिंग लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा करता है। उसने 2016 में फिलीपींस द्वारा शुरू किए गए मध्यस्थता मामले में आए उस फैसले को भी खारिज कर दिया है, जिसमें चीन के दावों को अमान्य कर दिया गया था। कोल्बी ने अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ द्वारा मई में सिंगापुर में आयोजित शांगरी-ला रक्षा सम्मेलन में दिए गए भाषण में जताई गई प्रतिबद्धता को दोहराया। हेगसेथ ने कहा था कि अमेरिका पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में एक मजबूत रक्षा व्यवस्था तैयार करेगा। कोल्बी ने कहा कि 'अमेरिका यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि जहां सबसे ज्यादा जरूरत है।

भूकंप में अब तक 132 मौतें, 570+ घायल, दुनियाभर से मदद; तबाही पर मैक्रों-रुबियो क्या बोले

बोगोटा, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया में 7.4 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने कई इलाकों को हिलाकर रख दिया। भूकंप के बाद बड़े पैमाने पर राहत और बचाव अभियान चलाया जा रहा है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक कम से कम 132 लोगों की मौत हुई है, जबकि कई लोग मलबे के नीचे फंसे हुए हैं। पश्चिमी कोलंबिया में आए इस भूकंप का असर पड़ोसी देश इक्वाडोर में भी महसूस किया गया। हादसे के बाद स्थानीय स्तर पर बचाव दल प्रभावित इलाकों में लोगों की तलाश में जुटे हैं। भूकंप की तबाही के बाद कई देशों के नेताओं ने कोलंबिया के लोगों के प्रति संवेदना और समर्थन जताया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि मुश्किल की इस घड़ी में कोलंबिया फ्रांस की दोस्ती और मदद पर भरोसा कर सकता है। उन्होंने भूकंप में मारे गए लोगों, उनके परिवारों, घायलों और प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना जताई। मैक्रों ने राहत और बचाव कार्य में जुटे लोगों की भी सराहना की।

यूक्रेन और इटली ने किस तरह जताई एकजुटता : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भी कोलंबिया के लोगों के साथ एकजुटता जताई। उन्होंने कहा कि पश्चिमी कोलंबिया में आए भूकंप की खबर बेहद दुखद है और इसका असर पड़ोसी इक्वाडोर पर भी पड़ा है। उन्होंने मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए दुनिया के सक्षम देशों से प्रभावित लोगों और देशों की मदद के लिए आगे आने की अपील की। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भी कहा कि वह कोलंबिया में आए भीषण भूकंप से जुड़ी खबरों पर नजर रख रही हैं और इटली प्रभावित परिवारों तथा बचाव कार्य में जुटे लोगों के साथ खड़ा है।

इक्वाडोर ने कोलंबिया को कितनी मदद की पेशकश की : भूकंप से प्रभावित कोलंबिया के लिए पड़ोसी इक्वाडोर ने तत्काल मदद की पेशकश की है। इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ अज़िन ने कहा कि उनका देश कोलंबिया के साथ खड़ा है। उन्होंने कोलंबिया की मदद के लिए 47 बचावकर्मियों, प्रशिक्षित कुत्तों और जरूरी उपकरणों वाली यूएसएआर टीम उपलब्ध कराने की पेशकश की। इस टीम के पास सात दिनों तक अभियान चलाने की क्षमता बताई गई है। इक्वाडोर ने कहा कि कोलंबिया की जरूरत के मुताबिक वह इस टीम को भेजने के लिए तैयार है।

राहत और बचाव अभियान के बीच क्या चुनौती है : भूकंप के बाद सबसे बड़ी चुनौती मलबे में फंसे लोगों तक पहुंचना और उन्हें सुरक्षित बाहर निकालना है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार कई लोग अब भी मलबे में फंसे हुए हैं। ऐसे में बचाव दलों के सामने समय सबसे बड़ी चुनौती है। दूसरी ओर, प्रभावित इलाकों में नुकसान का आकलन और घायलों तक सहायता पहुंचाने का काम भी जारी है। कोलंबिया के साथ खड़े देशों की ओर से मदद की पेशकश के बीच अब स्थानीय प्रशासन के सामने राहत अभियान को तेजी से आगे बढ़ाने की चुनौती है।

भूकंप के बाद दुनिया की नजर किस पर : 7.4 तीव्रता के भूकंप के बाद अब नजर लगातार चल रहे खोज और बचाव अभियान पर है। शुरुआती जानकारी में कम से कम 132 लोगों की मौत सामने आई है, लेकिन प्रभावित इलाकों में तलाश जारी रहने के कारण स्थिति आगे बदल सकती है। कोलंबिया के साथ फ्रांस, यूक्रेन, इटली, इक्वाडोर और अमेरिका की ओर से समर्थन जताया गया है। इक्वाडोर ने तो अपनी विशेष बचाव टीम भेजने की भी पेशकश की है।

रूस ने दिया भारत के साथ सीधे रेल मार्ग का प्रस्ताव, क्या हो सकता है रूट; किसे-कितना फायदा

मास्को, एजेंसी। रूस की तरफ से भारत को सीधा रेल रूट के जरिए जोड़ने पर चर्चाएं तेज हो गई हैं। हाल ही में रूस के उप-प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने दोनों देशों के बीच एक संभावित रेल लिंक खड़ा करने पर गहराई से विचार की बात कही। उन्होंने इसके लिए विकल्प के तौर पर संभावित कुछ मार्ग भी सुझाए हैं। मजेदार बात यह है कि रूस और भारत के बीच एक सीधा रेल मार्ग खड़ा करने की यह चर्चाएं कोई नई नहीं हैं। इससे पहले भी दोनों देश व्यापार के लिए रेल आधारित मार्ग बनाने पर बात कर चुके हैं। व्यापार का कुछ हिस्सा रेल मार्ग के जरिए आता-जाता भी है, हालांकि यह मार्ग फिलहाल सीमित है और दोनों देशों के अंदर तक ही स्थित है, न कि अंतर्देशीय है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर रूस की तरफ से भारत के साथ रेल मार्ग स्थापित करने के लिए हाल ही में क्या बयान दिया गया है मौजूदा समय में दोनों देशों के बीच व्यापार का क्या रूट है जिस नए रेल मार्ग की बात की जा रही है, उसका संभावित रूट क्या हो सकता है इसकी जरूरत क्यों महसूस की जा रही है और इस मार्ग को लेकर चर्चाओं का इतिहास क्या रहा है आइये जानते हैं...

सबसे पहले राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने किया था एलान : रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहले ही बाल्टिक और बेरेंट्स सागर से लेकर सीधे हिंद महासागर तक एक सीधे रेलवे कॉरिडोर को स्थापित करने की विशाल बुनियादी ढांचा योजना की घोषणा कर चुके हैं। रूस के अधिकारियों के मुताबिक, घोषित प्रोजेक्ट का मकसद आधुनिक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क तैयार करना है जो मिस्र के पास वाले रास्ते-स्वेज नहर की तुलना में शिपिंग समय को लगभग आधा कर देगा और माल ढुलाई के खर्च को काफी कम करेगा।

अब उप-प्रधानमंत्री ने भी दोहराई रेल मार्ग की बात : ताजा बयान रूस उप-प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन का है, जिन्होंने बीते हफ्ते भारत तक एक सीधे रेल मार्ग के प्रस्ताव को व्यावहारिक बताया और कहा है कि इस रेल लिंक की संभावनाओं को तलाश जाना चाहिए । रूसी सरकार ने इस जमीन-आधारित रेल कॉरिडोर के लिए एक संभावित मार्ग भी साझा किया है।

1. पारंपरिक समुद्री मार्ग: स्वेज नहर का रास्ता : यह दोनों देशों के बीच व्यापार का सबसे स्थापित और पुराना समुद्री मार्ग है। इसमें मालवाहक जहाज रूस के सेंट पीटर्सबर्ग से निकल कर बोस्फोरस जलडमरूमध्य, भूमध्य सागर (मेडिटेरेनियन सागर), स्वेज नहर और लाल सागर से होते हुए मुंबई या भारत के अन्य पश्चिमी बंदरगाहों तक पहुंचते हैं। इस मार्ग से सफर पूरा होने में सामान्यतः 40 से 45 दिन या कुछ परिस्थितियों में 45 से 60 दिन का समय लगता है।

2. इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (आईएनएसटीसी) : यह समुद्र, रेल और सड़क मार्गों का एक संयुक्त मल्टीमॉडल नेटवर्क है। इसके तहत भारत के मुंबई से माल जहाजों द्वारा ईरान के बंदर अब्बास या चाबहार बंदरगाह तक भेजा जाता है। वहां से ईरान के रेल/सड़क मार्ग और कैस्पियन सागर के रास्ते माल को रूस के मॉस्को या सेंट पीटर्सबर्ग पहुंचाया जाता है।

चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारा : यह मार्ग भारत के पूर्वी तट (खासकर चेन्नई) को रूस के सुदूर पूर्व में स्थित व्लादिवोस्तोक बंदरगाह से सीधे जोड़ता है। यह मार्ग स्वेज नहर के चक्करदार रास्ते को पूरी तरह बायपास करता है, जिससे समुद्री यात्रा का समय लगभग 18 से 20 दिन रह जाता है, जो कि पारंपरिक पश्चिमी मार्ग से लगभग 40 दिन का रहता है। हालांकि, इस मार्ग का इस्तेमाल भी सीमित व्यापार के लिए ही होता है। फिलहाल इसे कार्गो परिवहन के लिए बेहतर बनाए जाने की कोशिशें जारी हैं, ताकि व्यापार को और बढ़ाया जा सके। रूस अपने नए ट्रांस-आर्कटिक ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (टीएटीसी) के तहत इस आर्कटिक समुद्री मार्ग को तेजी से विकसित कर रहा है। भारत ने भी इस मार्ग में जबरदस्त रुचि दिखाई है। चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारे को इस आर्कटिक मार्ग से जोड़कर भविष्य में रूस के उत्तरी क्षेत्रों से भारत के पूर्वी तटों तक कोयला, तेल, गैस और अन्य कच्चे माल की सुरक्षित और तेज आपूर्ति का नया नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। रूसी उप-प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन की ओर से सुझाया गया मार्ग पूरी तरह से जमीन के रास्ते भारत को रूस से जोड़ेगा। इसका संभावित भौगोलिक रूट रूस से तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान, पाकिस्तान के रास्ते भारत आ सकता है। हालांकि, पाकिस्तान के साथ भारत की दूरियों के मद्देनजर उसे बायपास करने पर विचार किया जा सकता है।

स्टाइलिश साड़ी टिप्स

सदियों से ही भारतीय नारी का पारंपरिक परिधान साड़ी ही रहा है। ढेर सारे प्रयोगों के बाद भी साड़ी वही है, बदला है तो केवल उसका स्टाइल।

नित नए फैशनेबल स्टाइल साड़ी में आ रहे हैं। ऐसे में बहुत महँगी साड़ी न खरीदते हुए भी आप थोड़ी-सी सूझबूझ से कम कीमत में अपनी साड़ियों को घर पर ही सजा कर आप न्यू लुक दे सकती हैं। जो आपकी साड़ियों में चार चाँद लगा सकते हैं।

आइए देखें क्या हैं टिप्स...

- प्लेन साड़ी में प्लेट्स (पटली) और पल्लू पर बड़े सितारे लगाएँ बाकी साड़ी को प्लेन ही रहने दें।
- आजकल कई तरह का साड़ी वर्क फैशन में हैं। आप भी अपनी साड़ी को मनचाहा ट्रेस देकर उसमें सितारे, कुंदन, मिरर, पाइप नाका टाँकी आदि वर्क करें।
- अपनी साड़ी की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए प्रिटेंड साड़ी में चिपकने वाले सितारों का उपयोग करें।
- अपनी साड़ी में बंधेज वर्क करके आप उसे एक अनोखा रूप दे सकती हैं।
- नेट की साड़ी आजकल बहुत प्रचलन में हैं, नेट पर मनचाही डिजाइन में वर्क करके उसे न्यू इफेक्ट दें।
- व्हाइट और ब्लैक ऐसे कलर हैं, जिस पर कोई भी वर्क करके आप पार्टी की शान बन सकती हैं।
- बॉर्डर और पल्लू को जरदौजी वर्क से डेकोरेट करें। बॉर्डर को लहरदार भी बना सकती हैं।
- किसी भी इवनिंग पार्टी के लिए साड़ी में मोती का वर्क करें, जो आपकी साड़ी को सोबर लुक देगा।
- प्लेन जॉर्जेट की साड़ी पर सॉटन के फूलों का वर्क करें, जो बहुत ही शानदार लगेगा।
- कॉटन की साड़ी पर पेंचवर्क साड़ी की शोभा दुगुनी कर देगा।
- अपनी साड़ी आकर्षक बनाने के लिए उस पर कढ़ाई करें। जैसे काथा वर्क, नॉटस्टिच, सिंधी कढ़ाई, लेजी-डेजी आदि कढ़ाई से साड़ी बहुत लुभावनी लगेगी।
- अपनी साड़ी में एम्ब्रॉइडरी करवाकर आप उसे स्पेशल बना सकती हैं।
- आजकल विभिन्न प्रकार की लेस चलन में है। अपनी किसी साड़ी में लेस लगाकर आप उसे हैवी बना सकती हैं।
- साड़ी में फेब्रिक पेंटिंग करके आप उसे न्यू लुक दे सकती हैं।
- सॉटन या अन्य किसी प्रिंटेड कपड़े की लेसनुमा बॉर्डर भी आप अपनी साड़ी में लगा सकती हैं।
- फेब्रिक कलर ट्यूब, जो आजकल हर कलर में उपलब्ध हैं, से आप साड़ी पर कम समय और कम लागत में वर्क करके साड़ी को पार्टी वियर बना सकती हैं।

साड़ी पहनने के अलग-अलग स्टाइल

ऐसा जरूरी नहीं कि आप जिस स्टाइल की साड़ी पहनती हैं, उसे ही हमेशा पहनें। साड़ी को पहनने के भी कई तरीके हैं।

आप अपनी हाइट, हेल्थ और मौके के अनुसार उसे चुन सकती हैं, जैसे : फ्री पल्लू साड़ी, पिनअप साड़ी, उल्टा पल्लू, सीधा पल्लू, लहँगा स्टाइल साड़ी, मुमताज स्टाइल साड़ी, बंगाली साड़ी, साड़ी आदि स्टाइलों की साड़ियों को आप अपनी पसंद से चेंज करके पहन सकती हैं।

बच्चे के मुँह में जब हो अँगूठा

बच्चों का अँगूठा चूसना एक सामान्य क्रिया है, लेकिन छह माह की उम्र के बाद भी बच्चा अँगूठा चूसना नहीं छोड़ता है, तो यह इस बात का सूचक है कि बच्चे के माँ-बाप बच्चे के प्रति लपरवाह हैं।

यह आदत बच्चों में तब पड़ती है, जब वह अपने को अकेला, असहाय, असुरक्षित महसूस करता है। अधिकतर माता-पिता इस आदत को बहुत सामान्य तरीके से लेते हैं। क्या आप जानते हैं आपके बच्चे की अँगूठा चूसने की आदत के क्या नुकसान है?

अँगूठा चूसने के नुकसान :

- हमेशा तो बच्चे को साफ-सुथरा रखना संभव नहीं होता, ऐसे में यदि वे अपना अँगूठा या हाथ मुँह में लेते हैं, तो हाथ के साथ गंदगी, धूल व कीटाणु भी बच्चे के मुँह में चले जाते हैं।
- अँगूठा चूसने वाले बच्चे की भूख मर जाती है, वे दूध की या भोजन की माँग नहीं करते, फलस्वरूप उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ता है।
- अँगूठा चूसने का प्रभाव बच्चे के मस्तिष्क पर भी पड़ता है, वे अँगूठा चूसने में मस्त रहते हैं और मंद बुद्धि की ओर अग्रसर होते हैं।
- अँगूठा चूसने से बच्चे के दाँत बाहर की ओर निकल आते हैं, होठ मोटे होकर लटक जाते हैं, मुँह खुला रखने की आदत पड़ जाती है।
- एक ही हाथ का अँगूठा चूसने के कारण वह अँगूठा पतला हो जाता है, इसका असर बच्चे के शिक्षण पर भी पड़ सकता है, यदि वह उसी हाथ से लिखना शुरू करें।
- अँगूठा चूसने वाले बच्चे की जीभ बाहर की ओर निकली रहती है, इससे वे बोलने में तुतलाते हैं।
- ऐसे बच्चे आलसी व कमजोर हो जाते हैं, बड़े होते-होते हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं।

कॉफी को जायकेदार बनाएँ

- कॉफी को सदैव हवाबंद बॉटल में भरकर रखें। हवा लगने से कॉफी में गुठले पड़ जाते हैं और स्वाद भी खराब हो जाता है।
- कॉफी का स्वाद बढ़ाने के लिए उसमें अदरक और छोटी इलायची डालें।
- एस्प्रेसो कॉफी का आनंद प्राप्त करने के लिए एक कप में कॉफी में प्रयोग होने वाली कुल चीनी और कॉफी लें और दो चम्मच दूध डालकर चम्मच से खूब फेंटें जब कॉफी का रंग बिलकुल सफेद हो जाए तब इसे दूध में डालकर एक उबाल दें, थोड़ी ऊँचाई से कप में धार बनाकर डालें। आपको एस्प्रेसो कॉफी का आनंद मिलेगा।
- कॉफी को सदैव शीशी में रखें, खुली रखने से कॉफी की खुशबू उड़ जाती है।
- विविध जायकेदार कॉफी बनाने के लिए उसमें दालचीनी, लौंग, चॉकलेट के टुकड़े व नींबू के छिलके डालें।

कमरा सजाएँ फूलों से

फूलों से सजाएँ अपनी दुनिया

अपने घर या ऑफिस को प्रभावी बनाना चाहती हैं और ये भी चाहती हैं कि सजावट जीवंत होकर आपके भाव खुद ही बयाँ करे। प्रकृति से जुड़ा आपका मन विभिन्न रंगों की कल्पना करता है तो फूलों से बेहतर क्या हो सकता है? फूलों के बारे में सोचकर आधा काम तो आपने कर लिया। अब बारी है यह देखने की कि आगे कैसे क्या करें।

- यदि आप कमरे की व्यवस्था में लंबी सजावट का प्रयोग कर रहीं हैं तो कुछ लंबे फूलों का प्रयोग करें। लंबे फूलों से अर्थ है कि जिनमें ऊपर की ओर कलियाँ होती हैं तथा नीचे की ओर फूल लगे होते हैं जैसे रजनीगंधा, ग्लेडुलाई, डेलफिनियम तथा ट्यूबरोजेस आदि।
- फूलों के गुच्छे आपकी सजावट में समृद्धि लाते हैं इसलिए यदि आप रिच लुक देना चाहती हैं तो ये बहुत अच्छे विकल्प हो सकते हैं। ये गुच्छे एक ही फूलों के या विभिन्न फूलों के हो सकते हैं। इन फूलों में गुलाब, कार्नेशन, झरबेरी, लिली, जिनिस तथा सेवंती को अपनी पसंद के अनुसार चुन सकती हैं। जहाँ कुछ खाली-खाली लग रहा हो वहाँ कुछ सहायक फूलों तथा पत्तियों के प्रयोग से जान डाल सकती हैं। जैसे फर्न, एस्टर तथा कुछ अन्य प्रकार की डालियाँ।
- चुने गए फूलों के अनुसार आप सजावट कर सकती हैं जैसे एक लंबे पतले वॉस में एक गुलाब की कली को सजाकर रख सकती हैं या चौड़े पॉट में बहुत से फूलों को बाँधकर रखें। इसे टेबल के सेंटरपीस की तरह प्रयोग करें। चाहें तो फूलों को पारंपरिक रुप से सजाएँ या इकेबाना का रुप दें लेकिन यदि आपका मन कह रहा है कि इस रंग के फूल के साथ यही फूल अच्छा लगेगा तो सज्जा के नियमों को अलग रखकर अपने मन की बात मानें।
- प्रकृति के इन अनुपम उपहारों को आप अलग-अलग थीम देकर भी सजा सकती हैं और इनके साथ विभिन्न सजावट की वस्तुओं का प्रयोग भी कर सकती हैं।

रिबन सैंडविच

सामग्री : 6 सफेद ब्रेड के स्लाइसेस, 6 ब्राउन ब्रेड के स्लाइसेस, मक्खन 3 टेबल स्पून, उबले आलू 2, पीला रंग 5 बूँदें, नमक, कालीमिर्च पावडर स्वादानुसार, हरी चटनी पाव कप, टमाटर सॉस पाव कप।

सामग्री कवर के लिए : बेसन एक कप, नमक पाव टी स्पून, सोडा चुटकी भर, मोयन के लिए गरम तेल एक टी स्पून, तेल तलने के लिए।

विधि : ब्रेड के स्लाइसेस पर मक्खन लगा लें। उबले हुए आलू कसकर उसमें पीला रंग, नमक, कालीमिर्च मिला लें। फिर 2 सफेद और 2 ब्राउन ब्रेड के स्लाइसेस लें। एक सफेद ब्रेड स्लाइस पर हरी चटनी लगाकर उस पर ब्राउन ब्रेड रखें।

उसके ऊपर टमाटर सॉस लगाकर ऊपर सफेद ब्रेड का स्लाइस रखें। अंत में सफेद ब्रेड पर आलू के पीले मिश्रण की पतली परत रखकर उसके ऊपर ब्राउन ब्रेड का स्लाइस रखें। सैंडविच अच्छी तरह से दबाएँ और तेज छुरी से उसे तीन हिस्सों में काटिए (आप चाहें तो सैंडविच ऐसे भी परोस सकते हैं।) अब बेसन में नमक, सोडा और गरम तेल का मोयन डालकर पकौड़े के मिश्रण जैसा बनाएँ।

इस मिश्रण में तैयार सैंडविच डुबोकर गरम तेल में तलकर गरमा-गरम परोसिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-3-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-3-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। मनोबल ऊंचा रखें काम में लगे रहें लाभ होगा। विपरीत परीस्थितीयों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-7-8

काकुरो पहेली - 4083

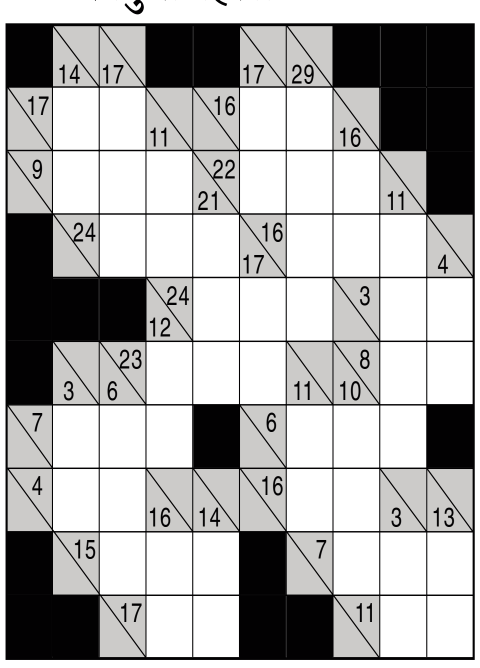

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरण:

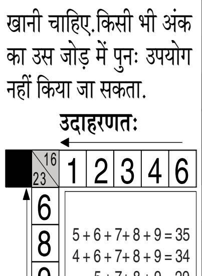

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो -4082 का हल

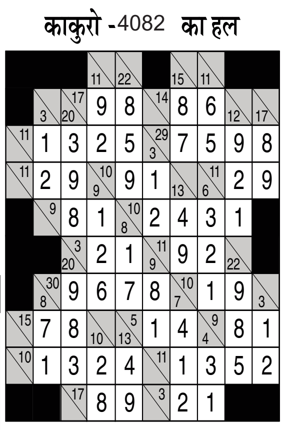

हंसी के फूव्वारें

फौजदारी का मुकदमा था.

अपराध स्वीकार कर लेने के पश्चात वकील ने अपराधी से पूछा-'तुमने उसे कितने थप्पड़ मारे थे ?'

'जी एक !'

तभी वह आदमी चिल्ला पड़ा जिसे मार पड़ी थी-'यह झूठ बोलता है मीलॉर्ड ! इसने मुझे पांच थप्पड़ मारे थे !'

इस पर अपराधी ने भोलेपन से कहा-'मीलॉर्ड ! मैंने मारा तो एक ही थप्पड़ था, पर इसके स्वास्थ्य को देखते हुए मैंने उसे पांच किश्तों में बांट दिया था.'

□ □ □

एक बार परेड हो रही थी.

एक कमांडर को बहुत कम जवानों के नाम याद रहते थे. वह जिस किसी जवान का नाम जानता था, परेड के समय उसी को ज्यादा टोकता था.

उस दिन परेड में वह चिल्लाया-'महेश ! परेड के साथ नहीं चलते. कदम बराबर मिलाओ ! तुम बहुत सुस्त चलते हो.'

'सर !'

सूबेदार ने सूचना दी-'महेश तो आज छुट्टी पर है.'

'तो क्या हुआ ?'

कमांडर और जोर से चीखा-'वह वहां भी सुस्त चल रहा होगा.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली -4083

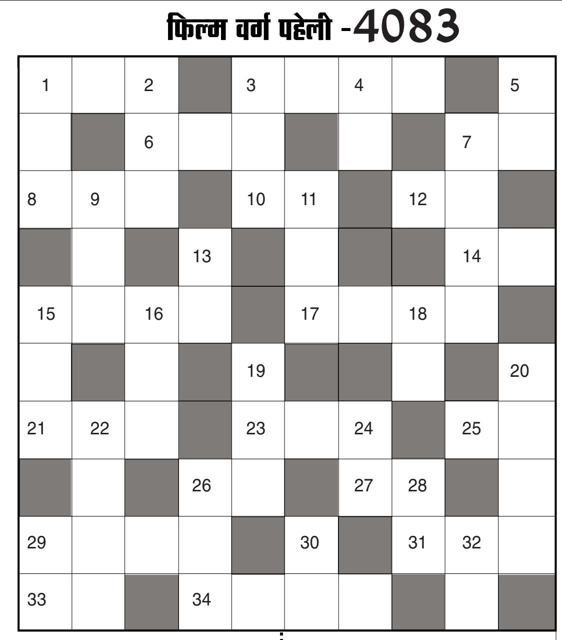

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी ?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था ?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी ?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका ?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका ?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक ?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली -4082

सूडोकु -4083

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4082 हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 4083

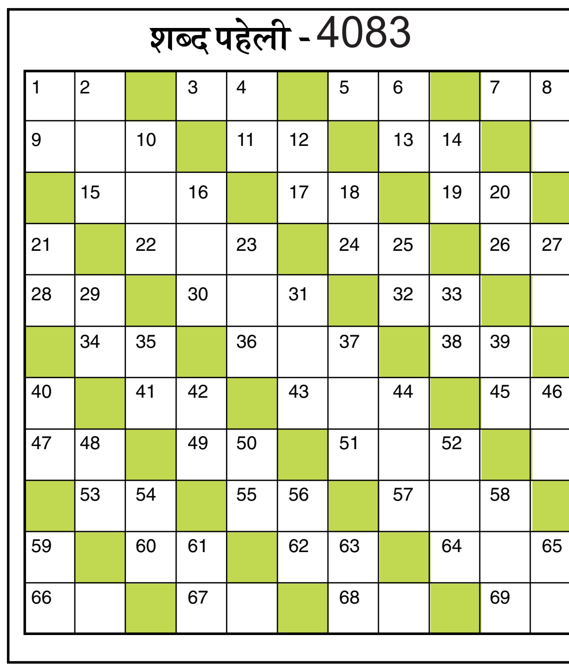

बाएँ से दाएँ

1.बलगम-2
3.जाप,मंत्र पाठ-2
5.काया,बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट,अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सदं,अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना,कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात,फालिज-3
32.मनमौजी,अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी,घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी,पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा,परी-2
51.गर्भ,कोख-3
53.दंड,शिक्षा -2
55.पाश,फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट,अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी,नलका-2
69.आनंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण,लमहा-2
6.गगन,आकाश-2
8.सरुर,खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म,लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर,बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि,धरा -2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैंदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

शब्द पहेली -4082 का हल

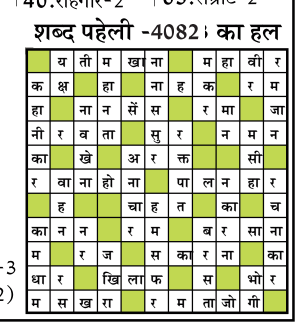

रूस में 97 दिन से फंसे पिथौरागढ़ के दो भाइयों की सुरक्षित वतन वापसी

एजेंसी
देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के हस्तक्षेप और राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों से रूस में करीब 97 दिन से फंसे पिथौरागढ़ निवासी दो भाई आनंद सिंह कार्की और भूपेंद्र सिंह कार्की सुरक्षित अपने घर लौट आए। दोनों की सकुशल वापसी के बाद मुख्यमंत्री धामी ने फोन पर उनसे बातचीत कर उनका कुशलक्षेम जाना और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। परिजनों के अनुसार दोनों भाइयों को सितारगंज स्थित एक ट्रैवल एजेंसी के माध्यम से विदेश में बेहतर रोजगार दिलाने का भरोसा दिया गया था। इसके लिए उनसे करीब आठ लाख रुपये लिए गए। दोनों युवक पांच मई 2026 को भारत से रवाना हुए और छह मई को मॉस्को पहुंचे। परिवार का आरोप है कि रूस पहुंचने के बाद दोनों को उस काम में नहीं लगाया गया, जिसके लिए उन्हें भेजा गया था। इसके बजाय उनकी इच्छा के विपरीत अन्य कार्य कराए गए और उसका पारिश्रमिक भी नहीं दिया गया। युवकों को स्वतंत्र रूप से आने-जाने की अनुमति नहीं थी और काम से मना करने पर उन्हें धमकाया जाता था। लंबे समय तक नियमित संपर्क नहीं होने से परिजनों की चिंता बढ़ती गई। अंतिम संपर्क के दौरान युवकों ने जिस परिसर में उन्हें रखा गया था, उसके आसपास ड्रोन अथवा मिसाइल हमले की जानकारी भी परिजनों को दी थी।

उत्तराखंड-थाईलैंड के बीच संस्कृत, शिक्षा और रामायण परंपरा में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

देहरादून। उत्तराखंड के सभी 13 जिलों में '13 जनपद-13 संस्कृत ग्राम' पहल के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर संस्कृत शिक्षा, जनगणना एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन सचिव दीपक कुमार ने नई दिल्ली स्थित रॉयल थाई एम्बेसी में भारत में थाईलैंड की राजदूत चावनार्ट थांगसुम्फंत से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच संस्कृत, शिक्षा और रामायण परंपरा व सांस्कृतिक क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा हुई। कुमार ने थाई राजदूत को उत्तराखंड में संस्कृत ग्रामों की स्थापना की पहल और इसके एक वर्ष पूरे होने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य संस्कृत को केवल शैक्षणिक संस्थानों तक सीमित रखने के बजाय जनजीवन से जोड़ना और इसे घर-घर तक पहुंचाना है।

देश की एकजुटता ही आसुरी शक्तियों को परास्त करेगी : भैयाजी जोशी

कोलकाता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह और अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश 'भैयाजी' जोशी ने कहा कि देश में एक आसुरी शक्ति हमारी आपसी फूट का फायदा उठाकर मजबूत बनी हुई है। जिस दिन भारत का समाज एकजुट हो जाएगा, उसी दिन यह आसुरी शक्ति परास्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत की शक्ति उसकी विविधता में एकता और साझा सांस्कृतिक चेतना में निहित है। वे कोलकाता स्थित भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के सत्यजीत रे सभागार में लेखक तरुण विजय की पुस्तक 'सैफ्रन सर्ज : मेकिंग ऑफ अ ब्रेव, न्यू भारत' के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। भैयाजी जोशी ने कहा कि 'यह किताब कोई लहर नहीं, बल्कि ऐसा तूफान है जो हमेशा रहेगा।' उन्होंने कहा कि देश ऐसे कालखंड से गुजर रहा है, जब भारत का पुराना गौरव वापस लौट रहा है। आज की पीढ़ी सौभाग्यशाली है कि वह बदलते हुए भारत को अपनी आंखों के सामने देख रही है। उन्होंने कहा कि भारत आज विश्व की प्रतिस्पर्धा में मजबूती से खड़ा है और वह दिन दूर नहीं, जब भारत पूरी दुनिया का नेतृत्व करेगा। उनके अनुसार, यह भारत के पुराने गौरव की वापसी का कालखंड है।

भोपाल की झीलों से निकलेंगे देश-दुनिया के चैंपियन : मंत्री सारंग एक्ज़िक्यूटिवब्रांच

भोपाल। मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि भोपाल की झीलें अब केवल पर्यटन और प्राकृतिक सौंदर्य का केंद्र नहीं हैं, बल्कि देश के भविष्य के चैंपियन तैयार करने की भूमि बन रही हैं। राजा भोज मल्टीक्लास नेशनल सेलिंग चैंपियनशिप खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा साबित करने और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान कर रही है। मंत्री सारंग भोपाल के बोट क्लब में राजा भोज मल्टीक्लास नेशनल सेलिंग चैंपियनशिप (रैंकिंग) के तृतीय संस्करण के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में होने वाली प्रत्येक रेस केवल पदक के लिए मुकाबला नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल करियर की दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण अवसर है। प्रतियोगिता से निर्धारित होने वाली राष्ट्रीय रैंकिंग खिलाड़ियों के लिए आगे अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मार्ग प्रशस्त करेगी।

श्री राम मंदिर ट्रस्ट में जगदीश शंकर आफले सचिव और आयोजन के व्यवस्था प्रमुख का दायित्व आचार्य इंद्र देव मिश्र को मिला

चढ़ावा में अनियमितता के बाद से श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में बदलाव किए जा रहे हैं

ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन ने इन दोनों दायित्वों की पुष्टि की।

एजेंसी
अयोध्या। राम नगरी अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर में दान और चढ़ावा में अनियमितता के बाद से श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में बदलाव किए जा रहे हैं। ट्रस्ट ने जगदीश शंकर आफले को सचिव और मंदिर में संपन्न होने वाले नित्य पूजन, यज्ञादि वैदिक अनुष्ठानों तथा धार्मिक समिति के निर्देशानुसार विविध उत्सवों एवं कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए आचार्य इंद्र देव मिश्र को व्यवस्था प्रमुख का दायित्व दिया है। ट्रस्ट में पिछले कुछ दिनों से जगदीश शंकर आफले सचिव की जिम्मेदारी सम्भाल रहे हैं, जो पहले मंदिर के निर्माण में अपनी सेवा दे रहे हैं और आयोजन के व्यवस्था प्रमुख आचार्य इंद्र देव मिश्र को दिया गया है। आचार्य इंद्रदेव राम वेद विद्यालय कारसेवकपुरम् में प्रधानाचार्य हैं और वर्षों से वेद नारायण की सेवा में समर्पित भाव से कार्यरत हैं तथा श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के समस्त वैदिक अनुष्ठानों की निर्विघ्न एवं शास्त्रोक्त सम्पन्नता में आपने अपने विद्वत्तापूर्ण दायित्व का निष्ठापूर्वक निर्वहन कर रहे है। वे वर्तमान में भी राम मंदिर में अनुष्ठान आचार्य के रूप में कार्यरत हैं।

आचार्य इंद्र देव मिश्र को मंदिर में संपन्न होने वाले नित्य पूजन, यज्ञादि वैदिक अनुष्ठानों तथा धार्मिक समिति के निर्देशानुसार विविध उत्सवों व कार्यक्रमों के सफल संचालन हेतु दिसंबर 2026 तक 'व्यवस्था प्रमुख के दायित्व पर नियुक्त किया गया है। इस संदर्भ में 8 अगस्त को ट्रस्ट ने पत्र जारी किया है। जगदीश शंकर आफले भूमिपूजन के बाद से ही अयोध्या में रहकर राम मंदिर निर्माण परियोजना के प्रोजेक्ट मैनेजर के रूप में बिना वेतन अपनी सेवाएं दे रहे थे। उन्हें नया दायित्व मंदिर के दैनिक प्रशासन और प्रबंधन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए ट्रस्ट का पहला सचिव बनाया गया है। ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन ने इन दोनों दायित्वों की पुष्टि की।

महाराष्ट्र के मंत्री ने विश्वविद्यालयों को परीक्षा प्रश्नपत्र लीक रोकने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने का दिया

इसके अलावा, परीक्षा नियंत्रण विभागों के प्रमुखों के लिए एक विशेष कार्यशाला आयोजित की जाएगी

एजेंसी
मुंबई। महाराष्ट्र में परीक्षा प्रश्नपत्र लीक को रोकने के प्रयास में, उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने राज्य विश्वविद्यालयों को केंद्र सरकार के ढांचे पर आधारित व्यापक दिशानिर्देश तैयार करने और प्रकाशित करने का निर्देश दिया है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे एक आधिकारिक परिपत्र जारी करें जिसमें जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर सीधे जवाबदेही तय की जाए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि परीक्षाएं लीक-मुक्त हों। यह निर्देश नीट और अन्य प्रमुख प्रतियोगी परीक्षाओं में हाल ही में हुई प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं के कारण देशव्यापी युवा विरोध प्रदर्शनों के बीच आया है। बढ़ती जन चिंता के जवाब में, राज्य सरकार ने कई नियामक कदम उठाए हैं। ये निर्णय मंत्री पाटिल द्वारा राज्य भर के सभी सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ ऑनलाइन समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के बाद घोषित किए गए।

बैठक में महाराष्ट्र के उच्च शिक्षा क्षेत्र के प्रमुख शैक्षणिक और प्रशासनिक मामलों की समीक्षा पर ध्यान केंद्रित किया गया। मंत्री पाटिल ने विश्वविद्यालयों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एक समान शैक्षणिक कैलेंडर अपनाने का निर्देश दिया है। इसके अतिरिक्त, संस्थानों को शैक्षणिक वर्ष 2026-27 और 2027-28 से चौथे वर्ष के ऑनर्स डिग्री कार्यक्रम को शुरू करने के लिए एक व्यापक ढांचा तैयार करना होगा। छात्रों की शिकायतों को बेहतर ढंग से समझने और उनका समाधान करने के लिए, कुलपतियों और प्रो-कुलपतियों को कम से कम 50 छात्रों के समूह के साथ साप्ताहिक रूप से सीधे संवाद सत्र आयोजित करने होंगे, उन्होंने अपने निर्देश में कहा। संकाय, बुनियादी ढांचे, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों और शैक्षिक संसाधनों को साझा करने की सुविधा के लिए कॉलेजों को समूहों में वर्गीकृत किया जाएगा।

दशकों बाद ऊपरी गंगा में लौटी हिल्सा मछली

एजेंसी
नई दिल्ली। दशकों तक ऊपरी गंगा से लगभग गायब रही प्रतिष्ठित हिल्सा मछली ने वापसी की है। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले के टांडा खुर्द गांव के पास हिल्सा मिलने को गंगा की पारिस्थितिकी, जलीय जैव विविधता और नदी पर निर्भर मछुआरा समुदायों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। ऐतिहासिक रूप से हिल्सा बंगाल की खाड़ी से गंगा नदी के रास्ते वाराणसी, प्रयागराज और उससे आगे तक प्रवास करती थी। हालांकि, 1975 में फरक्का बैराज के चालू होने के बाद इसके प्रवासी मार्ग में गंभीर बाधा आई और मध्य एवं ऊपरी गंगा में हिल्सा की संख्या में भारी गिरावट हुई। भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र ने बुधवार को जानकारी दी कि हिल्सा के संरक्षण और पुनर्वास के लिए आई सी ए आर -केंद्रीय अंतर्देशीय मत्स्य अनुसंधान संस्थान, बैरकपुर और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन ने 2019 से दीर्घकालिक कार्यक्रम शुरू किया। जून 2026 तक इस अभियान के तहत 3.85 लाख से अधिक किशोर और वयस्क हिल्सा नदी में छोड़ी गईं। इसके साथ 40 लाख से अधिक निषेचित अंडे गंगा में छोड़े गए। भौगोलिकसंदर्भ केंद्र ने बताया कि लगभग 9.4 लाख हैचरी-उत्पादित स्पॉन छोड़े गए। मछलियों की टैगिंग, निगरानी और प्रवास का अध्ययन किया गया। कृत्रिम प्रजनन और स्टॉक संवर्धन जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया गया। अनुसंधान केंद्र के मुताबिक 2023 से 2025 के दौरान निगरानी में छोड़ी गई हिल्सा को मिर्जापुर तक ऊपर की ओर जाते हुए दर्ज किया गया था।

आईएसआई से संबंध के संदेह में हाबरा से पाकिस्तानी नागरिक सहित दो गिरफ्तार

इसके अलावा राना ने किसी तरह की आतंकी गतिविधि की साजिश रची थी या नहीं, इसकी भी जांच की जा रही है।

एजेंसी
कोलकाता। स्वतंत्रता दिवस से पहले पश्चिम बंगाल में एक संदिग्ध पाकिस्तानी नागरिक सहित दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। उत्तर 24 परगना के हाबरा से राज्य पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने पाकिस्तान के नागरिक वहाब आलम उर्फ राना रऊफ बताया गया है। उससे पूछताछ के बाद कोलकाता के तपसिया इलाके से मोहम्मद इजाज नामक एक युवक को भी गिरफ्तार किया गया है। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि इजाज, राना के सहयोगी के रूप में काम करता था। प्राथमिक तौर पर इन दोनों के संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से होने का संदेह है। जांच से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि राना पाकिस्तानी सेना से जुड़ा हुआ है। वह आईएसआई के हैंडलर के रूप में काठमांडू के रास्ते भारत में दाखिल हुआ था। जांचकर्ताओं को पता चला है कि वह इससे पहले भी कई बार भारत आ चुका था। एसटीएफ सूत्रों के अनुसार, वहाब आलम उर्फ राना तपसिया इलाके में रहता था और वहां छोटे-मोटे काम करता था। उसने 'वहाब' नाम से आधार कार्ड समेत कई फर्जी पहचान पत्र बनवाए थे। इस काम में इजाज ने राना की मदद की थी। जांचकर्ताओं के अनुसार, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के 'हैंडलर' के रूप में राना मुख्य रूप से काठमांडू से अपनी गतिविधियां संचालित करता था। हालांकि काम के सिलसिले में वह अक्सर भारत आता था। हाल ही में वह काकरभिट्टा सीमा के रास्ते भारत में दाखिल हुआ था। आरोप है कि राना मुख्य रूप से भारतीय सेना और रेलवे के बुनियादी ढांचे पर नजर रखकर सूचनाएं एकत्र करता था।

राजस्थान में अभी तक 10.96 फीसदी कम हुई बारिश, बदला बारिश का पैटर्न

एजेंसी
जयपुर। राजस्थान में पिछले दो दिनों में औसतन लगभग 20 मिमी बारिश हुई है, जिससे लंबे समय से बारिश की कमी झेल रहे राज्य के कई हिस्सों को राहत मिली है। हालांकि, हाल की बारिश के बावजूद राज्य में कुल बारिश अभी भी सामान्य से कम दर्ज की जा रही है और अलग-अलग जिलों और डिवीजनों में इसमें काफी अंतर है। इस मानसून सीजन में अब तक राज्य में 242.63 एमएम बारिश हुई है, जबकि उम्मीद 272.49 एमएम की थी। इस तरह राज्य में कुल बारिश में 10.96 प्रतिशत की कमी है। अब तक सात जिलों में सामान्य से अधिक बारिश हुई है, जबकि 18 ज़िलों में सामान्य बारिश दर्ज की गई है। वहीं, 16 जिलों में अब भी सामान्य से कम बारिश हो रही है, जिससे राज्य में बारिश के अलग-अलग पैटर्न का पता चलता है।हाल ही में हुई दो दिन की बारिश से कई इलाकों में बारिश की स्थिति में सुधार हुआ है, खासकर उन जगहों पर जहां बारिश की भारी कमी थी। हालांकि, इस बारिश का फायदा पूरे राज्य में एक जैसा नहीं मिला है। कोटा और उदयपुर डिवीजन उन इलाकों में शामिल हैं, जहां सामान्य से कम बारिश का सबसे अधिक असर पड़ा है। इन डिवीजनों में आम तौर पर मानसून के दौरान अच्छी बारिश होती है, लेकिन हाल ही में हुई भारी बारिश के बावजूद यहां अब भी कमी बनी हुई है। जिन इलाकों में बारिश का स्तर मौसम के औसत से कम रहता है, वहां बारिश का असमान वितरण खेती, जल संसाधनों और ग्रामीण आजीविका के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। इस साल राज्य में कुल बारिश पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में काफी कम रही है। पिछले साल इस समय तक राजस्थान में 410.76 मिमी बारिश दर्ज की गई थी, जबकि इस साल यह आंकड़ा 242.63 मिमी है। यह बड़ा अंतर इस मौसम में मानसून की असमान प्रगति को दर्शाता है।

राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास बोले- उनको 'लुंगी वाला' कहा गया, सभापति करेंगे शिकायत का निपटारा

एजेंसी
नई दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार को सीपीआई (एम) सांसद जॉन ब्रिटास ने कहा कि एक सदस्य द्वारा उन्हें 'लुंगी वाला' कहा गया। उन्होंने ऐसा कहे जाने पर आपत्ति जताई और इसे सदन की गरिमा और सम्मान से जोड़ा। जॉन ब्रिटास ने कहा, ''भारी मन से मैं यह मुद्दा उठा रहा हूं, क्योंकि यह इस सदन की गरिमा, प्रतिष्ठा और सम्मान का सवाल है। यह किसी एक दल का नहीं, बल्कि सभी दलों से जुड़ा मुद्दा है।' उन्होंने कहा कि मैं एक गर्वित भारतीय, दक्षिण भारतीय और निश्चित रूप से एक गर्वित मलयाली हूं। इस पर सभापति ने टोकते हुए कहा कि कोई दक्षिण भारतीय या उत्तर भारतीय नहीं होता, हम सभी सिर्फ भारतीय हैं। ब्रिटास ने अपनी भाषा, संस्कृति और खान-पान व पहनावे पर गर्व जताते हुए कहा कि भारतीय संविधान देश की

सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सदस्यों को नसीहत दी कि वे एक-दूसरे की भावनाओं और संवेदनाओं का सम्मान करें।

विविधता का सम्मान करता है। उन्होंने कहा, ''अगर आप मुझसे पूछें कि जब मैं इस सदन से विदा होऊंगा, जो बहुत जल्द हो सकता है, तो इस सदन से मेरी सबसे बड़ी सीख क्या होगी, तो मैं निश्चित रूप से कहूंगा कि यह विविधता होगी। यही विविधता इस देश की एकता को एक अनूठे तरीके से कायम रखती है।''

उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले एक ऐसी सदस्य, जिनका वह बहुत सम्मान करते हैं, उस समय उन्हें परेशान कर रही थीं, जब वह वैधानिक प्रस्ताव के प्रस्तावक के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे थे।

ब्रिटास ने आरोप लगाया और कहा, ''हम एक-दूसरे से बहस कर सकते हैं, मौखिक तकरार भी हो सकती है। लेकिन उन्होंने बार-बार मुझे 'लुंगी वाला, लुंगी वाला' कहकर संबोधित किया।''

इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सभापति से कहा कि संबंधित सदस्य को बुलाकर दोनों पक्षों को सुना जाए और उसके बाद सभापति जो उचित समझें, उस पर निर्णय लें।

रिजिजू ने सभापति से कहा, ''आप संबंधित माननीय सदस्य को बुला सकते हैं और उनकी बात भी सुन सकते हैं। इसके बाद आप जो निर्णय उचित समझें, वह ले सकते हैं।''

बालाघाट के बिरसा क्षेत्र में आदिवासी बच्चों की मौत अत्यंत गंभीर

राज्य स्तरीय जांच कर दोषियों पर हो कार्रवाई: दिग्विजय सिंह

एजेंसी
भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर बालाघाट जिले के आदिवासी ब्लॉक बिरसा में दूषित पानी और संक्रमण से उपजी बीमारियों के कारण आदिवासी बच्चों की मृत्यु और बड़ी संख्या में बच्चों के बीमार होने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। दिग्विजय सिंह ने पत्र में लिखा है कि प्रदेश के बालाघाट जिले के आदिवासी ब्लॉक बिरसा में ग्यारह आदिवासी बच्चों ने विगत एक सप्ताह में दूषित पानी और संक्रमण से उपजी बीमारियों से दम तोड़ दिया है। जिला प्रशासन ने सात बच्चों की मृत्यु की पुष्टि की है, जबकि चार बच्चों की जानकारी छुपाई जा रही है। बालाघाट जिला चिकित्सालय में अब तक 100 से अधिक बच्चों को भर्ती कराया गया है, जिनमें से 40-50 बच्चे जिंदगी

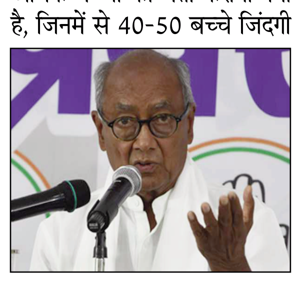

और मौत से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि एक तरफ राज्य सरकार 6 अगस्त से 'जनविश्वास अभियान' चला रही है, वहीं दूषित पानी से फैली मौसमी बीमारी के प्रभाव से मलेरिया, निमोनिया, सर्दी-खांसी और चर्म रोग से बिरसा विकासखंड के अनेक ग्राम प्रभावित हैं। ये सभी ग्राम जिला मुख्यालय बालाघाट से करीब 100 किमी दूर हैं। पिछले दस दिन से हर दूसरे घर में बच्चे गंभीर बुखार से पीड़ित हैं। विशेष रूप से ग्राम बोंदारी, कुंडेकसा और कोरका से लगे टोले-मजरों में दहशत का माहौल है।

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने पत्र में आदिवासी नेता शुभम उईके के हवाले से लिखा है कि जिला चिकित्सालय का बच्चा वार्ड पूरी तरह से बीमार बच्चों से भर गया है और अब तक 11 बच्चों की जान जा चुकी है। बोंदारी गांव में मजदूरी करने वाले समारू धुर्वे के दो बच्चे साहिल धुर्वे और नामिन धुर्वे की निमोनिया से तड़पते हुए मौत हो गई है और यह परिवार तबाह हो गया है। इसी प्रकार प्रीति मरकाम, अरविंद धुर्वे ग्राम कुंडेकसा, सचिन मरकाम ग्राम बोंदारी, पूजा धुर्वे और रूपलाल धुर्वे, ग्राम बोंदारी ने तेज बुखार से दम तोड़ दिया है। उन्होंने बताया कि बिरसा के विधायक संजय उइके ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर शीघ्र उपचार कराने जिला चिकित्सालय भेजा है। वहीं बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने पीड़ित बच्चों से मुलाकात कर उचित इलाज करने के लिए सिविल सर्जन से चर्चा की है। दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री से कहा कि राज्य सरकार ने दो दिन पूर्व विश्व आदिवासी दिवस मनाने की औपचारिकता पूरी की है।

तमक नाले में ह्यूम पाइप डालकर अस्थायी मार्ग तैयार, वाहनों की आवाजाही शुरू

एजेंसी
चमोली। उत्तराखंड के चमोली जिले की नीती घाटी में तमक नाला उफान पर आने से वैली ब्रिज बह जाने के बाद बाधित ज्योतिर्मठ-मलारी मोटर मार्ग पर रिकॉर्ड समय में वाहनों की आवाजाही मंगलवार शाम बहाल कर दी गई है। जिला प्रशासन और संबंधित विभागों ने तमक नाले में ह्यूम पाइप डालकर अस्थायी मोटर मार्ग तैयार किया, जिसके बाद यातायात सुचारू हो गया। समयबद्ध कैलेंडर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर मार्ग बहाली का कार्य युद्धस्तर पर किया गया। मुख्यमंत्री लगातार मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन, गढ़वाल मंडल के आयुक्त आनंद स्वरूप और चमोली के जिलाधिकारी से राहत-बचाव कार्य तथा मार्ग बहाली की प्रगति की जानकारी लेते रहे। मुख्यमंत्री ने रिकॉर्ड समय में यातायात बहाल किए जाने पर जिला प्रशासन और संबंधित विभागों की टीमों को बधाई दी। उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्र में राहत एवं बचाव कार्यों के साथ यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। नीती घाटी में भारी बारिश के कारण तमक नाले में अचानक जलप्रवाह बढ़ने से वैली ब्रिज बह गया था। इससे क्षेत्र में वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई थी। घटना के बाद जिला प्रशासन और संबंधित विभागों की टीमें तत्काल मौके पर पहुंचीं और अस्थायी मार्ग तैयार करने का कार्य शुरू किया।ह्यूम पाइप डालकर अस्थायी मोटर मार्ग तैयार किए जाने के बाद अब इस मार्ग से वाहनों की आवाजाही शुरू हो गई है। हालांकि, क्षेत्र में मौसम और तमक नाले के जलस्तर को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस बीच, वैली ब्रिज बहने की घटना के बाद लापता एक व्यक्ति की तलाश में दूसरे दिन भी सर्च एवं रेस्क्यू अभियान जारी रहा। जिला प्रशासन, पुलिस, भारतीय सेना, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की टीमें संयुक्त रूप से अभियान चला रही हैं।

भारत सितंबर में अफगानिस्तान से खेलेगा तीन मैचों की टी20 सीरीज; बांग्लादेश को क्यों लगा झटका!

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम सितंबर में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। बीसीसीआई और अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बुधवार को संयुक्त बयान जारी कर सीरीज की घोषणा की। सीरीज के तीनों मुकाबले दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहला टी20 13 सितंबर, दूसरा 15 सितंबर और तीसरा मुकाबला 17 सितंबर को होगा। यानी भारत और अफगानिस्तान के बीच पूरी टी20 सीरीज पांच दिनों के भीतर पूरी हो जाएगी। इस एलान के साथ ही बांग्लादेश की भारत के खिलाफ सितंबर में प्रस्तावित लंबे समय से लंबित सफेद गेंद की सीरीज की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय सीरीज पिछले साल टल गई थी। बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति के कारण दोनों टीमों के बीच प्रस्तावित सीरीज को स्थगित करना पड़ा था। इसके बाद बांग्लादेश ने सितंबर में भारत के खिलाफ सीरीज की मेजबानी का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, अब सितंबर के लिए भारत का कार्यक्रम अफगानिस्तान के खिलाफ तय हो गया है। ऐसे में बांग्लादेश की उस सीरीज को लेकर उम्मीदें लगभग खत्म होती नजर आ रही हैं।

भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के सभी मुकाबले एक ही मैदान पर खेले जाएंगे। अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम को तीनों मैचों की मेजबानी मिली है।

बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने कहा कि बोर्ड अफगानिस्तान में क्रिकेट के विकास को समर्थन देने और उसके खिलाड़ियों को उच्च स्तर पर खेलने के मौके देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय क्रिकेट टीमों को नियमित रूप से मजबूत विरोधी टीमों के खिलाफ खेलने और अनुभव हासिल करने का अवसर देता है। बीसीसीआई के मानद सचिव देवजीत सैकिया ने भी भारत-अफगानिस्तान क्रिकेट संबंधों को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि दोनों टीमों के बीच पिछले कुछ वर्षों में नियमित द्विपक्षीय मुकाबले हुए हैं। सैकिया ने याद दिलाया कि भारत ने 2018 में अफगानिस्तान के ऐतिहासिक पहले टेस्ट की मेजबानी की थी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच अलग-अलग फॉर्मेट में लगातार मुकाबले होते रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग: बाबर आजम की टॉप-10 में एंट्री

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा बुधवार को जारी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने टॉप-10 में धमाकेदार एंट्री की है। बाबर को वेस्टइंडीज दौरे पर उनकी शानदार बल्लेबाजी का इनाम मिला है। वेस्टइंडीज दौरे पर 2 टेस्ट मैचों की 4 पारियों में 2 अर्धशतक की मदद से 193 रन बनाने वाले बाबर पांच स्थान की छलांग लगाते हुए आईसीसी की टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में दसवें स्थान पर पहुंच गए हैं। शीर्ष 10 में बाबर एकमात्र पाकिस्तानी बल्लेबाज हैं। टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड, दूसरे स्थान पर इंग्लैंड के हैरी ब्रूक, तीसरे स्थान पर इंग्लैंड के जो रूट, चौथे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ, पांचवें स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के टेंबा बावुमा, छठे स्थान पर श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस, सातवें स्थान पर भारत के शुभमन गिल, आठवें स्थान पर न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र, और नौवें स्थान पर भारत के यशस्वी जायसवाल हैं। श्रीलंका के दिनेश चांदीमल एक स्थान नीचे खिसकते हुए टॉप-10 से बाहर हो गए हैं। वह 11वें वें स्थान पर हैं। टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। शीर्ष 10 में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पहले, न्यूजीलैंड के मैट हेनरी दूसरे, ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क तीसरे, ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस चौथे, दक्षिण अफ्रीका के मार्को जानसेन पांचवें, ऑस्ट्रेलिया के स्कॉट बोलैंड छठे, और दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा सातवें स्थान पर हैं। रबाडा को एक स्थान का फायदा हुआ है। पाकिस्तान के नोमान अली एक स्थान के नुकसान के साथ सातवें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड नौवें और ऑस्ट्रेलिया के नाथन लियोन दसवें स्थान पर हैं।

टी20 सीरीज गंवाने के बावजूद पाकिस्तानी महिला खिलाड़ियों की रैंकिंग में सुधार

दुबई। आईसीसी ने ताजा महिला टी20 प्लेयर रैंकिंग जारी की है। भले ही पाकिस्तान ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज 1-2 से गंवाई, लेकिन इसके बावजूद नाशरा संधू, शवाल जुल्फिकार और तुबा हसन की रैंकिंग में शानदार सुधार हुआ है। नाशरा संधू ने श्रीलंका के विरुद्ध तीसरे टी20 मैच में 17 रन देकर 1 विकेट हासिल किया था। संधू गेंदबाजों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर आठवें पायदान पर पहुंच गई हैं। बाएं हाथ की स्पिनर ने इस सीरीज में 3 विकेट लिए और 6.72 का शानदार इकॉनमी रेट बनाए रखा। दूसरी तरफ, तुबा हसन गेंदबाजी रैंकिंग में तीन स्थान की बढ़त के साथ 48वें नंबर पर पहुंच गई हैं। श्रीलंकाई टीम से, कप्तान चामरी अट्टापट्टू अपनी टीम की ऐतिहासिक सीरीज जीत में योगदान देने के बाद 5 स्थान ऊपर चढ़कर 36वें नंबर पर पहुंच गईं। श्रीलंका की महिला क्रिकेट टीम ने साल 2014 के बाद पहली बार पाकिस्तान के खिलाफ द्विपक्षीय टी20 सीरीज अपने नाम की है, जिसमें इमेशा दुलानी की बड़ी भूमिका रही, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' अवॉर्ड जीता। दाएं हाथ की बल्लेबाज ने 61.50 की औसत से 123 रन बनाए और टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर 22वें नंबर पर पहुंच गईं। दुलानी ने 31 जुलाई को शुरुआती मैच में शानदार शुरुआत की और मेजबान टीम को छह विकेट और छह गेंदें शेष रहते हुए 177 रन का लक्ष्य हासिल करने में मदद की।

आखिरकार जॉर्जिना के हुए क्रिस्टियानो रोनाल्डो

10 साल डेट करने के बाद गुपचुप की शादी

लिस्बन (एजेंसी)। फुटबॉल की दुनिया के सबसे बड़े सितारों में से एक क्रिस्टियानो रोनाल्डो अब आधिकारिक तौर पर शादीशुदा हो गए हैं। 41 वर्षीय पुर्तगाली सुपरस्टार ने अपनी लंबे समय से पार्टनर रहीं जॉर्जिना रोड्रिगेज को अपना जीवनसाथी बना लिया है। दोनों ने मंगलवार, 11 अगस्त को पुर्तगाल के कास्काइस में एक बेहद निजी सिविल सेरेमनी में शादी की। खास बात यह रही कि इस मौके पर उनके पांच बच्चे भी मौजूद थे।

तीन अक्षरों में दी शादी की खबर

शादी को पूरी तरह निजी रखने वाले रोनाल्डो ने किसी बड़े एलान या भव्य तस्वीरों के बजाय सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस को खुशखबरी दी। उन्होंने अपनी और जॉर्जिना की हाथों की तस्वीर शेयर की, जिसमें दोनों की उंगलियों में मैचिंग गोल्ड वेडिंग रिंग नजर आ रहे थे। इस तस्वीर के साथ रोनाल्डो ने सिर्फ 'ष्ट्व' लिखा। और साथ ही दिल भी बनाया। स्पैनिश स्पोर्ट्स डेली मार्का और सऊदी अरब के अखबार गल्फ न्यूज ने भी शादी की पुष्टि की। बताया गया कि यह समारोह बेहद निजी और अंतरंग था तथा इसमें कपल के पांच बच्चे शामिल हुए।

10 साल से ज्यादा समय से साथ हैं

रोनाल्डो और जॉर्जिना का रिश्ता करीब एक दशक पुराना है। दोनों की मुलाकात 2016 में मैड्रिड में हुई थी। उस समय जॉर्जिना एक गुच्ची स्टोर में काम करती थीं। उन्होंने बाद में बताया था कि रोनाल्डो से पहली मुलाकात के दौरान उनके पेट में 'तितलियां उड़ने' जैसा एहसास हुआ था।इसके बाद दोनों का रिश्ता धीरे-धीरे सार्वजनिक हुआ और दोनों ने एक साथ परिवार बसाया। रोनाल्डो के फुटबॉल करियर के स्पेन, इटली, इंग्लैंड और सऊदी अरब तक पहुंचने के दौरान जॉर्जिना लगातार उनके साथ रहीं।

2025 में हुई थी सगाई

शादी से करीब एक साल पहले जॉर्जिना ने अगस्त 2025 में सोशल मीडिया पर अपनी सगाई की जानकारी दी थी। उन्होंने रोनाल्डो के साथ हाथ की तस्वीर शेयर की थी, जिसमें उनकी बड़ी डायमंड रिंग नजर आई थी। उस पोस्ट में उन्होंने लिखा था, यस आई डू इन दिस एंड इन ऑल माई लाइव्स।

गुजरात में लौटना चाहते थे हार्दिक... पर जीटी ने बंद किए वापसी के सभी रास्ते!

पांड्या ने ऐसी क्या रख दी थी मांग?

कई टीमों ने हार्दिक में दिखाई दिलचस्पी

मुंबई। हार्दिक पांड्या का मुंबई इंडियंस के साथ भविष्य एक बार फिर सवालों के घेरे में है। इसी बीच खबर है कि भारतीय ऑलराउंडर ने अपनी पुरानी फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस में लौटने की कोशिश की थी। गुजरात भी उनकी वापसी के विचार के खिलाफ नहीं था, लेकिन कप्तानी को लेकर रखी गई पांड्या की मांग ने पूरी बातचीत को खत्म कर दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक पांड्या ने अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस के साथ वापसी को लेकर बातचीत की थी। पांड्या और गुजरात, दोनों ही इस संभावना के लिए तैयार थे। इसके पीछे एक बड़ी वजह यह भी थी कि पांड्या ने गुजरात टाइटंस को 2022 में उसके पहले ही सीजन में आईपीएल चैंपियन बनाया था। हालांकि, वापसी के लिए पांड्या की एक अहम शर्त थी। वह चाहते थे कि गुजरात टाइटंस में लौटने के साथ उन्हें दोबारा टीम की कप्तानी भी सौंपी जाए।

कप्तानी की मांग बनी डील ब्रेकर

रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक की कप्तानी की मांग पर गुजरात टाइटंस ने आगे बढ़ने से इनकार कर दिया। फ्रेंचाइजी ने मौजूदा कप्तान शुभमन गिल से भी इस संभावित बदलाव को लेकर बात की थी। गिल इस बात के लिए तैयार बताए गए कि फ्रेंचाइजी हार्दिक को वापस ट्रेड कर सकती है। लेकिन जब पांड्या की ओर से कप्तानी को वापसी की शर्त के तौर पर रखा गया, तो गुजरात टाइटंस ने इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया। 'फ्रेंचाइजी उनके लौटने के पक्ष में थी। उन्होंने अपने कप्तान शुभमन गिल से भी इस बारे में बात की थी और वह भी इसके लिए तैयार थे। लेकिन जब कप्तानी की शर्त सामने आई, तो सभी ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया।'

मुंबई इंडियंस में भी भविष्य पर सवाल

हार्दिक की गुजरात में वापसी की कोशिश ऐसे समय में सामने आई है, जब मुंबई इंडियंस में उनके भविष्य को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस का 2026 आईपीएल सीजन निराशाजनक रहा। टीम ने 14 में से सिर्फ चार मैच जीते और अंक तालिका में नौवें स्थान पर रही। पांड्या का मुंबई के प्रशंसकों के साथ रिश्ता भी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। उन्होंने 2021 सीजन के बाद मुंबई का साथ छोड़ा था और 2024 में टीम में वापसी की। वापसी के बाद उन्हें रोहित शर्मा की जगह कप्तान बनाया गया था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मुंबई इंडियंस का टीम मैनेजमेंट पांड्या को कप्तान के तौर पर बनाए रखने को लेकर उत्सुक नहीं था। खराब सीजन के बाद टीम में उनकी भूमिका को लेकर भी विचार किया जा रहा था। इसके अलावा कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स समेत कई फ्रेंचाइजी ने हार्दिक पांड्या को लेकर मुंबई इंडियंस से पूछताछ की है।

पांड्या के प्रवक्ता ने क्या कहा

हालांकि, हार्दिक पांड्या के प्रवक्ता ने इन खबरों पर अलग रुख रखा है। उन्होंने कहा कि ऑलराउंडर ने ट्रांसफर या ट्रेड को लेकर किसी भी फ्रेंचाइजी से सीधे बातचीत नहीं की है। प्रवक्ता के मुताबिक, 'हार्दिक पांड्या ने ट्रांसफर, ट्रेड या किसी अन्य तरीके से किसी भी फ्रेंचाइजी से सीधे बातचीत नहीं की। अगर उनसे कोई संपर्क किया गया है, तो वह मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी के जरिए किया गया है।' इस तरह गुजरात टाइटंस में वापसी की चर्चा के बावजूद कप्तानी की शर्त के कारण यह संभावित डील आगे नहीं बढ़ सकी।

संन्यास के बावजूद श्रीलंका दौरे पर क्यों गए अजिंक्य रहाणे

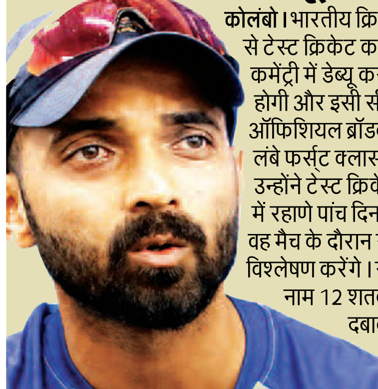

कोलंबो। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अजिंक्य रहाणे अब मैदान के अंदर नहीं, बल्कि कमेंट्री बॉक्स से टेस्ट क्रिकेट का अनुभव साझा करते नजर आएंगे। रहाणे भारत के आगामी श्रीलंका दौरे पर टेस्ट कमेंट्री में डेब्यू करने वाले हैं। भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज 15 अगस्त से शुरू होगी और इसी सीरीज के साथ रहाणे कमेंट्री की दुनिया में अपनी नई पारी शुरू करेंगे। वह ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर्स के कमेंट्री पैनल का हिस्सा होंगे। रहाणे का यह कदम उनके करीब 18 साल लंबे फर्स्ट क्लास करियर के खत्म होने के कुछ ही समय बाद आया है। अपने करियर के बड़े हिस्से में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट के मुश्किल माहौल में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। अब 37 साल की उम्र में रहाणे पांच दिन तक चलने वाले टेस्ट मैच को एक खिलाड़ी के बजाय कमेंटेटर के नजरिए से देखेंगे। वह मैच के दौरान रणनीतिक फैसलों, महत्वपूर्ण पलों और मुकाबले की दिशा बदलने वाले घटनाक्रम का विश्लेषण करेंगे। रहाणे ने भारत के लिए 85 टेस्ट मैच खेले और इस दौरान 5,077 रन बनाए। उनके नाम 12 शतक और 26 अर्धशतक हैं। अलग-अलग परिस्थितियों में टेस्ट क्रिकेट खेलने और दबाव के बीच प्रदर्शन करने का उनका अनुभव कमेंट्री के दौरान उनके लिए अहम साबित हो सकता है। मैदान पर लंबे समय तक खेलने के बाद अब वह अपने अनुभव के जरिए दर्शकों को टेस्ट क्रिकेट की बारीकियां समझाने की कोशिश करेंगे।

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए श्रीलंकाई टीम घोषित

कोलंबो। भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट के लिए श्रीलंकाई टीम का एलान हो गया है। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने मैच के लिए 16 सदस्यीय टीम का एलान किया है। विकेटकीपर-बल्लेबाज निरोसन डिकवेला करीब तीन साल बाद श्रीलंका की टेस्ट टीम में लौटे हैं। 33 वर्षीय डिकवेला ने पिछली बार 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला था। पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। श्रीलंका के स्क्वॉड में अनकैप्ड ऑफ स्पिनर केशरा नुवांथा और अनकैप्ड टॉप ऑर्डर बल्लेबाज पसिंदु सूरियाबंदर को भी जगह मिली है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका की भी टीम में वापसी हुई है, जिन्होंने अब तक सिर्फ एक टेस्ट खेला है। वहीं, कुसल मेंडिस और पाथुम निसांका फिलहाल पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं।डिकवेला की वापसी की सबसे बड़ी वजह कुसल मेंडिस का टीम से बाहर होना है। मेंडिस हैमस्ट्रिंग चोट के कारण चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं। वहीं पाथुम निसांका भी कलाई की सर्जरी से उबर रहे हैं और टीम में नहीं हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग-11 घोषित

डार्विन। ऑस्ट्रेलिया गुरुवार से बांग्लादेश के खिलाफ डार्विन में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की सीरीज से एक साल में 20 टेस्ट मैच खेलने के अपने व्यस्त कार्यक्रम की शुरुआत करेगा। इस मैच से 2003 के बाद टेस्ट क्रिकेट की ऑस्ट्रेलिया के उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में वापसी भी होगी। बांग्लादेश का दो दशकों से अधिक समय में ऑस्ट्रेलिया का यह पहला टेस्ट दौरा है। ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट के लिए प्लेइंग-11 घोषित कर दी है।ऑस्ट्रेलिया का अगले 12 महीने का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। इस दौरान वह 20 टेस्ट मैच खेलेगा, जिसमें विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका, भारत और इंग्लैंड के दौरे भी शामिल हैं। अगर वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचता है तो इन मैच की संख्या 21 हो जाएगी। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के बाद ऑस्ट्रेलिया तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगा। इसके बाद वह चार टेस्ट मैच के लिए न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा। ऑस्ट्रेलिया को इसके बाद भारत में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। वह मार्च में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेलेगा जो दोनों देशों के बीच टेस्ट मैचों की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाएगा।

मैं अपनी एक्टिंग जर्नी को लेकर बहुत खुश हूं, मुझे इस पर गर्व है

खुशाली कुमार ने कहा- जब लोग मुझे गुलशन जी की बेटी बोलते हैं तो बहुत अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि मुझे बचपन से मम्मी की साड़ी काटकर ड्रेसेज बनाने का शौक भी था तो उन्हें लगा कि मैं उस पेशे में अच्छा करूंगी। उन्होंने कहा- जब हमने पापा को खोया, मेरा भाई भूषण कुमार तब बहुत ही कम उम्र था। वो मुश्किल से 18 साल का था तो इतने बड़े साम्राज्य का बोझ संभालना आसान नहीं।

'मुझे बहुत गर्व है कि मैं अपने पापा (गुलशन कुमार) की बेटी हूं। जब लोग मुझे गुलशन जी की बेटी बोलते हैं तो बहुत अच्छा लगता है। हम तीनों भाई-बहन यही चाहते हैं कि हम अपने पापा के नाम से जाने जाएं।' यह कहना है भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री में क्रांति लाने वाले निर्माता स्वर्गीय गुलशन कुमार की बेटी खुशाली कुमार का। करीब 30 साल पहले एक दुर्भाग्यपूर्ण वारदात में जान गंवाने वाले गुलशन कुमार के तीनों बच्चे- भूषण कुमार, तुलसी कुमार और खुशाली कुमार, अपने-अपने क्षेत्र में नाम कमा रहे हैं। भूषण फिल्म निर्मात हैं, तुलसी सिंगर हैं और खुशाली एक्टिंग में नाम कमा रही हैं। इन दिनों वह अपनी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' को लेकर चर्चा में हैं।

बातचीत में खुशाली ने हमसे अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाने और एक्टिंग करियर में देरी से एंट्री पर बेबाक और बेहद भावुक बातचीत की। जिस तरह बड़े पेड़ के नीचे छोटे पौधे ठीक से पनप नहीं पाते, उसी तरह अक्सर देखा जाता है कि मशहूर भाई-बहन की छांव तले छोटे को अपनी जगह बनाने के लिए ज्यादा संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में, 'पापा गुलशन कुमार की बनाई फिल्मी विरासत और मशहूर निर्माता भाई भूषण कुमार और गायिका बहन तुलसी कुमार की प्रसिद्धि के चलते खुशाली को किस तरह की चुनौती का सामना करना पड़ा? इस सवाल पर उन्होंने कहा, पहले तो मुझे अपने पापा की बेटी होने पर बहुत गर्व है। मैं चाहती हूं कि मेरे पापा का नाम आने वाली पीढ़ियां याद रखें, क्योंकि उन्होंने धर्म से लेकर म्यूजिक, समाज सबके लिए इतना कुछ किया है। उन्होंने म्यूजिक को आम आदमी तक पहुंचाया है तो मैं चाहती हूं कि हर कोई उन्हें याद रखे। दूसरे, मेरा मानना है कि एक ऐक्टर के तौर पर मेरा सफर बहुत खूबसूरती से आगे बढ़ रहा है। लोग मेरी जर्नी पहली फिल्म धोखा: राउंड द कॉर्नर से यहां तक देख रहे हैं लेकिन मैं अपना सफर वहां से देख रही हूं जब एक छोटी बच्ची ने ऐक्टर बनने का सपना देखा था और आज मैं फिल्में कर रही हूं तो यह मेरे लिए बहुत स्पेशल है। मैं अपनी जर्नी को लेकर बहुत खुश हूं। मुझे इस पर गर्व है।'

खुशाली ने ऐक्टिंग में कदम थोड़ी देरी से रखा। इसकी वजह पूछने पर उन्होंने बताया, 'जब आप ऐक्टर बनने के लिए घरवालों को बोलते हैं तो इतनी जल्दी सपोर्ट नहीं मिलता है। मेरे पापा बहुत सपोर्टिव थे। वह बहुत दबंग थे, मगर मेरी मम्मी बहुत सारी चीजों में थोड़ी कंजर्वेटिव थीं। फिर पापा के गुजरने के बाद उनकी यह सोच हमें प्रोटेक्ट करने के लिए ज्यादा थी कि मुंबई जैसी जगह में मैं अकेली हूं। मेरे तीन बच्चे हैं तो ऐसी कोई चीज न करें जो कैमरे के सामने हो। उनको लगा कि मेरे लिए फैशन डिजाइनिंग ज्यादा सुरक्षित विकल्प है। मुझे बचपन से मम्मी की साड़ी काटकर ड्रेसेज बनाने का शौक भी था तो उन्हें लगा कि मैं उस पेशे में अच्छा करूंगी और मैंने काफी हद तक अच्छा किया भी। मैंने डिजाइनिंग की। बहुत सारे अंतरराष्ट्रीय स्टोर पर मेरे अपने नाम से कपड़े बिक रहे थे। विदेशों में 30 से 40 स्टोर थे जहां मैं रीटेल कर रही थी लेकिन मैं कभी भी खुश नहीं थी। मेरी खुशी हमेशा कैमरे के आगे थी लेकिन जब हमने पापा को खोया, मेरा भाई (भूषण कुमार) तब बहुत ही कम उम्र था। वो मुश्किल से 18 साल का था तो इतने बड़े साम्राज्य का बोझ संभालना आसान नहीं होता।

अपनी फिल्म दुल्हनिया ले आएगी में 50 से भी ज्यादा दूल्हों को रिजेक्ट करने वाली खुशाली से हमने जब इसके बारे में पूछा तो उनका कहना था, 'आज के समय में एक सही दूल्हा मिलना आसान नहीं होता। उसे ढूंढ़ने में बहुत मुश्किल होती है। आजकल हम लड़कियों की चेकलिस्ट भी बढ़ती जा रही है, मगर मेरा मानना है कि आपकी वो चेकलिस्ट पूरी हो जाए तो चट मंगनी पट ब्याह कर लेना चाहिए।' ऐसे में, खुशाली की अपने पार्टनर के लिए क्या चेकलिस्ट है? इस पर वह कहती हैं, 'मेरे लिए सबसे पहली चीज है कनेक्ट। वो बहुत जरूरी है। अगर वह कनेक्शन हो तो इंसान में कमियां भी हों तो वो आपको नहीं दिखेगी। वह कनेक्ट ऐसा होता है कि लगता है कि हम उस इंसान को बहुत सालों से जानते हैं। जैसे हम अपनी मम्मी या भाई-बहन के साथ रहते हैं, जब वैसा ही कंफर्ट अपने पार्टनर के साथ मिले तभी एक लड़की अपने परिवार को छोड़कर उसके साथ जिंदगी बिताने का फैसला कर पाती है।

यश की 'टॉक्सिक' फिल्म देखने को बेकरार ऋषभ शेट्टी

बीते दिन शनिवार को फिल्म 'टॉक्सिक' के ट्रेलर से पर्दा हटा। बंगलूरू में आयोजित एक शानदार इवेंट में ट्रेलर रिलीज किया गया, जहां फिल्म की पूरी स्टारकास्ट भी मौजूद रही। ट्रेलर को अच्छा रेस्पॉन्स मिल रहा है। इस बीच 'कांतारा' फेम एक्टर ऋषभ भेट्टी ने भी 'टॉक्सिक' के ट्रेलर पर प्रतिक्रिया दी है।

ऋषभ शेट्टी ने क्या कहा

ऋषभ शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने फिल्म का पोस्ट शेयर करते हुए ट्रेलर की तारीफ की है। साथ ही फिल्म को लेकर भी उत्सुकता जताई है। ऋषभ ने लिखा है, 'राया की दुनिया में यह एक बेहतरीन निमंत्रण है'। आगे कहा, 'यह पक्का है कि शानदार परफॉर्मेंस की मजबूत नींव के साथ यश का यह सफर एक्शन से भरपूर और एंटरटेनिंग होगा'। ऋषभ ने लिखा है, 'यश सर, आपको इस फिल्म में बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार है। उन्होंने टॉक्सिक की पूरी टीम, निर्देशक गीतू मोहनदास और केवीएन प्रोडक्शंस को भी शुभकामनाएं दीं।

कब रिलीज होगी 'टॉक्सिक'

फिल्म 'टॉक्सिक' 28 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। यह फिल्म पहले इसी साल 19 मार्च 2026 को रिलीज होने वाली थी। तब इसका मुकाबला बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर 2' से होता। हालांकि, बाद में यश की फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई। फिर इसे जून में रिलीज किए जाने की तैयारी थी। मगर, ऐसा नहीं हुआ। अब आखिर अगस्त में फिल्म बड़े पर्दे पर दस्तक देने को तैयार है।

ऋषभ शेट्टी की आगामी फिल्में

ऋषभ शेट्टी के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे 'कांतारा-2' में नजर आएंगे। इसके अलावा प्रशांत वर्मा के निर्देशन में बनने वाली 'जय हनुमान' भी झोली में है। साथ ही ऋषभ ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म 'भारत का गौरव- छत्रपति शिवाजी महाराज' शामिल हैं। वे इसमें लीड रोल करने वाले हैं।

'लॉक अप 2' विनर श्रेया कालरा ने बिग 'बॉस 20' के लिए मना किया

श्रेया कालरा, जो हाल ही में रियलिटी शो 'लॉक अप' की विजेता बनी हैं। वह अभी किसी रियलिटी शो में हिस्सा लेने में दिलचस्पी नहीं रख रही हैं। श्रेया ने अपने इंस्टाग्राम पर साफ किया कि वह अभी कंटेस्टेंट के तौर पर किसी रियलिटी शो का हिस्सा नहीं बनना चाहती हैं। इससे पहले इस बात को लेकर अफवाहें चल रही थीं कि श्रेया कालरा बिग बॉस 20 में दिखेंगी।

किसी भी रियलिटी शो का हिस्सा नहीं बनेंगी श्रेया?

श्रेया कालरा ने कहा 'दोस्तों, जो मुझसे पूछ रहे हैं कि मैं बिग बॉस जाऊंगी या नहीं, उन्हें बता दूं कि मैं अभी-अभी एक पागलखाने से बाहर आई हूं। मैं अभी कंटेस्टेंट के तौर पर कोई रियलिटी शो करने का प्लान नहीं बना रही हूं। क्योंकि वह मानसिक रूप से बहुत थकाने वाला और मुश्किल था। इसलिए मेरे लिए बिग बॉस नहीं, लेकिन अगर होस्ट करने, मेंटर बनने या गैंग लीडर बनने का मौका मिले, तो मैं जरूर उत्साहित होऊंगी। अगर ऐसा कुछ हुआ तो मजा आ जाएगा। लेकिन कंटेस्टेंट? नहीं भाई, यह सब झेलना बहुत मुश्किल है।'

कुछ दिन पहले ट्रॉफी जीतने के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए, कालरा ने अपनी जीत उन लोगों को समर्पित की जो कॉम्पिटिशन के दौरान उनके साथ खड़े रहे। उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड ऋषभ जायसवाल और साथी कंटेस्टेंट शिल्पा शिंदे और माधुरी ग्रोवर का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि जहां ट्रॉफी उनके सपोर्टर्स की है, वहीं 1 करोड़ रुपये की प्राइज मनी का इस्तेमाल प्रैक्टिकल कामों में किया जाएगा।

आलोचना पर बोलीं श्रेया

उनकी जीत पर सवाल उठाने वालों की आलोचना का जवाब देते हुए, कालरा अपनी बात पर अडिग रहीं। उन्होंने कहा 'मुझे पता है कि मैं इसकी हकदार हूं। मैंने शो में जो कुछ भी दिया, वह मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक रूप से दिया। मैं इस ट्रॉफी और प्राइज मनी की हकदार हूं। कोई क्या कहता है, इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। आप हर किसी की कहानी में हीरो नहीं हो सकते। मुझे पता है कि मैं अपनी कहानी की हीरोइन हूं। अगर कोई मुझे विलेन कहता है, तो मैं उसे स्वीकार करूंगी।'

पब्लिसिटी के लिए नहीं की थी गौरव खन्ना से तलाक वाली बात

शो 'लॉकअप 2' में आते ही आकांक्षा चमोला ने बताया कि वह टीवी अभिनेता गौरव खन्ना से तलाक ले रही हैं। आगे चलकर उन्होंने कहा कि वह लड़कियों के प्रति भी आकर्षित रहती हैं। अभिनेत्री का यह राज सामने आने पर हंगामा खड़ा हो गया। इसी बारे में हाल ही में 'लॉकअप 2' से बाहर आने के बाद आकांक्षा चमोला ने बात की। उन्होंने बताया कि परिवार उनसे काफी नाराज है। जब शो 'लॉकअप 2' से आकांक्षा चमोला बाहर हुई थीं तो उनसे अभिनेत्री तेजस्वी प्रकाश ने सवाल-जवाब किए थे। यह शो का ही कॉन्सेप्ट था, जिसमें तेजस्वी प्रतियोगी से कई सवाल पूछती हैं। तेजस्वी से बातचीत के दौरान ही आकांक्षा ने कहा, 'जब गौरव खन्ना शो में आए थे तो उन्होंने परिवार के बारे में कुछ ऐसा बताया था जो कि परेशान होने वाली बात थी। तलाक की बात तो परिवार को पता थी। लेकिन लड़कियों की तरफ आकर्षित होने वाली बात को लेकर वे ओके नहीं हैं।' शो से बाहर आने के बाद आकांक्षा ने बताया कि उन्होंने तलाक वाली बात पब्लिसिटी के लिए नहीं की थी। जल्द ही वह तलाक के पेपर्स पर साइन कर देंगी। गौरव खन्ना और आकांक्षा की शादी को लगभग 10 साल हो चुके हैं, लेकिन अब इनका रिश्ता खत्म होने वाला है।

पहली बार टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी नुसरत भरुचा

अभिनेता टाइगर श्रॉफ और निर्देशक-कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा एक बार फिर एक हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर के लिए साथ आ रहे हैं। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की स्टारकास्ट में अब एक और बड़ा नाम जुड़ गया है और वो नाम है फैशन दीवा नुशरत भरुचा का, जो फिल्म में एक प्रमुख किरदार निभाती नजर आएंगी। पहली बार टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी नुसरत फिल्म से जुड़े एक सूत्र के अनुसार, निर्माता ऐसी अभिनेत्री की तलाश में थे जो अपने किरदार में मजबूती के साथ भावनात्मक गहराई भी ला सके और नुसरत भरुचा इस भूमिका के लिए उनकी पहली पसंद साबित हुईं। सूत्र ने बताया, 'टीम ऐसे कलाकार की तलाश में थी जो कहानी में मजबूती और भावनात्मक गहराई दोनों ला सके। नुसरत शुरू से ही सबसे मजबूत विकल्पों में थीं। फिलहाल इस फ़िल्म में उनका किरदार बेहद प्रभावशाली है और दर्शक उन्हें बिल्कुल नए अंदाज में देखेंगे।' हालांकि निर्माताओं ने अभी तक उनके किरदार का खुलासा नहीं किया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि नुसरत की भूमिका कहानी का अहम हिस्सा होगी और वह पारंपरिक हीरोइन से कहीं आगे जाकर कहानी को नई दिशा देती नजर आएंगी। यह पहली बार होगा जब टाइगर श्रॉफ और नुसरत भरुचा किसी फिल्म में साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। वहीं, टाइगर और रेमो डिसूजा लगभग एक दशक बाद फिर से साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों ने 2016 में रिलीज़ हुई सुपरहीरो फिल्म 'ए फ्लाइंग जट्ट' में साथ काम किया था।

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में दिखाई जाएगी फिल्म 'बयान'

बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्री हुमा कुरैशी अपनी अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच खबर है कि उनकी फिल्म 'बयान' ऑस्ट्रेलिया में होने वाले इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में दिखाई जाएगी।

हुमा ने जाहिर किया उत्साह

हुमा कुरैशी ने प्रीमियर से पहले इसे लेकर अपना उत्साह जाहिर किया है। विकास रंजन मिश्रा की लिखी और डायरेक्ट की गई यह दिलचस्प हिंदी फिल्म, फेस्टिवल की ऑफिशियल लाइनअप का हिस्सा होगी। यह मेलबर्न के दर्शकों को साल की सबसे दिलचस्प कहानियों में से एक दिखाएगी। फिल्म के ऑस्ट्रेलियन प्रीमियर के बारे में बात करते हुए हुमा कुरैशी ने कहा, ' 'बयान' उन सबसे चुनौतीपूर्ण और भावनात्मक रूप से संतोषजनक फिल्मों में से एक है, जिसका हिस्सा बनने का मुझे मौका मिला है।' एक्ट्रेस ने अपने किरदार के बारे में कहा, 'रूही एक ऐसी महिला है जो भारी दबाव के बावजूद अपनी बात पर अडिग रहती है, और उसके सफर को निभाने ने एक एक्टर के तौर पर मुझे कई तरह से आगे बढ़ाया। जिस चीज ने मुझे इस फिल्म की ओर आकर्षित किया, वह सिर्फ इसकी दिलचस्प जांच ही नहीं थी, बल्कि सत्ता, सच्चाई और न्याय के बारे में उठाए गए सवाल भी थे।'

हुमा को इस बात को लेकर है गर्व

उन्होंने फिल्म के प्रीमियर को लेकर कहा, 'मुझे बहुत गर्व है कि 'बयान' को इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न में दिखाया जाएगा, एक ऐसा फेस्टिवल जिसने हमेशा सार्थक सिनेमा को सराहा है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक फिल्म से जुड़ेंगे। इसकी चर्चाओं में शामिल होंगे। दर्शक लंबे समय तक सोचने के लिए थिएटर से कुछ लेकर निकलेंगे।'

घर पर ही करें मेनीक्योर-पैडीक्योर

चेहरे के साथ-साथ शरीर की साफ-सफाई रखना भी बहुत जरूरी है। खासकर हाथ-पैर की। हाथ-पैर की त्वचा, कोमल और साफ-सुथरा बनाए रखने के लिए समय- समय पर मेनीक्योर और पैडीक्योर करवाना चाहिए लेकिन बिजी शैड्यूल के चलते पार्लर जाने का समय नहीं मिलता। वैसे भी महंगाई के जमाने में पार्लर जाना काफी महंगा पड़ता है। ऐसे में चिंता करने की जरूरत नहीं आप घर पर ही मेनीक्योर-पैडीक्योर कर हाथों-पैरों को खूबसूरत बना सकते हैं। इसमें आपका ज्यादा खर्चा भी नहीं आएगा।

हाथ-पैर की सफाई के आसान टिप्स

गर्म पानी में थोड़ा सा नमक डालकर हाथ-पैर डुबोने से भी उनकी अच्छी से सफाई हो जाती है लेकिन डेड स्किन को निकालने के लिए उसमें स्क्रबिंग, लोशन और क्रीम की जरूरत पड़ती है।

- नींबू के रस में गुलाब जल मिलाकर हाथों पर लेप लगा सकते हैं। इससे हाथ की त्वचा मुलायम होगी।

-चीनी और तेल को स्क्रबर के तौर पर इस्तेमाल करें। इससे हाथ-पैर की त्वचा मुलायम हो जाएगी। मेनीक्योर के बाद मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं। घर से बाहर जाने से 20 मिनट पहले हाथों पर भी सनस्क्रीन लोशन लगाएं।

- 1 चम्मच शहद, 1 अंडे (पीले भाग के बिना) और 1 चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर हाथ-पैरों में लगाएं। फिर 10 मिनट बाद गुनगुने पानी से हाथ पैर धो लें।

-गर्म पानी में नमक, मेडिकेटेड हैंडवॉश और ग्लिसरीन डालकर पैरों को 20 मिनट तक उसमें डुबो कर रखें। उसके बाद फुट स्मूदर और मसाजर से एड़ियों को अच्छे से रगड़ें। अच्छी तरह स्क्रब करने के बाद उन पर फुट क्रीम लगाएं और पैरों पर पतला पॉलिथिन चढ़ाकर जुराबे पहनें।

- गर्म पानी में आधा चम्मच हाइड्रोजन पैरोक्साइड डालें और 5-6 मिनट तक पैरों को डूबोकर रखें। फुट स्क्रब क्रीम से 5 मिनट स्क्रबिग करें। बाद में पैर धोकर पोंछ लें। बाद में कोल्ड क्रीम लगाकर 3 से 5 मिनट मालिश करें।

-नाखूनों साफ करने के लिए नेल ब्रश का इस्तेमाल करें और शेप देने के लिए फाइलर और नेल कटर की मदद लें। याद रखें ये बात मेनिक्योर-पैडीक्योर से हाथ और पैर की त्वचा मुलायम होती है और सारी गंदगी निकल जाती है लेकिन ध्यान रहें कि मेनिक्योर निश्चित अवधि में ही करवाया जाए। ज्यादा मेनिक्योर-पैडीक्योर करवाने से भी हाथ-पैर की प्राकृतिक चमक-दमक गायब हो जाती है।

गर्दन का कालापन
दूर करने के लिए घरेलू उपचार

चेहरे की खुबसूरती के साथ-साथ गर्दन का सुन्दर होना भी बहुत ज़रूरी है। लोग इस पर ध्यान नहीं देते। ज़्यादातर इसे नजंर अंदाज किया जाता है। गर्मियों में गर्दन का कालापन, सन टैनिंग या सनबर्न आम समस्या है। इसलिए आज हम आपको गर्दन का कालापन दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपचारों के बारे में बताएगें। तो आइए जानते हैं ये घरेलू उपचार.....

– **नींबू और गुलाबजल** रात को सोने से पहलें आप घर पर नींबू का रस और गुलाबजल मिला कर रूई की मदद से गर्दन पर लगा कर छोड़ दें। सुबह होते ही इसे साफ पानी से धो लें।

– **शहद** नींबू और शुद्ध शहद को एक समान मिला कर 20-25 मिनट तक गर्दन पर लगा कर छोड़ दें। बाद में पानी से साफ कर लें और देखे कि गर्दन का कालापन कुछ हद तक साफ हो जाएगा।

– **हल्दी पावडर** चुटकी भर हल्दी को 1 चम्मच नींबू के रस में मिला कर 20 मिनट तक लगाएं। जब यह सूख जाए तो पानी से साफ कर लें।

– टमाटर

गर्दन का कालापन दूर करने के लिए टमाटर और नींबू के रस को समान मात्रा में मिला कर दिन में दो बार गर्दन पर लगाएं। बाद में पानी से साफ कर दें।

– जैतून तेल और शहद

गर्दन की डेड स्किन को हटाने के लिए और त्वचा में नमी बनाए रखने के लिए थोड़ा सा नींबू का रस, जैतून के तेल की कुछ बूंदें और 1 चम्मच शहद को मिला कर 30 मिनट लग लगा कर रखें और मसाज करें। मसाज करने के बाद पानी से साफ कर लें।

मोती जैसे सफेद दांत
पाना चाहते हैं तो अपनाएं ये टिप्स

खिल-खिलाती मुस्कान किसी को भी अपनी ओर आकर्षित कर सकती है। खूबसूरत मुस्कान के पीछे हमारे दांतों की अहम भूमिका होती है। यह सिर्फ खाना खाने में ही मददगार नहीं होते बल्कि इससे हमारी पर्सनैलिटी को नई पहचान मिलती है लेकिन अगर दांत पीले हों तो पर्सनैलिटी पर बुरा असर भी पड़ता है। पानी में मौजूद कैमिकल्स ,तंबाकू और कलर्ड फूड्स के ज्यादा इस्तेमाल से दांतों में पीलापन आ जाता है। इन्हें चमकाने के लिए बाजार से आपको ढेरों प्रॉडक्ट्स मिल जाएंगे लेकिन उनमें मौजूद कैमिकल्स से मसूड़ों को नुक्सान पहुंचता है। आज हम आपको ऐसे टिप्स बताएंगे जिससे दांत तो मोतियों जैसे सफेद होंगे बल्कि इसके साथ-साथ वह मजबूत भी बनेंगे।

- खान-पान की तरफ पूरा ध्यान दें

सबसे पहले तो अपने खान-पान की तरफ पूरा ध्यान दें। ऐसे फल और सब्जियां खाएं जिसे चबाने की जरूरत पड़े। दूध से बनने वाले उत्पादों का सेवन ज्यादा करें क्योंकि उसमें कैल्शियम होता है जो दांतों के लिए बहुत जरूरी है। चाय कॉफी का सेवन सीमित मात्रा में ही करें। धूम्रपान से दूर रहें।

- तुलसी

तुलसी मुंह और दांतों के रोग से बचाती है। इससे दांत का पीलापन भी दूर होता है। तुलसी के पत्तों को धूप में सुखाकर पाऊडर बना लें फिर टूथपेस्ट में मिलाकर नियमित ब्रश करें।

- नमक और सरसों का तेल

नमक और सरसों के तेल से दांत चमकाने का नुस्खा काफी पुराना है। बस चुटकी भर नमक में 2-3 बूंदें तेल की मिलाकर दांत साफ करें।

- नीम

नीम में दांत सफेद बनाने और बैक्टीरिया खत्म करने के लाजवाब गुण पाए जाते हैं। रोजाना नीम की दातून से दांत साफ करें।

- स्ट्रॉबेरी

स्ट्रॉबेरी में मैलिक एसिड मौजूद होता है, जो एक नैचुरल व्हाइटनिंग एजैंट है जो स्लाइवा के प्रॉडक्शन को बढ़ाकर दांतों को सफेद बनाता है। एक स्ट्रॉबेरी को मैश कर लें और टूथब्रश की मदद से दांतों पर हल्के से रगड़ें और 5 मिनट बाद अच्छी तरह धो लें। ऐसा हते में एक बार जरूर करें।

- संतरे के छिलके और तुलसी के पत्ते

संतरे के छिलके और तुलसी के पत्तों को सुखाकर पाऊडर बना लें। ब्रश करने के बाद इस पाऊडर से दांतों पर हल्के से रोजाना मसाज करें।

- नारियल, तिल या जैतून का तेल

नारियल, तिल या जैतून के तेल से दांत साफ करना आयुर्वैदिक तरीका है। एक चमच में नारियल तेल लेकर इसे मुंह व दांतों में लगाएं।

- बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा पीले दांतों को सफेद बनाने का सबसे अच्छा घरेलू तरीका है। ब्रश करने के बाद थोड़ा-सा बेकिंग सोडा दांतों पर धीरे-धीरे रगड़ें। दांतों पर जमी पीली परत साफ हो जाएगी।

- नींबू का रस

एक नींबू का रस निकालकर उसमें समान मात्रा में ही पानी मिला लें। खाने के बाद इस पानी का कुल्ला करें। रोजाना ऐसा करने से दांतों का पीलापन और सांसों की दुर्गंध दूर हो जाती है।

सौंदर्य में निखारने पाने के लिए इस्तेमाल में लाए यह साबुन

आजकल ऐलोवेरा का ज्यादातर इस्तेमाल सौंदर्य को बरकरार रखने के लिए किया जाता है। ऐलोवेरा प्रकृति का वरदान है। यह रूखी, बेजान, दागदार त्वचा के साथ-साथ मुंहासों, सोरायसिस आदि त्वचा की समस्या को दूर करने में भी मदद करता है। इसके रस को चेहरे पर लगाने से त्वचा में चमक आती है। कई बार त्वचा के जलने पर और त्वचा का कालापन दूर करने के लिए भी एलोवेरा का रस लगाया जाता है। सौंदर्य में निखार पाने के लिए आप एलोवेरा का फेस पैक भी बना कर लगा सकते हैं। इसलिए आज हम आपको सौंदर्य में निखार लाने के लिए एलोवेरा साबुन बनाने के बारे में बताएगें। इसे आप घर पर बहुत ही आसानी से बना सकते हैं। तो आइए जानते हैं साबुन बनाने की विधि और सामग्री।

1 किलो ऐलोवेरा साबुन बनाने की सामग्री

- ऐलोवेरा का पल्प 110 ग्राम
- कास्टिक सोडा 110 मिली
- जैतून का तेल 750 मिली
- पानी 250 मिली
- आवश्यक तेल

ऐलोवेरा साबुन बनाने के विधि :-

1. इस साबुन को बनाने के लिए पहले एलोवेरा, ऑलिव ऑयल, पानी, कास्टिक सोडा और साबुन में खुशबू डालने के लिए आवश्यक तेल लें।
2. ध्यान में रखें कि साबुन को बनाने के लिए खुली और हवादार जगह हों। साथ ही साबुन बनाने समय हाथों में दस्ताने जरूर पहन लें।
3. इसके बाद पानी को उबाल कर प्लास्टिक कंटेनर या बालटी में डाल लें और इसमें कास्टिक सोडा मिला कर मिक्स करें व ठंडा होने के लिए रख दें।
4. जब यह मिश्रण ठंडा हो जाए तो चाकू की मदद से ऐलोवेरा को काटें और उसका पल्प निकाल लें।
5. अब इस पल्प को मैश करें और ऑलिव ऑयल को माइक्रावेव में गर्म करें।
6. जब ऑलिव ऑयल ठंडा हो जाए तो इसमें जैतून का तेल मिलाएं और ऐलोवेरा को मिलाएं।
7. आप इसमें अच्छी खुशबू पाने के लिए लैवेंडर, गुलाब आदि मिला सकते हैं।
8. जब यह सारा मिक्स हो जाएं तो बड़े और गहरे सांचे में डालें और ठोस होने के लिए रख दें।
9. जब यह ठोस हो जाए तो इस ऐलोवेरा साबुन को टुकड़ों में काट लें।

बाद में इन टुकड़ों को ठोस हेने के लिए 15-30 दिनों तक रख दें। बाद में इसका इस्तेमाल कर लें।